



भारत का राजपत्र The Gazette of India

प्राधिकार से प्रकाशित
PUBLISHED BY AUTHORITY

सं० 26]

नई दिल्ली, शनिवार, जून 27, 1987/आषाढ़ 6, 1989

No. 26]

NEW DELHI, SATURDAY, JUNE 27, 1987/ASADHA 6, 1989

इस भाग में भिन्न पृष्ठ संख्या दी जाती है जिससे कि यह अलग संकलन के रूप में
रखा जा सके

Separate Paging is given to this Part in order that it may be filed as
a separate compilation

भाग II—खण्ड 3—उप-खण्ड (ii)

PART II—Section 3—Sub-section (ii)

(रक्षा मंत्रालय को छोड़ कर) भारत सरकार के मंत्रालयों द्वारा जारी किए गए सांविधिक आदेश और अधिसूचनाएं
Statutory Orders and Notifications issued by the Ministries of the Government of India (other than
the Ministry of Defence)

विधि और न्याय मंत्रालय

(विधि कार्य विभाग)

नई दिल्ली, 8 जून, 1987

सूचनाएं

का० प्रा० 1566—नोटरीज नियम, 1956 के नियम 6 के अनुसरण में मक्षम प्राधिकारी द्वारा यह सूचना दी जाती है कि श्री कृष्णा गोपाल बारमेरा, एडवोकेट ने उक्त प्राधिकारी को उक्त नियम के नियम 4 के अधीन एक आवेदन इस बात के लिए दिया है कि उसे पाली में व्यवसाय करने के लिए नोटरी के रूप में नियुक्त किया जाए।

2. उक्त व्यक्ति को नोटरी के रूप में नियुक्ति पर किसी भी प्रकार का आक्षेप इस सूचना के प्रकाशन के चौवह दिन के भीतर लिखित रूप में मेरे पास भेजा जाए।

[सं० 5(37)/87-न्या०]

MINISTRY OF LAW AND JUSTICE

(Department of Legal Affairs)

New Delhi, the 8th June, 1987

NOTICES

S.O. 1586.—Notice is hereby given by the Competent Authority in pursuance of rule 6 of the Notaries, 1956, that

application has been made to the said Authority, under rule 4 of the said Rules, by Shri Krishna Gopal Barmera, Advocate for appointment as a Notary to practise in Pali.

2. Any objection to the appointment of the said person as a Notary may be submitted in writing of the undersigned within fourteen days of the publication of this Notice.

[No. R 5(37)/87-Judl.]

का० प्रा० 1587—नोटरीज नियम, 1956 के नियम 6 के अनुसरण में मक्षम प्राधिकारी द्वारा यह सूचना दी जाती है कि श्री डी० के० मजूमदार, एडवोकेट ने उक्त प्राधिकारी को उक्त नियम के नियम 4 के अधीन एक आवेदन इस बात के लिए दिया है कि उसे सियासदह सिविल कोर्ट में व्यवसाय करने के लिए नोटरी के रूप में नियुक्त किया जाए।

2. उक्त व्यक्ति को नोटरी के रूप में नियुक्ति पर किसी भी प्रकार का आक्षेप इस सूचना के प्रकाशन के चौवह दिन के भीतर लिखित रूप में मेरे पास भेजा जाए।

[सं० 5(38)/87-न्या०]

S.O. 1587.—Notice is hereby given by the Competent Authority in pursuance of rule 6 of the Notaries 1956,

that application has been made to the said Authority, under rule 4 of the said Rules, by Shri D. K. Majomdar, Advocate for appointment as a Notary to practise in Sealdah Civil Court.

2. Any objection to the appointment of the said person as a Notary may be submitted in writing to the undersigned within fourteen days of the publication of this Notice.

[No. F. 5(38)/87-Judl.]

नई दिल्ली, 20 मई, 1987

का. आ. 1588 नोटरीज नियम, 1956 के नियम 6 के अनुसरण में मसम प्राधिकारी द्वारा यह सूचना दी जाती है कि श्री पी. के. मुखर्जी ने उक्त अधिकारी को उक्त नियम के नियम 4 के अधीन एक आवेदन इस बात के लिए दिया है कि उसे नई दिल्ली एवं वाराणसी में व्यवसाय करने के लिए नोटरी के रूप में नियुक्त किया जाए।

2. उक्त व्यक्ति की नोटरी के रूप में नियुक्ति पर किसी भी प्रकार का आक्षेप इस सूचना के प्रकाशन के चौदह दिन के भीतर लिखित रूप में मेरे पास भेजा जाए।

[सं. 5(34)/87-न्या.]

New Delhi, the 20th May, 1987

S.O. 1588.—Notice is hereby given by the Competent Authority in pursuance of rule 6 of the Notaries, 1956, that application has been made to the said Authority, under rule 4 of the said Rules, by Shri P. K. Mukherjee, Advocate for appointment as a Notary to practise in New Delhi and Varanasi.

2. Any objection to the appointment of the said person as a Notary may be submitted in writing to the undersigned within fourteen days of the publication of this Notice.

[No. F. 5(34)/87-Judl.]

का. आ. 1589 नोटरीज नियम, 1956 के नियम 6 के अनुसरण में मसम प्राधिकारी द्वारा सूचना दी जाती है कि श्री गी. आर. पाटिल, एडवोकेट ने उक्त प्राधिकारी को उक्त नियम के नियम 4 के अधीन एक आवेदन इस बात के लिए दिया है कि उसे हुबली एवं धारवाड व्यवसाय करने के लिए नोटरी के रूप में नियुक्त किया जाए।

2. उक्त व्यक्ति की नोटरी के रूप में नियुक्ति पर किसी भी प्रकार का आक्षेप इस सूचना के प्रकाशन के चौदह दिन के भीतर लिखित रूप में मेरे पास भेजा जाए।

[सं. 5(35)/87-न्या.]

S.O. 1589.—Notice is hereby given by the Competent Authority in pursuance of rule 6 of the Notaries, 1956, that application has been made to the said Authority, under rule 4 of the said Rules, by Shri C. R. Patil, Advocate for appointment as a Notary to practise in Hubli and Dharwad.

2. Any objection to the appointment of the said person as a Notary may be submitted in writing to the undersigned within fourteen days of the publication of this Notice.

[No. F. 5(35)/87-Judl.]

का. आ. 1590 नोटरीज नियम, 1956 के नियम 6 के अनुसरण में मसम प्राधिकारी द्वारा यह सूचना दी जाती है कि श्री कुंवर प्रताप सिंह, एडवोकेट ने उक्त प्राधिकारी को उक्त नियम के नियम 4 के अधीन एक आवेदन इस बात के लिए दिया है कि उसे दिल्ली में व्यवसाय करने के लिए नोटरी के रूप में नियुक्त किया जाए।

2. उक्त व्यक्ति की नोटरी के रूप में नियुक्ति पर किसी भी प्रकार का आक्षेप इस सूचना के प्रकाशन के चौदह दिन के भीतर लिखित रूप में मेरे पास भेजा जाए।

[सं. 5(36)/87-न्या.]

(आर एन. पौडार, मसम प्राधिकारी)

S.O. 1590.—Notice is hereby given by the Competent Authority in pursuance of rule 6 of the Notaries, 1956, that application has been made to the said Authority, under rule 4 of the said Rules, by Shri Kunwar Pratap Singh, Advocate for appointment as a Notary to practise in Delhi.

2. Any objection to the appointment of the said person as a Notary may be submitted in writing to the undersigned within fourteen days of the publication of this Notice.

[No. F. 5(36)/87-Judl.]

R. N. PODDAR, Competent Authority

कामिक और लोक शिक्षायात तथा पेंशन मंत्रालय

(कामिक और प्रशिक्षण विभाग)

नई दिल्ली, 10 जून, 1987

का. आ. 1591 राष्ट्रपति, संविधान के अनुच्छेद 148 के खंड (5) के साथ पठित अनुच्छेद 309 के परन्तुक द्वारा प्रवृत्त शाक्तियों का प्रयोग करते हुए और भारतीय लेखा परीक्षा और लेखा विभाग में सेवा करने वाले व्यक्तियों के संबंध में भारत के नियंत्रक महालेखा परीक्षक से परामर्श करने के पश्चात् केन्द्रीय सिविल सेवा (वर्गीकरण/नियंत्रण और अपील) नियम, 1965 का और संशोधन करने के लिए निम्नलिखित नियम बनाते हैं, अर्थात् :-

1. (1) इन नियमों का संक्षिप्त नाम केन्द्रीय सिविल सेवा (वर्गीकरण, नियंत्रण और अपील) दूसरा संशोधन) नियम, 1987 है।

(2) ये राजपत्र में प्रकाशन की तारीख को प्रवृत्त होंगे।

2. केन्द्रीय सिविल सेवा (वर्गीकरण) नियंत्रण और अपील) नियम, 1965 के नियम II के खंड (ii) के पश्चात् और स्पष्टीकरण के पूर्व निम्नलिखित परन्तुक अंग-स्थापित किए जायेंगे, अर्थात् :-

"परन्तु प्रत्येक ऐसे मामले में जिसमें कोई पदीय कार्य करने या उससे प्रवृत्त रहने के लिए हेतु या हनाम के रूप में, वैध पारिश्रमिक से भिन्न कोई परितोषण किसी व्यक्ति से स्वीकार करने का आरोप सिद्ध हो जाता है, खंड (iii) या खंड (i) में उल्लिखित शास्ति अधिरोपित की जाएगी ;

परन्तु यह और कि किसी असाधारण मामले में और उसके लिए जो विशेष कारण हैं उन्हें देखबद्ध करके, कोई अन्य शास्ति अधिरोपित की जा सकती है।"

[संख्या 11012/11/86-स्था. (ए)]

MINISTRY OF PERSONNEL, PUBLIC GRIEVANCES AND PENSIONS

(Department of Personnel and Training)

New Delhi, the 10th June, 1987

S.O. 1591.—In exercise of the powers conferred by the proviso to article 309, read with clause (5) of article 148, ptroller and Auditor General of India in relation to persons of the Constitution, and after consultation with the Com-servicing in the Indian Audit and Accounts Department, the President hereby makes the following rules further to amend the Central Civil Services (Classification Control and Appeal) Rules, 1965, namely :—

1. (1) These rules may be called the Central Civil Services (Classification, Control and Appeal) (Second Amend-ment) Rules, 1987.

(2) They shall come into force on the date of their publication in the Official Gazette.

2. In the Central Civil Services (Classification, Control and Appeal) Rules, 1965, in rule 11, after clause (ix), and before the Explanation, the following provisos shall be inserted, namely:—

“Provided that, in every case in which the charge of acceptance from any person of any gratification, other than legal remuneration, as a motive or reward for doing or for bearing to do any official act is established, the penalty mentioned in clause (viii) or clause (ix) shall be imposed:

Provided further that in any exceptional case and for special reasons recorded in writing any other penalty may be imposed.”

[No. 11012/11/86 Estt.(A)]

नई दिल्ली, 12 जून, 1987

गुडि-पत्र

का. आ. 1592.—भारत के राजपत्र के भाग II, खंड 3 (ii) में 20 जुलाई, 1985 को सा. आ. संख्या 3325 के रूप में प्रकाशित कर्मिक और प्रशिक्षण विभाग की अधिसूचना संख्या 25013/25/84-स्वा. (क) के स्थान पर 25013/13/82-स्वा. (क) पढ़ें।

[संख्या 25013/13/82-स्वा. (क)]

ए. जयरामन, निदेशक

New Delhi, the 12th June, 1987

CORRIGENDUM

S.O. 1592.—In the Department of Personnel and Training Notification published in the Gazette of India, Part II, Section 3(ii) dated the 20th July, 1985, as S.O. 3325, for the Notification No. 25013/25/83-Estt. (A) read 25013/13/82-Estt. (A).

[No. 25013/13/82-Estt.(A)]

A. JAYARAMAN, Director

नई दिल्ली, 16 जून, 1987

का.आ. 1593.—केन्द्रीय सरकार, दंड प्रक्रिया संहिता, 1973 (1974 का 2) की धारा 24 की उपधारा (8) द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए, श्री के. कुन्हीरामा मेनन, अधिवक्ता, एर्नाकुलम को मुख्य न्यायिक मजिस्ट्रेट, एर्नाकुलम के न्यायालय में धार. सी. 7/86-केरल राज्य बनाम श्री पी. के. नारायणन उर्फ पैलाकुलथ नारायण सुपुत्र श्री कुन्हीरामन और तीन अन्य के मामले में राज्य की ओर से उपसजात होने और अभियोजन का संचालन करने के लिए विशेष लोक अभियोजक के रूप में नियुक्त करती है।

[संख्या 225/14/87-ए.वी.डी. (II)]

के. आर. गोपाल राव, अवर सचिव

New Delhi, the 16th June, 1987

S.O. 1593.—In exercise of the powers conferred by sub-section (8) of section 24 of the Code of Criminal Procedure, 1973 (2 of 1974), the Central Government hereby appoints Shri K. Kunhirama Menon, Advocate, Ernakulam, as a Special Public Prosecutor to appear and conduct prosecution on behalf of the State in RC. 7/86-KER State versus Shri P. K. Narayanan alias Pelakulath Narayanar son of Shri Kunhiraman and 3 others, in the Court of Chief Judicial Magistrate, Ernakulam.

[No. 225/14/87-AVD.II]

K. R. GOPALA RAO, Under Secy.

वित्त मंत्रालय

(राजस्व विभाग)

नई दिल्ली, 11 सितम्बर, 1986

आदेश-कर

का० आ० 1594.—सर्वसाधारण की जानकारी के लिए एतद्वारा अधिसूचित किया जाता है कि विहित प्राधिकारी, अर्थात् वैज्ञानिक और औद्योगिक अनुसंधान विभाग, नई दिल्ली ने निम्नलिखित संस्था को आयकर नियमावली, 1962 के नियम 6 के साथ पठित आयकर अधिनियम, 1961 की धारा 35 की उपधारा (i) के खण्ड (i) (पैतीस/एक/दो) के प्रयोजनों के लिए “संगम” प्रवर्ग के अधीन, निम्नलिखित शर्तों पर अनुमोदित किया है, अर्थात्:—

(i) यह कि बत्ता मेडिकल रिसर्च सेंटर, नई दिल्ली अपने वैज्ञानिक अनुसंधान के लिए स्वयं द्वारा प्राप्त और उनमें से व्यय की गई राशियों का एक अलग लेखा रखेगा।

(ii) केन्द्र निम्नलिखित कार्यक्रम हों चलाएगा:—

(क) पशुओं एवं व्यक्तियों की बीमारियों के नियंत्रण एवं चिकित्सा के लिए इंटरकेरोन्स (प्लांट इंटरकेरोन्स) के उत्पादन के लिए परियोजना।

(ख) माइक्रोकोडिडल इन्फेक्शन के बाद गौण निवारण के लिए परियोजना, प्रोपेराटोसल तथा डाइसोपिरामेड का तुलनात्मक मूल्यांकन।

(ग) ऐजियोग्राफिक रूप से परिभाषित कारोन्तरी एथरोस्केलेरोसिस के साथ सीरम लिपाइड के सम्बन्ध में और ऐसी विधाति की वृद्धि पर लिपाइड परिवर्तनों के प्रभाव सम्बन्धी परियोजना—एक क्रमिक कारोन्तरी एजियोग्राफिक अध्ययन।

(iii) यह कि उक्त संगम अपने वैज्ञानिक अनुसंधान सम्बन्धी क्रिया-कलापों की वार्षिक विवरणी विहित प्राधिकारी को प्रत्येक वित्तीय वर्ष के सम्बन्ध में प्रति वर्ष 30 अप्रैल तक ऐसे प्रारूप में प्रस्तुत करेगा जो इस प्रयोजन के लिए अधिकृत किया जाए और उसे सूचित किया जाए।

(iv) यह कि उक्त संगम अपनी कुल आय तथा व्यय दर्शाते हुए अपने संपरीक्षित वार्षिक लेखों की तथा अपनी परिसम्पत्तियां तथा वेनवारियां दर्शाते हुए तुलन-पत्र की एक-एक प्रति प्रतिवर्ष 30 जून तक विहित प्राधिकारी को प्रस्तुत करेगा तथा इन दस्तावेजों में से प्रत्येक की एक-एक प्रति सम्बन्धित आयकर आयुक्त को भेजेगा।

(v) किसी भी ऐसे कार्यक्रम के अन्तर्ग प्रस्तुत कर सकता है जिसे वह अपने हाथ में लेना चाहे और समय-समय पर स्वीकृति प्राप्त कर सकता है।

(vi) यह कि उक्त संस्थान, वित्त मंत्रालय, राजस्व विभाग के केन्द्रीय प्रत्यक्ष कर बोर्ड, नई दिल्ली से आगे अवधि बढ़ाने के लिए, अनुमोदन की अवधि समाप्त होने से 3 माह पूर्व आवेदन करेगा। अनुमोदन की अवधि समाप्त होने की तारीख के बाद प्राप्त किए गए आवेदन पत्र रद्द कर दिए जाएंगे।

संस्था

“बत्ता मेडिकल रिसर्च सेंटर, नई दिल्ली”।

यह अधिसूचना दिनांक 1-8-1986 से 31-3-1988 तक की अवधि के लिए प्रभावी है।

[सं० 6907 (फा० सं० 203/37/86-आ०-क०-नि०-I I)]

MINISTRY OF FINANCE

(Department of Revenue)

New Delhi, the 11th September, 1986

INCOME-TAX

S.O. 1594.—It is hereby notified for general information that the Institution mentioned below has been approved by Department of Scientific & Industrial Research, New Delhi, the Prescribed Authority for the purposes of clause (ii) of sub-section (1) of Section 35 (Thirty Five|One|Two) of the Income-tax Act, 1961, read with Rule 6 of the Income-tax Rules, 1962 under the category "Association" subject to the following conditions :—

- (i) That Batra Medical Research Centre, New Delhi, will maintain a separate account of the sums received by it for scientific research and expenditure incurred therefrom.
- (ii) The Centre would pursue only the following programmes :
 - (a) Project on the production of Interferons (plant in interferons) for the control and treatment of Malignancies of animal and human beings.
 - (b) Project on Secondary Prevention after Myocardial Infraction—Comparative Evaluation of Propranolol and Disopyramide.
 - (c) Project on relation of serum lipid with angiographically defined coronary atherosclerosis and effects of lipid alterations of growth of such lesions—a serial coronary angiographic study.
- (iii) that the said Association will furnish Annual Return of its scientific research activities to the Prescribed Authority for every financial year in the prescribed format by 30th April of each year.
- (iv) That the said Institute will submit to the Prescribed Authority by 30th June each year a copy of their audited annual accounts showing their total income and expenditure and balance sheet showing its assets and liabilities with a copy of each of these documents to the concerned Commissioner of Income Tax.
- (v) The Centre can submit details of any other programmes they would like to undertake and obtain clearance from time to time.
- (vi) That the said Institute will apply to CBDT, Min. of Finance, Deptt. of Revenue, New Delhi, 3 months in advance before the expiry of the approval for further, extension Applications received after the date of expiry of approval are liable to be rejected.

INSTITUTION

"Batra Medical Research Centre, New Delhi."

This Notification is effective for a period from 1-8-86 to 31-3-88.

[No. 6907(F. No. 203/37/86-ITA-II)]

नई दिल्ली, 6 जनवरी, 1987

का० प्रा० 1595:—इस कार्यालय की दिनांक 7-5-1985 की अधिसूचना सं० 6214 (फा० सं० 203/237/84-आ०क०नि०-II) के सिलसिले में, सर्वसाधारण की जानकारी के लिए एतद्द्वारा अधिसूचित किया जाता है कि विहित प्राधिकारी, अर्थात् वैज्ञानिक और औद्योगिक अनुसंधान विभाग, नई दिल्ली, ने निम्नलिखित संस्था को आयकर नियम, 1962 के नियम 6 के साथ पठित आयकर अधिनियम, 1961 की धारा 35 की उपधारा (i) के खंड (ii) (पैतीस/एक/दो) के प्रयोजनों के लिए "संगम" प्रवर्ग के अधीन, निम्नलिखित शर्तों पर अनुमोदित किया है :—

- (i) यह कि नेत्र अनुसंधान केन्द्र, मद्रास, अपने वैज्ञानिक अनुसंधान के लिए स्वयं द्वारा प्राप्त राशियों का पृथक् लेखा रखेगा।

- (ii) यह कि उक्त संगम अपने वैज्ञानिक अनुसंधान संबंधी विद्या-कलाओं की वार्षिक विवरणी, विहित प्राधिकारी को प्रत्येक वित्तीय वर्ष के संबंध में प्रति वर्ष 30 अप्रैल तक ऐसे प्रारूप में प्रस्तुत करेगा जो इस प्रयोजन के लिए अधिकृत किया जाए और उसे सूचित किया जाए।

- (iii) यह कि उक्त "संगम" अपनी कुल आय तथा व्यय वशाति हुए अपने संपरीक्षित वार्षिक लेखों की तथा अपनी परिमपत्तियाँ, देनदारियाँ वशाति हुए तुलन-पत्र की एक-एक प्रति, प्रति वर्ष 30 जून तक विहित प्राधिकारी को प्रस्तुत करेगा तथा इन वस्तुओं में से प्रत्येक की एक-एक प्रति संबंधित आयकर अधिकृत को भेजेगा।

- (iv) यह कि उक्त "संगम" केन्द्रीय प्रत्यक्ष कर बोर्ड, वित्त मंत्रालय (राजस्व विभाग), नई दिल्ली को अनुमोदन की समाप्ति से तीन माह पूर्व और अवधि बढ़ाने के लिए आवेदन करेगा। आवेदन प्रस्तुत करने में किसी प्रकार की देरी होने पर प्राथमिकता रद्द कर दिया जाएगा।

संस्था

"नेत्र अनुसंधान केन्द्र, कैथेड्रल रोड, मद्रास-600 086"।

यह अधिसूचना 1-6-1985 से 30-6-1987 तक की अवधि के लिए प्रभावी है।

[सं० 7089 (फा० सं० 203/151/85-आ०क०नि०-II)]

New Delhi, the 6th January, 1987

S.O. 1595.—In continuation of the Office Notification No. 6214 (F. No. 203/237/84-ITA-II) dated 7-5-1985. It is hereby notified for general information that the Institution mentioned below has been approved by Department of Scientific & Industrial Research, New Delhi, the Prescribed Authority for the purpose of clause (ii) of sub-section (1) of Section 35 (Thirty Five|One|Two) of the Income-tax Act, 1961, read with Rule 6 of the Income-tax Rules, 1962 under the category "Association", subject to the following conditions :—

- (i) That the Eye Research Centre, Madras will maintain a separate account of the sums received by it for scientific research.
- (ii) That the said Association will furnish annual returns of its scientific research activities to the Prescribed Authority for every financial year in such forms as may be laid down and intimated to them for this purpose by 30th April each year.
- (iii) That the said Association will submit to the Prescribed Authority by 30th June each year a copy of their audited annual accounts showing their total income and expenditure and Balance Sheet showing its assets and liabilities with a copy of each of these documents to the concerned Commissioner of Income-tax.
- (iv) That the said Association will apply to Central Board of Direct Taxes, Ministry of Finance, (Department of Revenue), New Delhi, 3 months in advance before the expiry of the approval for further extension. Applications received after the date of expiry of approval are liable to be rejected.

INSTITUTION

"Eye Research Centre, Cathedral Road, Madras-600086".

This Notification is effective for a period from 1-6-1985 to 30-6-1987.

[No. 7089 (F. No. 203/151/85-ITA-II)]

कां० प्रा० 1596—सर्वसाधारण की जानकारी के लिए एतद्वारा अधिसूचित किया जाता है कि निम्नलिखित संस्था/संगम और इसके कार्यक्रम आयकर अधिनियम, 1961 की धारा 35 ग ग ख के प्रयोजनों के लिए सशिव, पर्यावरण विभाग, भारत सरकार, नई दिल्ली, जो कि विहित प्राधिकारी है, द्वारा आयकर नियमावली, 1962 के नियम 6 क क ग के तहत अनुमोदित किए गए हैं।

संस्था का नाम

“फोरम फार एक्शन एण्ड कोऑर्डिनेशन आन एन्वायरन्मेंट, 95, रासबिहारी एधन्यू, कलकत्ता-700 029

कार्यक्रम

प्राकृतिक संसाधनों के सृजन और संरक्षण, गुणवत्ता बढ़ाए गए उत्पादों आदि के लिए वायोभास के पुनःआवर्तन (रि-माईक्लिंग) सहित पर्यावरणात्मक स्थितियों में सुधार और रख-रखाव।

विहित प्राधिकारी द्वारा (i) उपधारा (2) के अन्तर्गत संस्था को, और (ii) धारा 35 ग ग ख की उपधारा (i) के अन्तर्गत कार्यक्रम को दिए गए दोनों अनुमोदन निम्नलिखित शर्तों के अनुसार 1-12-1986 से 30-11-1989 तक तीन वर्षों की अवधि के लिए मान्य होंगे:—

- (1) एफ.ए.सी.ई., कलकत्ता अपने संरक्षण कार्यक्रमों के लिए स्वयं द्वारा प्राप्त की गई दान राशियों का पृथक् लेखा रखेगा;
- (2) संगठन, संरक्षण कार्यक्रमों की प्रगति रिपोर्टें, विहित प्राधिकारी को प्रत्येक वित्तीय वर्ष के संबंध में प्रतिवर्ष 30 जून तक प्रस्तुत करेगा;
- (3) संगठन अपनी कुल आय तथा वेनदारियां दर्शाते हुए अपने संपरीक्षित वार्षिक लेखों की एक प्रति, प्रतिवर्ष 30 जून तक विहित प्राधिकारी को प्रस्तुत करेगा तथा इन दस्तावेजों में से प्रत्येक की एक-एक प्रति संबंधित आयकर आयुक्त को भेजेगा; और
- (4) यह अनुमति विहित प्राधिकारी के मतत संतुष्ट रहने की हाजत में ही बनी रहेगी और यदि आवश्यक समझा गया तो इसे भूतलकी प्रभाव से वापस लिया जा सकता है।

[सं० 7088 (फा० सं० 203/284/86-आ० क० नि०-II)]

S.O. 1596.—It is hereby notified for general information that the Institution/Association mentioned below and its programme given hereunder has been approved by the Secretary, Department of Environment, Government of India, New Delhi, being the Prescribed Authority under Rule 6AAC of the Income-tax Rules, 1962 for the purposes of Section 35CCB of the Income-tax Act, 1961.

NAME OF THE INSTITUTION

“Forum for Action and Coordination of Environment 95, Rashbehari Avenue, Calcutta-700029”.

PROGRAMME

Improvement and maintenance of environmental conditions including creation and conservation of natural resources, recycling of bio-mass for value added products etc.

Both the approval accorded by the Prescribed Authority namely (i) to the Institution under sub-section (2); and (ii) to the Programme under sub-section (1) of Section 35CCB are valid for a period of three years with effect from 1-1-1986 to 30-11-1989 subject to the following conditions:—

- (i) The FACE, Calcutta, shall maintain a separate account of the donations received by it for conservation activities;
- (ii) The Organisation shall furnish progress reports of the conservation programmes to the Prescribed Authority for every financial year by the 30th June each year;

(iii) The Organisation shall submit to the Prescribed Authority by the 30th June each year a copy of the audited annual accounts showing total income and liabilities and a copy of each of these documents sent to the concerned Commissioner of Income-tax and

(iv) The approval is subject to the continued satisfaction of the Prescribed Authority and may be withdrawn with retrospective effect, if considered necessary.

[No. 7088(F. No. 203/284/86-ITA-II)]

नई दिल्ली, 7 जनवरी 1987

कां० प्रा० 1597.—एक कार्यालय की दिनांक 7-6-1985 की अधिसूचना सं० 6753 (203/46/85-आ० क० नि०-II) के सिलमिले में, सर्वसाधारण की जानकारी के लिए एतद्वारा अधिसूचित किया जाता है कि विहित प्राधिकारी, अर्थात् वैज्ञानिक और औद्योगिक अनुसंधान विभाग, नई दिल्ली ने निम्नलिखित संस्था को आयकर नियम 1962 के नियम 6 के साथ पठित आयकर अधिनियम 1961 की धारा 35 की उपधारा (i) के खंड (ii) (पैतीस/एक/दो) के प्रयोजनों के लिए “संगम” प्रवर्ग के अधीन निम्नलिखित शर्तों पर अनुमोदित किया है:—

- (1) यह कि सुरोत्तम हुत्तीसिंह हेल्थ फाउण्डेशन, अहमदाबाद अपने वैज्ञानिक अनुसंधान के लिए स्वयं द्वारा प्राप्त राशियों का पृथक् लेखा रखेगा।
- (2) यह कि उक्त संगम अपने वैज्ञानिक अनुसंधान संबंधी क्रिया-कलापों की वार्षिक विवरणी, विहित प्राधिकारी को प्रत्येक वित्तीय वर्ष के संबंध में प्रति वर्ष 30 अप्रैल तक ऐसे प्रारूप में प्रस्तुत करेगा जो इस प्रयोजन के लिए अधिकृत किया जाए और उसे सूचित किया जाए।
- (3) यह कि उक्त संगम अपनी कुल आय तथा व्यय दर्शाते हुए अपने संपरीक्षित वार्षिक लेखों की तथा अपनी परिस्थितियां, वेनदारिया दर्शाते हुए तुलन-पत्र की एक-एक प्रति वर्ष 30 जून तक विहित प्राधिकारी को प्रस्तुत करेगा तथा इन दस्तावेजों में से प्रत्येक की एक-एक प्रति संबंधित आयकर आयुक्त को भेजेगा।
- (4) यह कि उक्त संगम केन्द्रीय प्रत्यक्ष कर बोर्ड, वित्त मंत्रालय (राजस्व विभाग) नई दिल्ली, को अनुमोदन की समाप्ति से तीन माह पूर्व और अवधि बढ़ाने के लिए आवेदन करेगा। आवेदन प्रस्तुत करने में किसी प्रकार की देरी होने पर प्रार्थना-मत्त रद्द कर दिया जाएगा।

संस्था

“सुरोत्तम हुत्तीसिंह हेल्थ फाउण्डेशन, दि अरुणा मित प्रोमिसिस, नरोदा रोड, अहमदाबाद-380025”।

यह अधिसूचना 1-4-1986 से 31-3-1988 तक की अवधि के लिए प्रभावी है।

[सं० 7090 (फा सं० 203/278/86-आ० क० नि०-II)]

New Delhi, the 7th January, 1987

S.O. 1597.—In continuation of this Office Notification No. 6253 (F. No. 203/46/85-ITA-II) dated 7-6-1985, it is hereby notified for general information that the Institution mentioned below has been approved by Department of Scientific & Industrial Research, New Delhi, the Prescribed Authority for the purposes of clause (ii) of sub-section (1) of Section 35 (Thirty Five/One/Two) of the Income-tax Act, 1961 read with Rule 6 of the Income-tax Rules, 1962 under the category “Association” subject to the following conditions:—

- (i) That the Surottam Hutheesing Health Foundation, Ahmedabad will maintain a separate account of the sums received by it for scientific research.

- (ii) That the said Association will furnish annual returns of its scientific research activities to the Prescribed Authority for every financial year in such forms as may be laid down and intimated to them for this purpose by 30th April each year.
- (iii) That the said Association will submit to the Prescribed Authority by 30th June each year a copy of their audited annual accounts showing their total income and expenditure and Balance Sheet showing its assets liabilities with a copy of each of these documents to the concerned Commissioner of Income-tax.
- (iv) That the said Association will apply to Central Board of Direct Taxes, Ministry of Finance, (Department of Revenue), New Delhi, 3 months in advance before the expiry of the approval for further extension. Applications received after the date of expiry of approval are liable to be rejected.

INSTITUTION

"Surottam Huthcesing Health Foundation, the Aruna Mill Premises, Naroda Road, Ahmedabad-380025".

This Notification is effective for a period from 1-4-1986 to 31-3-1988.

[No. 7090 (F. No. 203/278/86-ITA-II)]

नई दिल्ली, 16 जनवरी, 1987

का.प्रा. 1598—इस कार्यालय की दिनांक 19-7-1984 की अधिसूचना सं. 5901 (फा.सं. 203/37/84-प्रा.क.नि.-II) के सिलसिले में, सर्वसाधारण की जानकारी के लिये एतद्वारा अधिसूचित किया जाता है कि विहित प्राधिकारी, अर्थात् वैज्ञानिक और औद्योगिक अनुसंधान विभाग नई दिल्ली, ने निम्नलिखित संस्था को आयकर नियमावली, 1962 के नियम 6 के साथ पठित आयकर अधिनियम, 1961 की धारा 35 की उपधारा (i) के खंड (ii) (पैतीस/एक/दो) के प्रयोजनों के लिये "संगम" प्रवर्ग के अधीन निम्नलिखित शर्तों पर अनुमोदित किया है:—

(i) यह कि वैज्ञानिक अनुसंधान केन्द्र, कोट्टाकुप्पम अपने वैज्ञानिक अनुसंधान के लिये स्वयं द्वारा प्राप्त राशियों का प्रयुक्त लेखा रखेगा।

(ii) यह कि उक्त संगम अपने वैज्ञानिक अनुसंधान संबंधी क्रिया-कलापों की वार्षिक विवरणी, विहित प्राधिकारी को प्रत्येक वित्तीय वर्ष के संबंध में प्रति वर्ष 30 अप्रैल तक ऐसे प्ररूप में प्रस्तुत करेगा जो इस प्रयोजन के लिये अधिकृत किया जाये और उसे सूचित किया जाये।

(iii) यह कि उक्त संगम अपनी कुल आय तथा व्यय वार्षिक रूप अपने संपरीक्षित वार्षिक लेखों की तथा अपनी परिसंपत्तियां, देनदारियां वार्षिक रूप तुलन-पत्र की एक प्रति, प्रति वर्ष 30 जून तक विहित प्राधिकारी को प्रस्तुत करेगा तथा इन वस्तावेजों में से प्रत्येक की एक-एक प्रति संबंधित आयकर आयुक्त को भेजेगा।

(iv) यह कि उक्त संगम केन्द्रीय प्रत्यक्ष कर बोर्ड, वित्तमंत्रालय (राजस्व-विभाग) नई दिल्ली को अनुमोदन की समाप्ति से तीन माह पूर्व और अवधि बढ़ाने के लिये आवेदन करेगा। आवेदन प्रस्तुत करने में किसी प्रकार की देरी होने पर प्रार्थना-पत्र रद्द कर दिया जायेगा।

संस्था

"वैज्ञानिक अनुसंधान केन्द्र, डाना आरोविल्ले, कोट्टाकुप्पम-650104"

यह अधिसूचना 1-4-1986 से 31-3-1988 तक अवधि के लिये प्रभावी है।

[सं. 7102(फा.सं. 203/252/86-प्रा.क.नि.-II)]

New Delhi, the 16th January, 1987

S.O. 1598.—In continuation of this Office Notification No. 5901 (F. No. 203/37/84-ITA-II) dated 19-7-1984, It is hereby

by notified for general information that the Institution mentioned below has been approved by Department of Scientific & Industrial Research, New Delhi, the Prescribed Authority for the purposes of clause (ii) of sub-section (1) of Section 35 (Thirty Five/One/Two) of the Income-tax Act, 1961 read with Rule 6 of the Income-tax Rules, 1962 under the category "Association" subject to the following conditions:—

(i) That the Centre for Scientific Research, Kottakupam will maintain a separate account of the sums received by it for scientific research.

(ii) That the said Association will furnish annual returns of its scientific research activities to the Prescribed Authority for every financial year in such forms as may be laid down and intimated to them for this purpose by 30th April each year.

(iii) That the said Association will submit to the Prescribed Authority by 30th June each year a copy of their audited annual accounts showing their total income and expenditure and Balance Sheet showing its assets liabilities with a copy of each of these documents to the concerned Commissioner of Income-tax.

(iv) That the said Association will apply to Central Board of Direct Taxes, Ministry of Finance, (Department of Revenue), New Delhi, 3 months in advance before the expiry of the approval for further extension. Applications received after the date of expiry of approval are liable to be rejected.

INSTITUTION

"Centre for Scientific Research, Dana Auroville, Kottakupam-605104".

This Notification is effective for a period from 1-4-1986 to 31-3-1988.

[No. 7102 (F. No. 203/252/86-ITA-II)]

का.प्रा. 1599—इस कार्यालय की दिनांक 18-5-1982 की अधिसूचना सं. 4616(फा.सं. 203/124/81-प्रा.क.नि.-II) के सिलसिले में, सर्वसाधारण की जानकारी के लिये एतद्वारा अधिसूचित किया जाता है कि विहित प्राधिकारी, अर्थात् वैज्ञानिक और औद्योगिक अनुसंधान विभाग नई दिल्ली, ने निम्नलिखित संस्था को आयकर नियम, 1962 के नियम 6 के साथ पठित आयकर अधिनियम, 1961 की धारा 35 की उपधारा (i) के खंड (iii) (पैंतीस/एक/तीन) के प्रयोजनों के लिये "संस्था" प्रवर्ग के अधीन निम्नलिखित शर्तों पर अनुमोदित किया है:—

(i) यह कि श्री शारदा कनिज ग्राफ एड्युकेशन, सलेम अपने वैज्ञानिक अनुसंधान के लिये स्वयं द्वारा प्राप्त राशियों का पुनः लेखा रखेगा।

(ii) यह कि उक्त संस्थान अपने वैज्ञानिक अनुसंधान संबंधी क्रिया-कलापों की वार्षिक विवरणी, विहित प्राधिकारी को प्रत्येक वित्तीय वर्ष के संबंध में प्रति वर्ष 30 अप्रैल तक ऐसे प्ररूप में प्रस्तुत करेगा जो इस प्रयोजन के लिये अधिकृत किया जाये और उसे सूचित किया जाये।

(iii) यह कि उक्त संस्थान अपनी कुल आय तथा व्यय वार्षिक रूप अपने संपरीक्षित वार्षिक लेखों की तथा अपनी परिसंपत्तियां, देनदारियां वार्षिक रूप तुलन-पत्र की एक-एक प्रति, प्रति वर्ष 30 जून तक विहित प्राधिकारी को प्रस्तुत करेगा तथा इन वस्तावेजों में से प्रत्येक की एक-एक प्रति संबंधित आयकर आयुक्त को भेजेगा।

(iv) यह कि उक्त संस्थान केन्द्रीय प्रत्यक्ष कर बोर्ड वित्त मंत्रालय (राजस्व-विभाग) नई दिल्ली को अनुमोदन की समाप्ति से तीन माह पूर्व

और अधि बहाने के लिये आवेदन करेगा। आवेदन प्रस्तुत करने में किसी प्रकार की देरी होने पर प्रार्थना-पत्र रद्द किया जायेगा।

संस्था

"श्री सारदा कॉलेज ऑफ एजुकेशन, अलागपुरम, सलेम-636016"

यह अधिसूचना 18-5-1985 से 31-3-88 तक की अधि के लिये प्रभावी है।

[सं. 7103 (फा. सं. 203/99/85-आ.क.नि.-II)]

S.O. 1599—In continuation of this Office Notification No. 4616 (F. No. 203/1248/81-ITA-II) dated 18-5-1982, It is hereby notified for general information that the Institution mentioned below has been approved by Department of Scientific & Industrial Research, New Delhi, the Prescribed Authority for the purposes of clause (iii) of sub-section (1) of Section 35 (Thirty Five/One/Three) of the Income-tax Act, 1961 read with Rule 6 of the Income-tax Rules, 1962 under the category "Institution" subject to the following conditions :—

- That the Sri Sarda College of Education, Salem will maintain a separate account of the sums received by it for scientific research.
- That the said Institute will furnish annual returns of its scientific research activities to the Prescribed Authority for every financial year in such forms as may be laid down and intimated to them for this purpose by 30th April each year.
- That the said Institute will submit to the Prescribed Authority by 30th June each year a copy of their audited annual accounts showing their total income and expenditure and Balance Sheet showing its assets liabilities with a copy of each of these documents to the concerned Commissioner of Income-tax.
- That the said Institute will apply to Central Board of Direct Taxes, Ministry of Finance, (Department of Revenue), New Delhi, 3 months in advance before the expiry of the approval for further extension. Applications received after the date of expiry of approval are liable to be rejected.

INSTITUTION

"Sri Sarda College of Education, Alagapuram, Salem-636016".

This Notification is effective for a period from 18-5-1985 to 31-3-1988.

[No. 7103 (F. No. 203/199/85-ITA-II)]

नई दिल्ली, 27 जनवरी, 1987

फा. आ. 1600.—सर्वसाधारण की जानकारी के लिए एतद्वारा अधिसूचित किया जाता है कि निम्नलिखित संस्था/संगम और इसके कार्यक्रम आयकर अधिनियम, 1961 की धारा 35 ग ग ख के प्रयोजनों के लिए सक्षम, पर्यावरण विभाग भारत सरकार, नई दिल्ली जो कि विहित प्राधिकारी है, द्वारा आयकर नियमावली, 1962 के नियम 6 ककग के तहत अनुमोदित किए गए हैं :—

संस्था का नाम

"विक्रम साराभाई सेंटर फार डिवेलपमेंट इंटरैक्शन (विक्रम), थलतेज टेकरा, अहमदाबाद।

कार्यक्रम

"बंजर भूमि में वनरोपण

विहित प्राधिकारी द्वारा (i) उपधारा (2) के अन्तर्गत संस्था को ; और (ii) धारा 35 ग ग ख की उपधारा (i) के अन्तर्गत कार्यक्रम को विपुल दोनों अनुमोदन निम्नलिखित शर्तों के अनुसार दिनांक 1 दिसम्बर, 1986 से तीन वर्षों की अधि के लिए मान्य होंगे :—

(i) द विक्रमसाराभाई सेंटर फार डिवेलपमेंट इंटरैक्शन, अहमदाबाद अपने संरक्षण कार्यक्षेत्रों के लिए स्वयं द्वारा प्राप्त की गई दान राशिओं का पृथक लेखा रखेगा।

(ii) संगठन, संरक्षण कार्यक्रमों की प्रगति रिपोर्ट विहित प्राधिकारी को प्रत्येक वित्तीय वर्ष के संवत्स में प्रति वर्ष 30 जून तक प्रस्तुत करेगा।

(iii) संगठन अपनी कुल आय तथा देनदारियां दर्शाने वाले अपने संपरीक्षित वार्षिक लेखों की एक-एक प्रति, प्रति वर्ष 30 जून तक विहित प्राधिकारी को प्रस्तुत करेगा तथा इन दस्तावेजों में से प्रत्येक की एक-एक प्रति संबंधित आयकर आयुक्त को भेजेगा ; और

(iv) यह अनुमति विहित प्राधिकारी के सतत संतुष्ट रहने की हालत में ही बनी रहेगी और यदि आवश्यक समझा गया तो इसे भूतलश्री प्रभाव से वापस लिया जा सकता है।

[सं. 7112 (फा. सं. 203/281/86-आ.क.नि.-II)]

New Delhi, the 27th January, 1987

S.O. 1600.—It is hereby notified for general information that the Institution/Association mentioned below and its programme given hereunder has been approved by the Secretary, Department of Environment, Government of India, New Delhi being the Prescribed Authority under Rule 6AAC of the Income-tax Rules, 1962 for the purpose of Section 35CCB of the Income-tax Act, 1961 :—

NAME OF THE INSTITUTION

"Vikram Sarabhai Centre for Development Interaction (VIKSAT), Thaltej Tekra, Ahmedabad".

PROGRAMME

"Afforestation of Wastelands"

Both the approval accorded by the Prescribed Authority namely (i) to the Institution under sub-section (27) and (ii) to the programme under sub-section (1) of Section 35CCB are valid for a period of three years commencing from 1st December, 1986, subject to the following conditions :—

- The Vikram Sarabhai Centre for Development Interaction, Ahmedabad shall maintain a separate account of the donations received by it for conservation activities.
- The Organisation shall furnish progress reports of the conservation programme to the Prescribed Authority for every financial year by the 30th June each year.
- The Organisation shall submit to the Prescribed Authority by the 30th June each year a copy of the audited annual accounts showing total income and liabilities and a copy of each of these documents sent to the concerned Commissioner of Income-tax.
- The approval is subject to the continued satisfaction of the Prescribed Authority and may be withdrawn with retrospective effect, if considered necessary.

[No. 7112 (F. No. 203/281/86-ITA-II)]

फा. आ. 1601.—सर्वसाधारण की जानकारी के लिए एतद्वारा अधिसूचित किया जाता है कि विल मंत्रालय (राजस्व और बीमा विभाग) की दिनांक 24-2-1967 की अधिसूचना संख्या 13 (फा.सं. 11/1/69-आ.क.नि.-II) द्वारा निम्नलिखित संस्थान को आयकर अधिनियम, 1961 की धारा 35 (i) (ii) के अधीन दिया गया स्थाई अनुमोदन निम्नलिखित शर्तों पर 31-12-1987 तक वैध समयवश अनुमोदन में परिवर्तित किया जाता है :—

(i) यह है कि लोकमान्य तिलक म्युनिसिपल मैजिस्ट्रल कामिज तथा लोकमान्य तिलक म्युनिसिपल जनरल हास्पिटल स्टाफ एण्ड रिस्चर्स सोसायटी, बम्बई अपने वैज्ञानिक अनुसंधान के लिये स्वयं द्वारा प्राप्त राशिओं का पृथक लेखा रखेगा।

(ii) यह कि उक्त संस्थान अपने वैज्ञानिक अनुसंधान सम्बन्धी क्रियाकलापों की वार्षिक विवरणी, विहित प्राधिकारी को प्रत्येक वित्तीय वर्ष के संवत्स में प्रति वर्ष 30 अप्रैल तक ऐसे प्रारूप में प्रस्तुत करेगा जो इस प्रयोजन के लिये अधिसूचित किया जाये और उसे सूचित किया जाये।

(iii) यह कि उक्त संस्थान अपनी कुल आय तथा व्यय दर्शाते हुए अपने संपरिचित वार्षिक लेखों की तथा अपनी परिसम्पत्तियां, देनदारियां दर्शाते हुए तुलन-पत्र की एक-एक प्रत, प्रति वर्ष 30 जून तक विहित प्राधिकारी को प्रस्तुत करेगा। तथा इन दस्तावेजों में से प्रत्येक की एक-एक प्रति संबंधित आयकर आयुक्त को भेजेगा।

(iv) यह कि उक्त संस्थान केन्द्रीय प्रत्यक्ष कर बोर्ड, वित्त मंत्रालय (राजस्व विभाग) नई दिल्ली को अनुमोदन की समाप्ति से 3 माह पूर्व अपने अवधि बढ़ाने के लिये आवेदन करेगा। आवेदन प्रस्तुत करने में किसी प्रकार की देरी होने पर प्रार्थना-पत्र रद्द कर दिया जायेगा।

संस्था

"लोकमान्य तिलक म्युनिसिपल मेडिकल कालिज एण्ड लोकमान्य तिलक म्युनिसिपल जनरल हॉस्पिटल स्टाफ एण्ड रिसर्च सोसायटी, सियोन, बम्बई-400 022"

[सं. 7113(फा.सं. 203/216/86-आ.क.नि.-II)]

S.O. 1601.—It is hereby notified for general information that the perpetual approval granted to the following Institution under section 35(1)(ii) of the Income-Tax Act, 1961 vide Ministry of Finance (Department of Revenue and Insurance) Notification No. 13 (F. No. 11/169-ITA.II) dated 24-2-1969 is hereby converted into time bound approval valid upto 31-12-1987 subject to the following conditions :—

- (i) That the Lokmanya Tilak Municipal Medical College & Lokmanya Tilak Municipal General Hospital Staff & Research Society, Bombay will maintain a separate account of the sums received by it for scientific research.
- (ii) That the said Institute will furnish annual returns of its scientific research activities to the scientific research activities to the Prescribed Authority for every financial year in such forms as may be laid down and intimated to them for this purpose by 30th April each year.
- (iii) That the said Institute will submit to the Prescribed Authority by 30th June each year a copy of their audited annual accounts showing their total income and expenditure and Balance Sheet showing its assets liabilities with a copy of each of these documents to the concerned Commissioner of Income-tax.
- (iv) That the said Institute will apply to Central Board of Direct Taxes, Ministry of Finance (Department of Revenue), New Delhi, 3 months in advance before expiry the approval for further extension. Applications received after the date of expiry of approval are liable to be rejected.

INSTITUTION

"Lokmanya Tilak Municipal Medical College & Lokmanya Tilak Municipal General Hospital Staff & Research Society, Sion Bombay-400022".

[No. 7113 (F. No. 203/216/86-ITA.II)]

का.प्रा. 1602:—सर्वसाधारण की जानकारी के लिये एतद्वारा अधिसूचित किया जाता है कि वित्त मंत्रालय (राजस्व और बीमा विभाग) की दिनांक 5-11-1971 की अधिसूचना सं. 308(फा.सं. 203/30-71-आ.क.नि.-II) द्वारा निम्नलिखित संस्थान को आयकर अधिनियम, 1961 की धारा 35(i) (ii) के अधीन दिया गया स्थायी अनुमोदन निम्नलिखित शर्तों पर 31-12-1987 तक वैध समयबद्ध अनुमोदन में परिवर्तित किया जाता है :—

(i) यह कि लोकमान्य तिलक हॉस्पिटल सिल्वर जुबली रिसर्च फाउण्डेशन, बम्बई अपने वैज्ञानिक अनुसंधान के लिये स्वयं द्वारा प्राप्त राशियों का पृथक लेखा रखेगा।

(ii) यह कि उक्त संस्थान अपने वैज्ञानिक अनुसंधान संबंधी क्रिया-कलापों की वार्षिक विवरणी, विहित प्राधिकारी को प्रत्येक वित्तीय वर्ष

के संबंध में प्रति वर्ष 30 अप्रैल तक ऐसे प्रत्येक में प्रस्तुत करेगा जो इस प्रयोजन के लिये अधिकृत किया जाये और उसे सूचित किया जाये।

(iii) यह कि उक्त संस्थान अपनी कुल आय तथा व्यय दर्शाते हुए अपने संपरिचित वार्षिक लेखों की तथा अपनी परिसम्पत्तियां देनदारियां दर्शाते हुए तुलन-पत्र की एक-एक प्रत, प्रति वर्ष 30 जून तक विहित प्राधिकारी को प्रस्तुत करेगा तथा इन दस्तावेजों में से प्रत्येक की एक-एक प्रति संबंधित आयकर आयुक्त को भेजेगा।

(iv) यह कि उक्त संस्थान, केन्द्रीय प्रत्यक्ष कर बोर्ड, वित्त मंत्रालय (राजस्व विभाग) नई दिल्ली को अनुमोदन की समाप्ति से 3 माह पूर्व अपने अवधि बढ़ाने के लिये आवेदन करेगा। आवेदन प्रस्तुत करने में किसी प्रकार की देरी होने में प्रार्थना-पत्र रद्द कर दिया जायेगा।

संस्था

"लोकमान्य तिलक हॉस्पिटल सिल्वर जुबली रिसर्च फाउण्डेशन, सियोन, बम्बई-400 022"

[सं. 7111(फा.सं. 203/215/86-आ.क.नि.-II)]

S.O. 1602 —It is hereby notified for general information that the perpetual approval granted under section 35(1)(ii) of the Income-tax Act, 1961 to the following Institution vide Ministry of Finance (Department of Revenue and Insurance) Notification No. 308 (F. No. 203/30/71-IT(A) dated 5-11-1971 is hereby superseded by time bound approval valid upto 31-12-1987 subject to the following conditions :—

- (i) That the Lokmanya Tilak Hospital Silver Jubilee Research Foundation, Bombay will maintain a separate account of the sums received by it for scientific research.
- (ii) That the said Institute will furnish annual returns of its scientific research activities to the Prescribed Authority for every financial year in such forms as may be laid down and intimated to them for this purpose by 30th April each year.
- (iii) That the said Institute will submit to the Prescribed Authority by 30th June each year a copy of their audited annual accounts showing their total income and expenditure and Balance Sheet showing its assets liabilities with a copy of each of these documents to the concerned Commissioner of Income-tax.
- (iv) That the said Institute will apply to Central Board of Direct Taxes, Ministry of Finance (Department of Revenue), New Delhi, 3 months in advance before the expiry of the approval for further extension. Applications received after the date of expiry of approval are liable to be rejected.

INSTITUTION

"Lokmanya Tilak Hospital Silver Jubilee Research Foundation, Sion, Bombay-400022".

[No. 7111 (F. No. 203/215/86-ITA-II)]

नई दिल्ली, 9 फरवरी, 1987

का. प्रा. 1603 -- इस कार्यलय की दिनांक 12-5-1981 की अधिसूचना संख्या 3947 (फा. सं. 203/81/81-आ.क.नि.-II) के सिलसिले में, सर्वसाधारण की जानकारी के लिए एतद्वारा अधिसूचित किया जाता है कि विहित प्राधिकारी, अर्थात् वैज्ञानिक और औद्योगिक अनुसंधान विभाग नई दिल्ली ने निम्नलिखित "संस्था" को आयकर नियम 1962 के नियम 6 के साथ पठित आयकर अधिनियम 1961 की धारा 35 की उपधारा (i) के खंड (ii) (पैतीस/एक/दो) के प्रयोजनों के लिए "संगम" प्रवर्ग के अधीन निम्नलिखित शर्तों पर अनुमोदित किया है, अर्थात् :—

(i) यह कि सीताराम भारतीय इंस्टीट्यूट ऑफ सांख्यिकी रिसर्च, नई दिल्ली, अपने वैज्ञानिक अनुसंधान के लिए स्वयं द्वारा प्राप्त राशियों का पृथक लेखा रखेगा।

(ii) यह कि उक्त संगम अपने वैज्ञानिक अनुसंधान संबंधी क्रियाकलापों की वार्षिक विवरणी, विहित प्राधिकारी को प्रत्येक वित्तीय वर्ष के संबंध में प्रति वर्ष 30 अप्रैल तक ऐसे प्रारूप में प्रस्तुत करेगा जो इस प्रयोजन के लिए अधिस्थित किया जाय और उसे सूचित किया जाय।

(iii) यह कि उक्त संगम अपनी कुल आय तथा व्यय दर्शाते हुए अपने संपरीक्षित वार्षिक लेखों की तथा अपनी परिसंपत्तियां, देनदारियां दर्शाते हुए तुलन-पत्र की एक-एक प्रति, प्रतिवर्ष 30 जून तक विहित प्राधिकारी को प्रस्तुत करेगा तथा इन दस्तावेजों में से प्रत्येक की एक-एक प्रति संबंधित आयकर प्राप्ति को भेजेगा।

संस्था

"सीताराम भारतीय इंडस्ट्रियल आफ साइंटिफिक रिसर्च, 1101 नई दिल्ली हाऊस, 27 बाराखम्बा रोड, नई दिल्ली-110001,"।

यह अधिसूचना 28-3-1984 से 31-3-1986 तक की अवधि के लिए प्रभावी है।

[सं. 7129 (फा. सं. 203/47/85-आ.क.नि.-II)]

New Delhi, the 9th February, 1987

S.O. 1063.—In continuation of this Office Notification No. 3947(F. No. 203/81/81-ITA.II) dated 12-5-1981. It is hereby notified for general information that the Institution mentioned below has been approved by Department of Scientific & Industrial Research, New Delhi, the Prescribed Authority for the purposes of clause (ii) of sub-section (1) of Section 35 (Thirty Five/One/Two) of the Income-tax Act, 1961 read with Rules 6 of the Income-tax Rules, 1962 under the category "Association" subject to the following conditions :—

- (i) That the Sitaram Bhartiya Institute of Scientific Research, New Delhi will maintain a separate account of the sums received by it for scientific research.
- (ii) That the said Association will furnish annual returns of its scientific research activities to the Prescribed Authority for every financial year in such forms as may be laid down and intimated to them for this purpose by 30th April each year.
- (iii) That the said Association will submit to the Prescribed Authority by 30th June each year a copy of their audited annual accounts showing their total income and expenditure and Balance Sheet showing its assets liabilities with a copy of each of these documents to the concerned Commissioner of Income-tax.

INSTITUTION

"Sitaram Bhartiya Institute of Scientific Research, 1101.

New Delhi House, 27 Bara Khamba Road, New Delhi-110001."

This Notification is effective for a period from 28-3-1984 to 31-3-1986.

[No. 7129(F. No. 203/47/85-ITA-II)]

क्र. आ. 1604 :—इस कार्यालय की दिनांक 9-9-1981 की अधिसूचना सं. 4214 (फा. सं. 203/1/80-आ.क.नि.-II) के सिलसिले में, सर्वसाधारण की जानकारी के लिए एतद्वारा अधिसूचित किया जाता है कि विहित प्राधिकारी अर्थात् वैज्ञानिक और औद्योगिक अनुसंधान विभाग, नई दिल्ली, ने निम्नलिखित संस्था को आयकर नियम, 1962 के नियम 6 के साथ पठित आयकर अधिनियम 1961 की धारा 35 की उपधारा (1) के खंड (iii) पंजीस/एक/तीन के प्रयोजनों के लिए "संस्था" प्रथम के अधीन निम्नलिखित शर्तों पर अनुमोदित किया है।

426 GI/87—2

(i) यह कि पब्लिक एंटरप्राइसिज सेंटर फार अ कंटीन्यूइंग एजुकेशन, नई दिल्ली, अपने वैज्ञानिक अनुसंधान के लिए स्वयं द्वारा प्राप्त राशियों का पृथक् लेखा रखेगा।

(ii) यह कि उक्त संस्थान अपने वैज्ञानिक अनुसंधान संबंधी क्रियाकलापों की वार्षिक विवरणी विहित प्राधिकारी को प्रत्येक वित्तीय वर्ष के संबंध में प्रति वर्ष 30 अप्रैल तक ऐसे प्रारूप में प्रस्तुत करेगा जो इस प्रयोजन के लिए अधिस्थित किया जाए और उसे सूचित किया जाए।

(iii) यह कि उक्त संस्थान अपनी कुल आय तथा व्यय दर्शाते हुए अपने संपरीक्षित वार्षिक लेखों की तथा अपनी परिसंपत्तियां, देनदारियां दर्शाते हुए तुलन-पत्र की एक-एक प्रति, प्रति वर्ष 30 जून तक विहित प्राधिकारी को प्रस्तुत करेगा तथा इन दस्तावेजों में से प्रत्येक की एक-एक प्रति संबंधित आयकर प्राप्ति को भेजेगा।

संस्था

"पब्लिक एंटरप्राइसिज सेंटर फार कंटीन्यूइंग एजुकेशन, 6 बसंत लोक कम्युनिटी सेंटर, बसंत विहार, नई दिल्ली-110057"।

यह अधिसूचना 9-9-1984 से 31-3-1987 तक की अवधि के लिए प्रभावी है।

[सं. 7125 (फा. सं. 203/84/85-आ.क.नि.-II)]

S.O. 1604.—In continuation of this Office Notification No. 4214 (F. No. 203/1/80-ITA.II) dated 9-9-1981, it is hereby notified for general information that the Institution mentioned below has been approved by Department of Scientific and Industrial Research, New Delhi the Prescribed Authority for the purpose of clause (iii) of sub-section (1) of Section 35 (Thirty Five/One Three) of the Income-tax Act, 1961 read with Rule 6 of the Income-tax Rules, 1962 under the category "Institution" subject to the following conditions :—

- (i) That the Public Enterprises Centre for Continuing Education, New Delhi will maintain a separate account of the sums received by it for scientific research.
- (ii) That the said Institute will furnish annual returns of its scientific research activities to the Prescribed Authority for every financial year in such forms as may be laid down and intimated to them for this purpose by 30th April each year.
- (iii) That the said Institute will submit to the Prescribed Authority by 30th June each year a copy of their audited annual accounts showing their total income and expenditure and Balance Sheet showing its assets liabilities with a copy of these documents to the concerned Commissioner of Income-tax.

INSTITUTION

"Public Enterprises Centre for Continuing Education, 6 Basant Lok Community Centre, Vasant Vihar, New Delhi-110057."

This Notification is effective for a period from 9-9-1984 to 31-3-1987.

[No. 7125(F. No. 203/84/85-ITA-II)]

क्र. आ. 1605 :—इस कार्यालय की दिनांक 20-9-1981 की अधिसूचना सं. 4174 (फा. सं. 203/122/81 आ. क. नि.-II) के सिलसिले में, सर्वसाधारण की जानकारी के लिए एतद्वारा अधिसूचित किया जाता है कि विहित प्राधिकारी, अर्थात् वैज्ञानिक और औद्योगिक अनुसंधान विभाग, नई दिल्ली, ने निम्नलिखित संस्था को आयकर नियम 1962 के नियम 6 के साथ पठित आयकर अधिनियम 1961 की धारा 35 की उपधारा (1) के खंड (2) (पैस/एक/दो) के प्रयोजनों के

लिए "संगम" प्रयोग के अधीन निम्नलिखित शर्तों पर अनुमोदित किया है प्रस्ताव :-

- (i) यह कि गणेश सांख्यिकीय रिसर्च फाउण्डेशन, नई दिल्ली अपने वैज्ञानिक अनुसंधान के लिए स्वयं प्राप्त राशियों का पृथक लेखा रखेगा।
- (ii) यह कि उक्त संगम अपने वैज्ञानिक अनुसंधान संबंधी क्रियाकलापों की वार्षिक विवरणी, विहित प्राधिकारी को प्रत्येक वित्तीय वर्ष के संबंध में प्रति वर्ष 30 अप्रैल तक ऐसे प्रारूप में प्रस्तुत करेगा जो इस प्रयोजन के लिए अधिकृत किया जाए और उसे सूचित किया जाए।
- (iii) यह कि उक्त संगम अपनी कुल आय तथा व्यय दर्शाते हुए अपने संपरीक्षित वार्षिक लेखों की तथा अपनी परिसम्पत्तियों, देनदारियों दर्शाते हुए तुलन पत्र की एक एक प्रति, प्रति वर्ष 30 जून तक विहित प्राधिकारी को प्रस्तुत करेगा तथा इन दस्तावेजों में से प्रत्येक की एक एक प्रति संबंधित आयकर आयुक्त को भेजेगा।
- (iv) यह कि उक्त संगम केन्द्रीय प्रत्यक्ष कर बोर्ड, वित्त मंत्रालय (राजस्व विभाग) नई दिल्ली को अनुमोदन की समाप्ति के तीन माह पूर्व और अवधि बढ़ाने के लिए आवेदन करेगा। आवेदन प्रस्तुत करने में किसी प्रकार की देरी होने पर प्राथना पत्र रद्द कर दिया जाएगा।

संस्था 2]

"गणेश सांख्यिकीय रिसर्च फाउण्डेशन, 64-65, नजफगढ़ रोड, नई दिल्ली 110015"।

यह अधिसूचना 1-4-1984 से 31-12-1987 तक की अवधि के लिये प्रभावी है।

[सं. 7128 (फा. सं. 203/181/84-आ.क.नि.-II)]

S.O. 1605.—In continuation of this Office Notification No. 4174 (F. No. 203/122/81-ITA-II) dated 20-8-1981, It is hereby notified for general information that the Institution mentioned below has been approved by Department of Scientific & Industrial Research, New Delhi the Prescribed Authority for the purposes of clause (ii) of sub-section (1) of Section 35 (Thirty Five/One/Two) of the Income-tax Act, 1961 read with Rule 6 of the Income-tax Rules, 1962 under the category "Association" subject to the following conditions :—

- (i) That the Ganesh Scientific Research Foundation, New Delhi will maintain a separate account of the sums received by it for scientific research.
- (ii) That the said Association will furnish annual returns of its scientific research activities to the Prescribed Authority for every financial year in such forms as may be laid down and intimated to them for this purpose by 30th April each year.
- (iii) That the said Association will submit to the Prescribed Authority by 30th June each year a copy of their audited annual accounts showing their total income and expenditure and Balance Sheet showing its assets liabilities with a copy of each of these documents to the concerned Commissioner of Income-tax.
- (iv) That the said Association will apply to Central Board of Direct Taxes, Ministry of Finance (Department of Revenue) New Delhi, 3 months in advance before the expiry of the approval for further extension. Applications received after the date of expiry of approval are liable to be rejected.

INSTITUTION

"Ganesh Scientific Research Foundation, 64-65, Najafgarh Road, New Delhi-110015".

This Notification is effective for a period from 1-4-1984 to 31-12-1987.

[No. 7128 (F. No. 203/181/84-ITA-II)]

फा. सं. 1606—इस कार्यालय की दिनांक 29-8-85 की अधिसूचना सं. 6389 (फा. सं. 203/159/85 आ. क. नि. II) के मिलमिले में, सर्वसाधारण की जानकारी के लिए एतद्वारा अधिसूचित किया जाता है कि विहित प्राधिकारी, प्रभात वैज्ञानिक और औद्योगिक अनुसंधान विभाग, नई दिल्ली, ने निम्नलिखित संस्था को आयकर नियम, 1962 के नियम के साथ पठित आयकर अधिनियम, 1961 की धारा 35 की उपधारा (1) के खंड (2) (पैनीस/एक/दो) के प्रयोजनों के लिए "संस्था" प्रयोग के अधीन निम्नलिखित शर्तों पर अनुमोदित किया है:—

- (i) यह कि डा वांलन्टरि हेल्थ सर्विसेज, मेडिकल सेंटर, मद्रास अपने वैज्ञानिक अनुसंधान के लिए स्वयं द्वारा प्राप्त राशियों का पृथक लेखा रखेगा।
- (ii) यह कि उक्त संस्थान अपने वैज्ञानिक अनुसंधान संबंधी क्रियाकलापों की वार्षिक विवरणी, विहित प्राधिकारी को प्रत्येक वित्तीय वर्ष के संबंध में प्रति वर्ष 30 अप्रैल तक ऐसे प्रारूप में प्रस्तुत करेगा जो इस प्रयोजन के लिए अधिकृत किया जाए और उसे सूचित किया जाए।
- (iii) यह कि उक्त संस्था अपनी कुल आय तथा व्यय दर्शाते हुए अपने संपरीक्षित वार्षिक लेखों की तथा अपनी परिसंपत्तियों, देनदारियों दर्शाते हुए तुलन पत्र की एक एक प्रति, प्रति वर्ष 30 जून तक विहित प्राधिकारी को प्रस्तुत करेगा तथा इन दस्तावेजों में से प्रत्येक की एक एक प्रति संबंधित आयकर आयुक्त को भेजेगा।
- (iv) यह कि उक्त संस्था केन्द्रीय प्रत्यक्ष कर बोर्ड, वित्त मंत्रालय (राजस्व विभाग) नई दिल्ली को अनुमोदन की समाप्ति से तीन माह पूर्व और अवधि बढ़ाने के लिए आवेदन करेगा। आवेदन प्रस्तुत करने में किसी प्रकार की देरी होने पर प्राथना-पत्र रद्द कर दिया जाएगा।

संस्था

"डा वांलन्टरि हेल्थ सर्विसेज मेडिकल सेंटर, आद्वारा, मद्रास 600113"।

यह अधिसूचना 1-1-87 से 31-12-87 तक की अवधि के लिए प्रभावी है।

[सं. 7127/फा. सं. 203/242/86-आ.क.नि.-II]

S.O. 1606.—In continuation of this Office Notification No. 6389 (F. No. 203/159/85-ITA-II) dated 29-8-1985. It is hereby notified for general information that the Institution mentioned below has been approved by Department of Scientific & Industrial Research, New Delhi, the Prescribed Authority for the purposes of clause (ii) of sub-section (1) of Section 35 (Thirty Five/One/Two) of the Income-tax Act 1961 read with Rule 6 of the Income-tax Rules, 1962 under the category "Institution" subject to the following conditions :—

- (i) That the The voluntary Health Services, Medical Centre, Madras will maintain a separate account of the sums received by it for scientific research.
- (ii) That the said Institute will furnish annual returns of its scientific research activities to the Prescribed Authority for every financial year in such forms as may be laid down and intimated to them for this purpose by 30th April each year.
- (iii) That the said Institute will submit to the Prescribed Authority by 30th June each year a copy of their Audited annual accounts showing their total

income and expenditure and Balance Sheet showing its assets liabilities with a copy of each of these documents to the concerned Commissioner of Income-tax.

- (iv) That the said Institute will apply to Central Board of Direct Taxes, Ministry of Finance, (Department of Revenue), New Delhi-3 months in advance before the expiry of the approval for further extension. Applications received after the date of expiry of approval are liable to be rejected.

INSTITUTION

"The Voluntary Health Services, Medical Centre, Adyar, Madras-600113".

This Notification is effective for a period from 1-1-1987 to 31-12-1987.

[No. 7127 (F. No. 203/242/76-ITA. II)]

का.पा. 1607.—इस कार्यालय की दिनांक 16-8-84 की अधिसूचना सं. 5942 (फा.सं. 203/152/84 आ. क.नि.-2) के तहत में, सर्वसाधारण की जानकारी के लिए एतद्वारा अधिसूचित किया जाता है कि विहित प्राधिकारी अर्थात् वैज्ञानिक और औद्योगिक अनुसंधान विभाग, नई दिल्ली, ने निम्नलिखित संस्था को आयकर नियम 1962 के नियम 6 के साथ पठित आयकर अधिनियम 1961 की धारा 35 की उपधारा (1) के खंड (2) (पैतीस/एक/दो) के प्रयोजनों के लिए "संस्था" प्रवर्ग के अधीन निम्नलिखित शर्तों पर अनुमोदित किया है:—

- (i) यह कि सेंटर फार रीजनल इकोलोजीकल एण्ड साइंस स्टडीज इन डिवलपमेंट आल्टरनेटिव्स, कलकत्ता अपने वैज्ञानिक अनुसंधान के लिए स्वयं द्वारा प्राप्त राशियों का पृथक लेखा रखेगा।
- (ii) यह कि उक्त संस्थान अपने वैज्ञानिक अनुसंधान संबंधी क्रिया-कलापों की वार्षिक विवरणी, विहित प्राधिकारी को प्रत्येक वित्तीय वर्ष के संबंध में प्रति वर्ष 30 अप्रैल तक ऐसे प्रारूप में प्रस्तुत करेगा जो इस प्रयोजन के लिए अधिकृत किया जाए और उसे सूचित किया जाए।
- (iii) यह कि उक्त संस्थान अपनी कुल आय तथा व्यय दर्शाते हुए अपने संपरीक्षित वार्षिक लेखों की तथा अपनी परिसंपत्तियां, देनदारियां दर्शाते हुए तुलन पत्र की एक एक प्रति, प्रति वर्ष 30 जून तक विहित प्राधिकारी को प्रस्तुत करेगा तथा इन दस्तावेजों में से प्रत्येक की एक एक प्रति संबंधित आयकर आयुक्त को भेजेगा।
- (iv) यह कि उक्त संस्थान केन्द्रीय प्रत्यक्ष कर बोर्ड, वित्त मंत्रालय (राजस्व विभाग) नई दिल्ली को अनुमोदन की समर्पित से तीन माह पूर्व और अवधि बढ़ाने के लिए आवेदन करेगा। आवेदन प्रस्तुत करने में किसी प्रकार की देरी होने पर प्राथमिकता पत्र रद्द कर दिया जाएगा।

संस्था

सेंटर फार रीजनल इकोलोजीकल एण्ड साइंस स्टडीज इन डिवलपमेंट आल्टरनेटिव्स चतुरंगा, प्लेट नं. 3, 32 गोविन्द आंधी रोड, कलकत्ता 700027,।

यह अधिसूचना 1-1-1985 से 30-6-86 तक की अवधि के लिए प्रभावित है।

[सं. 7126 (फा. सं. 203/232/85-आ.क.नि.-II)]

S.O. 1607.—In continuation of this Office Notification No. 5942 (F. No. 203/152/84-ITA. II) dated 16-8-1984. It is hereby notified for general information that the institution mentioned below has been approved by Department of Scientific & Industrial Research, New Delhi, the Prescribed Authority for the purposes of clause (ii) of sub-section (1) of Section 35 (Thirty Five/One/Two) of the Income-tax Act, 1961 read with Rule 6 of the Income-tax Rules, 1962 under the category "Institution" subject to the following conditions:—

- (i) That the Centre for Regional Ecological and Science Studies in Development Alternatives, Calcutta will

maintain a separate account of the sums received by it for scientific research.

- (ii) That the said Institute will furnish annual returns of its scientific research activities to the Prescribed Authority for every financial year in such forms as may be laid down and intimated to them for this purpose by 30th April each year.
- (iii) That the said Institute will submit to the Prescribed Authority by 30th June each year a copy of their audited annual accounts showing their total income and expenditure and Balance Sheet showing its assets liabilities with a copy of each of these documents to the concerned Commissioner of Income-tax.
- (iv) That the said Institute will apply to Central Board of Direct Taxes, Ministry of Finance, (Department of Revenue), New Delhi, 3 months in advance before the expiry of the approval for further extension. Applications received after the date of expiry of approval are liable to be rejected.

INSTITUTION

"Centre for Regional Ecological & Science Studies in Development Alternatives, Chaturanga, Flat No. 3, 32, Gobinda Auddy Road, Calcutta-700027".

This Notification is effective for a period from 1-1-1985 to 30-6-1986.

[No. 7126 (F. No. 203/232/85-ITA-II)]

नई दिल्ली, 11 फरवरी, 1987

का. पा. 1608.—कार्यालय की दिनांक 27-10-84 की अधिसूचना सं. 6023 (फा.सं. 203/140/84 आ.क.नि.-II) के तहत में सर्वसाधारण की जानकारी के लिए एतद्वारा अधिसूचित किया जाता है कि विहित प्राधिकारी अर्थात् वैज्ञानिक और औद्योगिक अनुसंधान विभाग नई दिल्ली, ने निम्नलिखित संस्था को आयकर नियम 1962 के नियम 6 के साथ पठित आयकर अधिनियम 1961 को धारा 35 की उपधारा (i) के खंड (ii) (पैतीस/एक/दो) के प्रयोजनों के लिये "संस्था" प्रवर्ग के अधीन निम्नलिखित शर्तों पर अनुमोदित किया है:—

- (i) यह कि थारर इंस्टीच्यूट ऑफ इकोनॉमिक्स एण्ड टेक्नोलॉजी, पटियाला अपने वैज्ञानिक अनुसंधान के लिए स्वयं द्वारा प्राप्त राशियों का पृथक लेखा रखेगा।
- (ii) यह कि उक्त संस्थान अपने वैज्ञानिक अनुसंधान संबंधी क्रिया-कलापों की वार्षिक विवरणी, विहित प्राधिकारी को प्रत्येक वित्तीय वर्ष संबंध में प्रति वर्ष 31 मई तक अपने प्रारूप में प्रस्तुत करेगा जो इस प्रयोजन के लिए अधिकृत किया जाए और उसे सूचित किया जाए।
- (iii) यह कि उक्त संस्थान अपनी कुल आय तथा व्यय दर्शाते हुए अपने संपरीक्षित वार्षिक लेखों की तथा अपनी परिसंपत्तियां, देनदारियां दर्शाते हुए तुलन पत्र की एक एक प्रति वर्ष 30 जून तक विहित प्राधिकारी को प्रस्तुत करेगा तथा इन दस्तावेजों में से प्रत्येक की एक एक प्रति संबंधित आयकर आयुक्त को भेजेगा।
- (iv) यह कि उक्त संस्थान केन्द्रीय प्रत्यक्ष कर बोर्ड, वित्त मंत्रालय (राजस्व विभाग) नई दिल्ली को अनुमोदन की समर्पित से तीन माह पूर्व और अवधि बढ़ाने के लिए आवेदन करेगा। आवेदन प्रस्तुत करने में किसी प्रकार की देरी होने पर प्राथमिकता पत्र रद्द किया जाएगा।

संस्था

"थारर इंस्टीच्यूट ऑफ इकोनॉमिक्स एण्ड टेक्नोलॉजी, पटियाला 147001"।

यह अधिसूचना 1-7-1986 से 31-3-1989 तक की अवधि के लिए प्रभावी है।

[सं. 7130 (फा.सं. 203/232/86-आ.क.नि.)]

New Delhi, the 11th February, 1987

S.O. 1608.—In continuation of this Office Notification No. 6023 (F. No. 203/140/84-ITA. II) dated 27-10-1984, it is hereby notified for general information that the Institution mentioned below has been approved by Department of Scientific & Industrial Research, New Delhi, the Prescribed Authority for the purpose of clause (ii) of sub-section (1) of Section 35 (Thirty Five/One/Two) of the Income-tax Act 1961 read with Rule 6 of the Income-tax Rules, 1962 under the category "Institution" subject to the following conditions :—

- (i) That the Thapar Institute of Engineering and Technology, Patiala, will maintain a separate account of the sums received by it for scientific research.
- (ii) That the said Institute will furnish annual returns of its scientific research activities to the Prescribed Authority for every financial year in such forms as may be laid down and intimated to them for this purpose by 31st May each year.
- (iii) That the said Institute will submit to the Prescribed Authority by 30th June each year a copy of their audited annual accounts showing their total income and expenditure and Balance Sheet showing its assets liabilities with a copy of each of these documents to the concerned Commissioner of Income-tax.
- (iv) That the said Institute will apply to Central Board of direct of Taxes Ministry of Finance (Department of Revenue), New Delhi, 3 months in advance before the expiry of the approval for further extension. Applications received after the date of expiry of approval are liable to be rejected.

INSTITUTION

"Thapar Institute of Engineering and Technology, Patiala-147001".

This Notification is effective for a period from 1-7-1986 to 31-3-1989.

[No. 7130 (F. No. 203/262/86-ITA-II)]

का. भा. 1609.—इस कार्यालय की दिनांक 22-10-1983 की अधिसूचना सं. 5433 (फा. सं. 203/24/83 भा. क. नि. II) के सिलसिले में, संबंधाधारण की जानकारी के लिए एतद्वारा अधिसूचित किया जाता है कि विहित प्राधिकारी, अर्थात् वैज्ञानिक और औद्योगिक अनुसंधान विभाग, नई दिल्ली, ने निम्नलिखित संस्था को आवक नियम, 1962 के नियम 6 के साथ पठित आवक अधिनियम 1961 की धारा 35 की उपधारा (1) के खंड (III) पंजीय/एक/तीन के प्रयोजनों के लिए "संस्था" प्रबंध के अर्थात् निम्नलिखित शर्तों पर अनुमोदित किया है :—

- (i) यह कि नेशनल इंस्टीट्यूट ऑफ पब्लिक फाइनेंस एण्ड पॉलिसी, नई दिल्ली अपने वैज्ञानिक अनुसंधान के लिए स्वयं द्वारा प्राप्त राशियों का पृथक लेखा रखेगा।
- (ii) यह कि उक्त संस्थान अपने वैज्ञानिक अनुसंधान संबंधी क्रिया कलाओं की वार्षिक विवरणी, विहित प्राधिकारी को प्रत्येक वित्तीय वर्ष के मध्य में प्रति वर्ष 30 अप्रैल तक ऐसे प्रारूप प्रस्तुत करेगा जो इस प्रयोजन के लिए अधिनियमित किया जाए और उसे सूचित किया जाए।
- (iii) यह कि उक्त संस्थान अपनी कुल आय तथा व्यय दर्शाते हुए अपने संपरोक्षित वार्षिक लेखों की तथा अपनी परिसंपत्तियों, देनदारियों दर्शाते हुए तुलनापत्र की एक-एक प्रति, प्रति वर्ष 30 जून तक विहित प्राधिकारी को प्रस्तुत करेगा तथा इन दस्तावेजों में से प्रत्येक की एक-एक प्रति संबंधित आवक अधिनियम को भेजेगा।
- (iv) यह कि उक्त संस्थान केन्द्रीय प्रत्यक्ष कर बोर्ड, वित्त मंत्रालय (राजस्व विभाग) नई दिल्ली को अनुमोदन की गणती में तीन माह पूर्व और अधिवृद्धि बढ़ाने के लिए आवेदन करेगा।

आवेदन प्रस्तुत करने में किसी प्रकार की देरी होने पर प्राप्तिपत्र रद्द कर दिया जाएगा।

संस्था

"नेशनल इंस्टीट्यूट ऑफ पब्लिक फाइनेंस एण्ड पॉलिसी, 18/2 सनसंग विहार मार्ग, स्पेशल इंस्टीट्यूशनल एरिया, नई दिल्ली 1100067",
यह अधिसूचना 1-4-1986 से 31-3-1989 तक की अधिवृद्धि के लिए प्रभावी है।

[फा. सं. 7131 (फा. सं. 203/228/85-भा. क. नि. II)]

S.O. 1609.—In continuation of this Office Notification No. 5433 (F. No. 203/24/83-ITA-II) dated 22-10-1983, it is hereby notified for general information that the Institution mentioned below has been approved by Department of Scientific & Industrial Research, New Delhi, the Prescribed Authority for the purposes of clause (iii) of sub-section (1) of Section 35 (Thirty Five/One/Three) of the Income-tax Act, 1961 read with Rule 6 of the Income-tax Rules, 1962 under the category "Institution" subject to the following conditions:—

- (i) That the National Institute of Public Finance and Policy, New Delhi, will maintain a separate account of the sums received by it for scientific research.
- (ii) That the said Institute will furnish annual returns of its scientific research activities to the Prescribed Authority for every financial year in such forms as may be laid down and intimated to them for this purpose by 30th April each year.
- (iii) That the said Institute will submit to the Prescribed Authority by 30th June each year a copy of their audited annual accounts showing their total income and expenditure and Balance Sheet showing its asset liabilities with a copy of each of these documents to the concerned Commissioner of Income-tax.
- (iv) That the Institute will apply to Central Board of Direct Taxes, Ministry of Finance, (Department of Revenue), New Delhi, 3 months in advance before the expiry of the approval for further extension. Applications received after the date of expiry of approval are liable to be rejected.

INSTITUTION

"National Institute of Public Finance and Policy 18/2, Satsang Vihar Marg, Special Institutional Area, New Delhi-110067".

This Notification is effective for a period from 1-4-1986 to 31-3-1989.

[No. 7131 (F. No. 203/228/85-ITA-II)]

नई दिल्ली, 5 मार्च, 1987

का. भा. 1610.—संबंधाधारण की जानकारी के लिए एतद्वारा अधिसूचित किया जाता है कि विहित प्राधिकारी, अर्थात् वैज्ञानिक और औद्योगिक अनुसंधान विभाग नई दिल्ली, ने निम्नलिखित संस्था को आवक नियम 1962 के नियम 6 के साथ पठित आवक अधिनियम 1961 की धारा 35 की उपधारा (i) के खंड (ii) (तीन/एक/दो) के प्रयोजनों के लिए "संस्था" प्रबंध के अर्थात् निम्नलिखित शर्तों पर अनुमोदित किया है :—

- (i) यह कि निम्न प्रकार डिटेनरनेड ग्राहक इंस्टीट्यूट, नई दिल्ली अपने वैज्ञानिक अनुसंधान के लिए स्वयं द्वारा प्राप्त राशियों का पृथक लेखा रखेगा।
- (ii) यह कि उक्त संस्थान अपने वैज्ञानिक अनुसंधान संबंधी क्रिया कलाओं की वार्षिक विवरणी, विहित प्राधिकारी को प्रत्येक वित्तीय वर्ष के मध्य में प्रति वर्ष 30 अप्रैल तक ऐसे प्रारूप में प्रस्तुत करेगा जो इस प्रयोजन के लिए अधिनियमित किया जाए और उसे सूचित किया जाए।

(3) यह कि उक्त संगम अपनी कुल आय तथा व्यय दर्शाते हुए अपने संघीयित वार्षिक लेखों की तथा अपनी परिसंपत्तियां, देनदारियां दर्शाते हुए तुलनपत्र को एक-एक प्रति, प्रति वर्ष 30 जून तक विहित प्राधिकारी को प्रस्तुत करेगा तथा इन दस्तावेजों में से प्रत्येक को एक-एक प्रति संबंधित आयकर प्राधिकार को भेजेगा।

(4) यह कि उक्त संगम केन्द्रीय प्रत्यक्ष कर बोर्ड, वित्त मंत्रालय (राजस्व विभाग) नई दिल्ली को अनुमोदन की समाप्ति से तीन माह पूर्व और अवधि बढ़ाने के लिए आवेदन करेगा। आवेदन प्रस्तुत करने में किसी प्रकार की देरी होने पर प्राथनापत्र रद्द कर दिया जाएगा।

संस्था

"सेंटर फार डिवेलपमेंट आफ टेलीमेटिक्स, 9वीं मजिल, अकबर होटल, चणक्यपुरी, नई दिल्ली 110021"।

यह अधिसूचना 9-10-1985 से 31-3-1987 तक की अवधि के लिए प्रभावी है।

[सं. 7160 (फा. सं. 203/154/85-भा. क. नि.-II)]

New Delhi, the 5th March, 1987

S.O. 1610.—It is hereby notified for general information that the Institution mentioned below has been approved by Department of Scientific & Industrial Research, New Delhi, the Prescribed Authority for the purpose of clause (ii) of sub-section (1) of Section 35 (Thirty Five) One/Two of the Income-tax Act, 1961 read with Rule 6 of the Income-tax Rules, 1962 under the category "Association" subject to the following conditions :—

- That the Centre for Development of Telematics, New Delhi will maintain a separate account of the sums received by it for scientific research.
- That the said Association will furnish annual returns of its scientific research activities to the Prescribed Authority for every financial year in such forms as may be laid down and intimated to them for this purpose by 30th April each year.
- That the said Association will submit to the Prescribed Authority by 30th June each year a copy of their audited annual accounts showing their total income and expenditure and Balance Sheet showing its assets liabilities with a copy of each of those documents to the concerned Commissioner of Income-tax.
- That the said Association will apply to Central Board of Direct Taxes, Ministry of Finance, (Department of Revenue), New Delhi, 3 months in advance before the expiry of the approval for further extension. Application received after the date of expiry of approval are liable to be rejected.

INSTITUTION

"Centre for Development of Telematics, 9th Floor, Akbar Hotel, Chankyapuri, New Delhi-110021".

This Notification is effective for a period from 9-10-1985 to 31-3-1987.

[No. 7160 (F. No. 203/154/85-ITA-II)]

नई दिल्ली, 9 मार्च, 1987

का. भा. 1611—इस कार्यालय की दिनांक 14-3-86 की अधिसूचना सं. 6863 (फा. सं. 203/204/85-भा. क. नि. II) के ताल्लुक में, समाधारण की जानकारी के लिए एतद्वारा अधिसूचित किया जाता है कि विहित प्राधिकारी, अर्थात् वैज्ञानिक और औद्योगिक अनुसंधान विभाग नई दिल्ली, ने निम्नलिखित संस्था को आयकर नियम 1962 के नियम 6 के साथ पठित आयकर अधिनियम, 1961 की धारा 35 की अपाधा (i) के खंड (ii) (वैतीय) (एक) (दो) के प्रयोजनों

के लिए "संस्था" प्रवर्ग के अधीन निम्नलिखित शर्तों पर अनुमोदित किया है :—

- यह कि रिसर्च सोसायटी फार द केयर, ट्रीटमेंट एण्ड ट्रेनिंग आफ चिल्ड्रन इन नीड आफ स्पेशल केयर, बम्बई अपने वैज्ञानिक अनुसंधान के लिए स्थापित राशियों का पृथक लेखा रखेगा।
- यह कि उक्त संस्था अपने वैज्ञानिक अनुसंधान संबंधी क्रिया कक्षाओं की वार्षिक बिलरशी, विहित प्राधिकारी को प्रत्येक वित्तीय वर्ष के संबंध में प्रति वर्ष 30 अप्रैल तक ऐसे प्रत्येक से प्रस्तुत करेगा जो इस प्रयोजन के लिए अधिकृत किया जाए और उसे सूचित किया जाए।
- यह कि उक्त संस्था अपनी कुल आय तथा व्यय दर्शाते हुए अपने संघीयित वार्षिक लेखों की तथा अपनी परिसंपत्तियां, देनदारियां दर्शाते हुए तुलनपत्र को एक-एक प्रति, प्रति वर्ष 30 जून तक विहित प्राधिकारी को प्रस्तुत करेगा तथा इन दस्तावेजों में से प्रत्येक को एक-एक प्रति संबंधित आयकर प्राधिकार को भेजेगा।
- यह कि उक्त संस्था केन्द्रीय प्रत्यक्ष कर बोर्ड, वित्त मंत्रालय (राजस्व विभाग) नई दिल्ली को अनुमोदन की समाप्ति से तीन माह पूर्व और अवधि बढ़ाने के लिए आवेदन करेगा। आवेदन प्रस्तुत करने में किसी प्रकार की देरी होने पर प्राथनापत्र रद्द कर दिया जाएगा।
- अनुसंधान संबंधी क्रियाकलापों के अलावा अन्य क्रियाकलापों के लिए एक पृथक लेखा रखा जाएगा।

संस्था

"द रिसर्च सोसायटी फार द केयर, ट्रीटमेंट एण्ड ट्रेनिंग आफ चिल्ड्रन इन नीड आफ स्पेशल केयर सेवरी हिव, सेवरी रोड, बम्बई 400033" यह अधिसूचना 1-4-87 से 31-3-90 तक की अवधि के लिए प्रभावी है।

[सं. 7165 (फा. सं. 203/296/86-भा. क. नि. II)]

New Delhi, the 9th March, 1987

S.O. 1611.—In continuation of this Office Notification No. 6863 (F. No. 203/204/85-ITA-II) dated 14-8-86 it is hereby notified for general information that the Institution mentioned hereby has been approved by Department of Scientific & Industrial Research, New Delhi, the Prescribed Authority for the purposes of clause (ii) of sub-section (1) of Section 35 (Thirty five) One/Two of the Income-tax Act, 1961 read with Rule 6 of the Income-tax Rules, 1962 under the category "Institution" subject to the following conditions :—

- That the Research Society for the Care, Treatment and training of children in Need of Special Care, Bombay will maintain a separate account of the sums received by it for scientific research.
- That the said Institution will furnish annual returns of its scientific research activities, to the Prescribed Authority for every financial year in such forms as may be laid down and intimated to them for this purpose by 31st May each year.
- That the said Institution will submit to the Prescribed Authority by 30th June each year a copy of their audited annual accounts showing their total income and expenditure and Balance Sheet showing its assets liabilities with a copy of each of these documents, to the Central Board of Direct Taxes, New Delhi, and the concerned Commissioner of Income-tax.
- That the said Institution will apply to Central Board of Direct Taxes, Ministry of Finance (Department

of Revenue), New Delhi, 3 months in advance before the expiry of the approval for further extension. Applications received after the date of expiry of approval are liable to be rejected.

- (v) A separate account shall be maintained for activities other than Research activities.

INSTITUTION

The Research Society for the Care, Treatment and Training of Children in need of Special Care, Sewri Hill, Sewri Road, Bombay-400033.

This Notification is effective for a period from 1-4-1987 to 31-3-1990.

[No. 7165 (F. No. 203/256/86-ITA-II)]

का. भा. 1612—इस कार्यालय की दिनांक 26-8-86 की अधिसूचना सं. 6888 (फा. सं. 203/135/86 भा. क. नि. II) के तिल-सिले में, सर्वसाधारण की जानकारी के लिए एतद्वारा अधिसूचित किया जाता है कि विहित प्राधिकारी, अर्थात् वैज्ञानिक और औद्योगिक अनुसंधान विभाग नई दिल्ली, ने निम्नलिखित संस्था को आयकर नियम 1962 के नियम 6 के साथ पठित आयकर अधिनियम 1961 की धारा 35 की उपधारा (i) के खंड (ii) पैरीस (एक) (बी) के प्रयोजनों के लिए "संगम" प्रवर्ग के अधीन निम्नलिखित शर्तों पर अनुमोदित किया है:-

- (1) यह कि न्यूट्रीशन फाउण्डेशन आफ इण्डिया, नई दिल्ली प्रात वैज्ञानिक अनुसंधान के लिए स्वयं द्वारा प्राप्त राशियों का पृथक लेखा रखेगा।
- (2) यह कि उक्त संगम अपने वैज्ञानिक अनुसंधान संबंधी क्रियाकलापों का वार्षिक विवरणी, विहित प्राधिकारी को प्रत्येक वित्तीय वर्ष के संबंध में प्रति वर्ष 30 अप्रैल तक ऐसे प्ररूप में प्रस्तुत करेगा जो इस प्रयोजन के लिए अधिस्थित किया जाए और उसे सूचित किया जाए।
- (3) यह कि उक्त संगम अपने कुल आय तथा व्यय दर्शाते हुए अपने संपरोक्षित वार्षिक लेखों को तथा अपने परिसंपत्तियों, देनदारियों दर्शाते हुए तुलनापत्र को एक-एक प्रति, प्रति वर्ष 30 जून तक विहित प्राधिकारी को प्रस्तुत करेगा तथा इन दस्तावेजों में से प्रत्येक को एक-एक प्रति संबंधित आयकर आयुक्त को भेजेगा।
- (4) यह कि उक्त संगम केन्द्रीय प्रत्यक्ष कर बोर्ड, वित्त मंत्रालय (राजस्व विभाग) नई दिल्ली को अनुमोदन की समाप्ति से तीन माह पूर्व और अधधि बढ़ाने के लिए आवेदन करेगा। आवेदन प्रस्तुत करने में किसी प्रकार की देरी होने पर प्रार्थनापत्र रद्द कर दिया जाएगा।

संस्था

"न्यूट्रीशन फाउण्डेशन आफ इण्डिया, बी 37, गुल्मोहार पार्क नई दिल्ली 110049"

यह अधिसूचना 1-4-1987 से 31-3-1990 तक की अधधि के लिए प्रभावी है।

[सं. 7164 (फा. सं. 203/263/86 भा. क. नि. II)]

with Rule 6 of the Income-tax Rules, 1962 under the category "Association" subject to the following conditions:-

- (i) That the Nutrition Foundation of India, New Delhi will maintain a separate account of the sums received by it for scientific research.
- (ii) That the said Association will furnish annual returns of its scientific research activities to the Prescribed Authority for every financial year in such forms as may be laid down and intimated to them for this purpose by 31st May each year.
- (iii) That the said Association will submit to the Prescribed Authority by 30th June each year a copy of their audited annual accounts showing their total income and expenditure and Balance Sheet showing its assets liabilities with a copy of each of these documents to the Central Board of Direct Taxes, New Delhi and the concerned Commissioner of Income-tax.
- (iv) That the said Association will apply to Central Board of Direct Taxes, Ministry of Finance (Department of Revenue), New Delhi, 3 months in advance before expiry of the approval for further extension. Applications received after the date of expiry of approval are liable to be rejected

INSTITUTION

Nutrition Foundation of India, B-37, Gulmohar Park, New Delhi-110049.

This Notification is effective for a period from 1-4-1987 to 31-3-1990.

[No. 7164 (F. No. 203/263/86-ITA-II)]

नई दिल्ली, 19 मार्च, 1987

का. भा. 1613—सर्वसाधारण की जानकारी के लिए एतद्वारा अधिसूचित किया जाता है कि विहित प्राधिकारी, अर्थात् वैज्ञानिक और औद्योगिक अनुसंधान विभाग नई दिल्ली ने निम्नलिखित संस्था को आयकर नियम, 1962 के नियम 6 के साथ पठित आयकर अधिनियम 1961 की धारा 35 की उपधारा (i) के खंड (ii) (पैरीस/एक/दो) के प्रयोजनों के लिए "संगम" प्रवर्ग के अधीन निम्नलिखित शर्तों पर अनुमोदित किया है :-

- (1) यह कि फंडिक इंस्टीट्यूट आफ प्लाट प्रोटेक्शन एण्ड टेक्नीको लोजी फाउंडेशन आने वैज्ञानिक अनुसंधान के लिए स्वयं द्वारा प्राप्त राशियों का पृथक लेखा रखेगा।
- (2) यह कि उक्त संगम अपने वैज्ञानिक अनुसंधान संबंधी क्रियाकलापों को वार्षिक विवरणी, विहित प्राधिकारी को प्रत्येक वित्तीय वर्ष के संबंध में प्रति वर्ष 31 मई तक ऐसे प्ररूप में प्रस्तुत करेगा जो इस प्रयोजन के लिए अधिस्थित किया जाए और उसे सूचित किया जाए।
- (3) यह कि उक्त संगम अपने कुल आय तथा व्यय दर्शाते हुए, अपने संपरोक्षित वार्षिक लेखों को तथा अपने परिसंपत्तियों, देनदारियों दर्शाते हुए तुलनापत्र को एक-एक प्रति, प्रति वर्ष 30 जून तक विहित प्राधिकारी को प्रस्तुत करेगा तथा इन दस्तावेजों में से प्रत्येक को एक-एक प्रति केन्द्रीय प्रत्यक्ष कर बोर्ड, नई दिल्ली को और संबंधित आयकर आयुक्त को भेजेगा।
- (4) यह कि उक्त संगम केन्द्रीय प्रत्यक्ष कर बोर्ड, वित्त मंत्रालय (राजस्व विभाग) नई दिल्ली को अनुमोदन की समाप्ति से तीन माह पूर्व और अधधि बढ़ाने के लिए आवेदन करेगा। आवेदन प्रस्तुत करने में किसी प्रकार की देरी होने पर प्रार्थनापत्र रद्द कर दिया जाएगा।

S.O. 1612.—In continuation of this Office Notification 6888 (F. No. 203/135/86-ITA. II) dated 26-8-86 it is hereby notified for general information that the Institution mentioned below has been approved by Department of Scientific and Industrial Research, New Delhi, the Prescribed Authority for the purposes of clause (ii) of sub-section (1) of Section 35 (Thirty five/one/two) of the Income-tax Act 1961 read

संस्था

"फ्रेड्रिक इंस्टीट्यूट ऑफ प्लांट प्रोटेक्शन एण्ड टेक्सीकोलाजी,
पादप 601301, जिला चिंगलपुट, तमिलनाडु,"

यह अधिसूचना 14-1-1987 में 31-3-88 तक की अवधि के लिए
प्रभावी है।

[म. 7198(फा. सं. 203/240/85-प्रा. क. नि. II)]
वाई. के. बत्रा, अवर सचिव

New Delhi, the 19th March, 1987

S.O. 1613.—It is hereby notified for general information that the Institution mentioned below has been approved by Department of Scientific and Industrial Research, New Delhi, the Prescribed Authority for the purposes of clause (ii) of sub-section (1) of Section 35 (Thirty five/one/two) of the Income-tax Act, 1961 read with Rule 6 of the Income-tax Rules, 1962 under the category "Association" subject to the following conditions :—

- That the Fredrick Institute of Plant Protection and Toxicology Padappai will maintain a separate account of the sums received by it for scientific research.
- That the said Association will furnish annual returns of its scientific research activities to the Prescribed Authority for every financial year in such forms as may be laid down and intimated to them for this purpose by 31st May each year.
- That the said Association will submit to the Prescriber Authority by 30th June each year a copy of their audited annual accounts showing their total income and expenditure and Balance Sheet showing its assets liabilities with a copy of each of these documents to the Central Board of Direct taxes, New Delhi and the concerned Commissioner of Income-tax.
- That the said Association will apply to Central Board of Direct Taxes, Ministry of Finance (Department of Revenue), New Delhi, 3 months in advance before the expiry of the approval for further extension. Applications received after the date of expiry of approval are liable to be rejected.

INSTITUTION

Fredrick Institute of Plant Protection and Toxicology
Padappai-601301, Chingloput District, Tamil Nadu.

This Notification is effective for a period from 14-1-87 to 31-3-88.

[No. 7198 (F. No. 203/240/85-ITA-II)]

Y. K. BATRA, Under Secy.

नई दिल्ली, 12 मई, 1987

(आयकर)

का. प्रा. 1614.—आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 2 के खण्ड (54) के उपखण्ड (iii) के अनुसरण में केन्द्रीय सरकार एतद्वारा, नीचे स्तम्भ (4) में उल्लिखित अधिसूचना (अधिसूचनाओं) का अधिलेखन करते हुए नीचे स्तम्भ (3) में उल्लिखित कर बसूली अधिकारियों के स्थान पर नीचे स्तम्भ (2) में उल्लिखित व्यक्तियों को, जो केन्द्रीय सरकार के राजपत्रित अधिकारी हैं,

उक्त अधिनियम के अन्तर्गत कर बसूली अधिकारी (अधिकारियों) की शक्तियों का प्रयोग करने हेतु प्राधिकृत करती है :—

क्र.सं. उन व्यक्तियों के नाम जिन्हें करबसूली अधिकारी (अधिकारियों) की शक्तियों का प्रयोग करने हेतु प्राधिकृत किया जाना है।	उन कर बसूली अधिकारी (अधिकारियों) के नाम जिनके स्थान पर स्तम्भ 2 में उल्लिखित व्यक्तियों को प्राधिकृत किया जाना है।	पुरानी अधिसूचनाओं की संख्या और तारीख जिनका अधिलेखन किया जाना है।
1	2	3

1	2	3	4
1. श्री आर. भास्कर राव	श्री एस. सूर्यनारायण	5285 दिनांक 28-6-83 (फा.सं. 398/8/83-प्रा.क. (ब))	
2. श्री बी.वी. कृष्ण कुमार	श्री एम.बी. रमेश	5287 दिनांक 28-6-83 (फा.सं. 398/8/83-प्रा.क. (ब))	
3. श्री बी. वेंकटेश्वर	श्री जे.के. सोमयाजुलु	5283 दिनांक 26-6-83 (फा.सं. 398/8/83 प्रा.क. (ब))	
4. श्री राजू सुब्रह्मण्यम्	श्री पी.बी. हरिराव	5281 दिनांक 28-6-83 (फा.सं. 398/8/83-प्रा.क. (ब))	

2. यह अधिसूचना तत्काल लागू होगी तथा जहाँ तक स्तम्भ 2 में उल्लिखित व्यक्तियों का संबंध है, कर बसूली अधिकारियों के रूप में उनके कार्यभार सम्भालने की तारीख (तारीखों) से लागू होगी।

[म. 7273(फा.सं. 398/14/87-प्रा.क. (ब))]

बी. ई. अलैकजेंडर, अवर सचिव

New Delhi, the 12th May, 1987

INCOME-TAX

S.O. 1614.—In pursuance of sub-clause (iii) of clause (44) of Section 2 of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), the Central Government hereby authorises the persons mentioned below column 2, being the Gazetted Officers of the Central Government, to exercise the powers of Tax Recovery Officer(s) under the said Act in place of the Tax Recovery Officers mentioned below in column 3 in the supersession of the Notification(s) mentioned below in column 4.

S. No.	Name of the persons to be authorised to exercise powers of Tax recovery Officer(s)	Name of Tax Recovery Officer(s) in place of whom the persons mentioned in column 2 are to be authorised	Old Notification No. and date to be superseded
1	2	3	4
1.	Sh. R. Bhaskara Rao	Sh. S. Suryanarayana	5285 dt. 28-6-83 [F. No. 398/8/83-IT(B)]

1	2	3	4
2.	Sh. B.V. Krishna Kumar	Sh. S.B. Ramesh	5287 dt. 28-6-83 [F. No. 398/8/ 83-IT(B)]
3.	Sh. V. Venkateswarulu	Sh. J.K. Somaya-julu	5283 dt. 28-6-83 [F. No. 398/8 83-IT(B)]
4.	Sh. Raja Subrahmanyam	Sh. P.V. Hari Rao	5281 dt. 28-6-83 (F. No. 398/8/ 83-IT(B))

2. This Notification shall come into force with immediate effect and in so far as persons mentioned in column 2 from the date(s) they take over charge(s) as Tax Recovery Officers.

[No. 7273 (F. No. 398/14/87-IT(B))
B.E. ALEXANDER, Under Secy.

नई दिल्ली, 8 जून, 1987

आदेश

स्टाम्प

का. प्रा. 1615—भारतीय स्टाम्प अधिनियम, 1899 (1899 का 2) की धारा 9 की उपधारा (1) के खंड (क) द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करने हुए तथा वित्त मंत्रालय, राजस्व विभाग के दिनांक 21-3-1987 के का. प्रा. संख्या 743 में निहित भारत सरकार के आदेशों के अनुक्रम में केंद्रीय सरकार एतद्वारा उस शुल्क को भाक करती है, जो महानगर टेलीफोन नियम विनियम, नई दिल्ली, द्वारा प्राये और जारी किए जाने वाले एक से अठ्ठावन करोड़ और चौरासी लाख रुपये मूल्य के 14 प्रतिशत (करयोग्य) 86 "प्रथम श्रृंखला तथा 10 प्रतिशत (कर-मुक्त) 86—"प्रथम श्रृंखला" के रूप में उल्लिखित ऋण पत्रों के स्वत्वा के बंधपत्रों पर उक्त अधिनियम के अन्तर्गत प्रभावी है।

[संख्या. 27/87-स्टाम्प/का. सं. 33/64/86-बि. कर.]

बी. आर. मेहमी, अवर सचिव

New Delhi, the 8th June, 1987

ORDER

STAMPS

S.O. 1615.—In exercise of the powers conferred by clause (a) of sub-section (1) of section 9 of the Indian Stamp Act, 1899 (2 of 1899) and in continuation of the Order of the Government of India in the Ministry of Finance, Department of Revenue No. S.O. 743 dated 21-3-87, the Central Govt. hereby remits the duty with which the bonds in the nature of debentures described as 14 per cent (Taxable) 86—'First Series' and 10 per cent (tax free) 86 first series of the value of rupees one hundred and fifty eight crores and eighty four lakhs to be further issued by Mahanagar Telephone Nigam Limited, New Delhi, are chargeable under the said Act.

[No. 27/87-Stamp-F. No. 33/64/86-ST]

B. R. MEHMI, Under Secy.

केंद्रीय प्रत्यक्ष कर बोर्ड

नई दिल्ली, 29 अप्रैल, 1987.

(आयकर)

(शुद्धि-पत्र)

का. प्रा. 1616—दिनांक 25-6-1986 की अधिसूचना सं. 6772

(का. सं. 261/13/86-आ.क. (न्या.) के स्तम्भ 3 में :

के स्थान पर

पढ़ा जाए

2. कम्पनी परिमण्डल-IV

2. कम्पनी परिमंडल-VI

3. कर-निर्धारण परिमण्डल-IV

3. कर-निर्धारण परिमण्डल-VI

4. कर-निर्धारण परिमण्डल-IVए

4. कर-निर्धारण परिमण्डल-VIए

[सं. 7261 (का. सं. 261/13/86-आ.क. (न्या.))]

CENTRAL BOARD OF DIRECT TAXES

New Delhi, the 29th April, 1987

(INCOME TAX)

CORRIGENDUM

S.O. 1616.—In Notification No. 6772 dated 25-6-1986 (F. No. 261/13/86-ITJ) in Column 3 :

For

Read as

2. Company Circle IV

2. Company Circle VI

3. Asstt. Circle IV

3. Assessment Circle VI

4. Assessment Circle IVA

4. Assessment Circle VIA

[No. 7261 (F. No. 261/13/86-ITJ)]

नई दिल्ली, 15 अप्रैल, 1987

आयकर

का. प्रा. 1617.—आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 121-क की उपधारा (1) द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए और पहले जारी की गई अधिसूचनाओं में आंशिक संशोधन करते हुए, केंद्रीय प्रत्यक्ष कर बोर्ड एतद्वारा निदेश देता है कि नीचे दी गई अनुसूची के स्तम्भ (1) में विनिर्दिष्ट अधिकार-क्षेत्र के आयकर आयुक्त (अपील) स्तम्भ (2) की तत्समबंधी प्रविष्टियों में विनिर्दिष्ट आयकर वार्डों, परिमण्डलों, जिलों और रेंजों में आयकर प्रथम अधिकार या ब्याजकर से निर्धारित ऐसे व्यक्तियों के बारे में अपना कार्य निर्वहण करेंगे जो आकर अधिनियम, 1961 की धारा 246 की उपधारा (2) के खण्ड (क) में (ज) कम्पनी (लाभ) अधिकार अधिनियम, 1964 (1964 का 7) की धारा 11 की उपधारा (i) तथा ब्याजकर अधिनियम, 1974 (1974 का 45) की धारा 15 की उपधारा (1) में उल्लिखित किसी भी आदेश से व्यक्ति हुए हैं और ऐसे व्यक्तियों या व्यक्तियों की श्रेणियों को बाबत भी कार्य निर्वहण करेंगे, जिनके लिए बोर्ड ने आयकर अधिनियम, 1961 की धारा 246 की उपधारा (2) के खण्ड (1) के उपबन्धों के अनुसार निदेश दिया है या भविष्य में निदेश दें।

अनुसूची

अधिकार-क्षेत्र तथा प्रधान कार्यालय	आयकर वार्ड/परिमण्डल/जिले/रेंजें
1	2
1. आयकर आयुक्त (अपील)-III, नई दिल्ली।	1. संपदा शुल्क नियंत्रक दिल्ली (सी), रोहतक, पटियाला, जयपुर और जोधपुर, मेरठ आगरा तथा कानपुर के क्षेत्राधिकार के अन्तर्गत आने वाले महायुक्त संपदा शुल्क नियंत्रक के क्षेत्राधिकार को छोड़ते हुए अपीलीय संपदा शुल्क नियंत्रक।
	2. उस रेंज के क्षेत्राधिकार के अन्तर्गत आने वाले नि. सं. आ. -IV -क, नई दिल्ली तथा सभी वार्ड/परिमण्डल/जिले।
	3. उस रेंज के अन्तर्गत आने वाले नि. सं. प्रा. (क. नि.) रेंज- XVIII, नई दिल्ली तथा सभी वार्ड/परिमण्डल/जिले।
	4. उस रेंज के क्षेत्राधिकार के अन्तर्गत आने वाले नि. सं. आ. (क. नि.) रेंज- XVI, नई

1	2	1	2
	आ. (क. नि.) रेंज-XVI नई दिल्ली, तथा सभी वार्ड परिमण्डल/जिले ।	6 आयकर आयुक्त, (अपील)-XV, XV, नई दिल्ली ।	1. उस रेंज के क्षेत्राधिकार के अन्तर्गत आने वाले नि. सं. आ. रेंज-IV-बी, नई दिल्ली तथा सभी वार्ड/परिमण्डल/जिले ।
2. आयकर आयुक्त, (अपील)-IV, नई दिल्ली ।	1. उस रेंज के क्षेत्राधिकार के अन्तर्गत आने वाले नि. सं. आ. संविवाकार रेंज, नई दिल्ली (पहले नि. सं. आ. रेंज-II- डी, नई दिल्ली के रूप में प्रदानाहित) तथा सभी वार्ड/ परिमण्डल/जिले ।		2. उस रेंज के अन्तर्गत आने वाले नि. सं. आ. (ए) रेंज-II, नई दिल्ली, तथा सभी वार्ड, परिमण्डल/जिले ।
	2. उस रेंज के क्षेत्राधिकार के अन्तर्गत आने वाले नि. सं. आ. (क. नि.) रेंज-XIV) नई दिल्ली तथा सभी वार्ड/ परिमण्डल/जिले ।	7. आयकर आयुक्त (अपील)-XVI, नई दिल्ली ।	3. उस रेंज के क्षेत्राधिकार के अन्तर्गत आने वाले नि. सं. आ. (ए) रेंज-I, नई दिल्ली तथा सभी वार्ड/परिमण्डल/जिले ।
	3. उस रेंज के अन्तर्गत आने वाले नि. सं. आ. (क. नि.) रेंज-XIV (अतिरिक्त) नई दिल्ली, तथा सभी वार्ड/परिमण्डल/जिले ।		1. उस रेंज के क्षेत्राधिकार के अन्तर्गत आने वाले नि. सं. आ. (ए) रेंज-III, नई दिल्ली तथा सभी वार्ड/परिमण्डल/जिले ।
3. आयकर आयुक्त, (अपील)-V, नई दिल्ली ।	1. उस रेंज के क्षेत्राधिकार के अन्तर्गत आने वाले नि. सं. आ., कम्पनी रेंज-I, नई दिल्ली (पहले नि. सं. आ., रेंज-I- नई दिल्ली के रूप में प्रदानाहित तथा सभी वार्ड/परिमण्डल/जिले		2. उस रेंज के क्षेत्राधिकार के अन्तर्गत आने वाले नि. सं. आ. (ए) रेंज-IV, नई दिल्ली तथा सभी वार्ड/परिमण्डल/जिले ।
	2. आयकर अधिकारी, कम्पनी परि- मण्डल, XXXI, नई दिल्ली ।		3. उस रेंज के क्षेत्राधिकार के अन्तर्गत आने वाले नि. सं. आ. (ए) रेंज-XV, नई दिल्ली तथा सभी वार्ड/परि- मण्डल/जिले ।
	3. आयकर अधिकारी, कम्पनी परिमण्डल, XXXII, नई दिल्ली ।		4. उस रेंज के क्षेत्राधिकार के अन्तर्गत आने वाले नि. सं. आ. सर्वेक्षण रेंज, नई दिल्ली तथा सभी वार्ड/परिमण्डल/जिले ।
	4. उस रेंज के क्षेत्राधिकार के अन्तर्गत आने वाले नि. सं. आ. (क. नि.), रेंज-XXIII, नई दिल्ली तथा सभी वार्ड/ परिमण्डल/जिले ।		
4. आयकर आयुक्त, (अपील)-X, नई दिल्ली ।	1. आयकर अधिकारी, कम्पनी परि- मण्डल-IV, XXI, XXI, (अतिरिक्त), XXIV, XXV तथा XXIV (अतिरिक्त) नई दिल्ली ।		
	2. आयकर अधिकारी, कम्पनी परि- मण्डल, XXX, नई दिल्ली ।		
5. आयकर आयुक्त, (अपील)-XIV नई दिल्ली ।	1. उस रेंज के क्षेत्राधिकार के अन्तर्गत आने वाले नि. सं. आ. रेंज-IV-सी, नई दिल्ली तथा वार्ड/परिमण्डल/जिले ।		
	2. आयकर अधिकारी, कम्पनी परिमण्डल-XXII, नई दिल्ली ।		

जहाँ कोई आयकर वार्ड, परिमण्डल, जिला अथवा रेंज उसका कोई भाग इस अधिसूचना द्वारा एक अधिकार-क्षेत्र से किसी अन्य अधिकार-क्षेत्र में अन्तर्गत कर दिया गया हो, वहाँ उस आयकर वार्ड, परिमण्डल, जिला अथवा रेंज अथवा उसके किसी भाग में किए गए कर निर्धारणों से उत्पन्न होने वाली और इस अधिसूचना की तारीख से तत्काल पूर्व, अधिकार क्षेत्र के उस आयकर आयुक्त (अपील) के समक्ष विधाराधीन पड़ी अपीलें जिसके अधिकार क्षेत्र में वह आयकर वार्ड, परिमण्डल, जिला अथवा रेंज अथवा उसका कोई भाग अन्तर्गत किया गया हो, अधिकार क्षेत्र के उस आयकर आयुक्त (अपील) द्वारा निपटारी जाएगी जिसके अधिकार क्षेत्र में उक्त वार्ड, परिमण्डल, जिला अथवा रेंज अथवा उसका कोई भाग अन्तर्गत किया गया हो ।

यह अधिसूचना 15-4-1987 से लागू होगी ।

[सं. 7247(II), सं. 261/6/87-आ.क.व्या]

के० पी० गांगुली, विशेष कार्य अधिकारी

केन्द्रीय प्रत्यक्ष कर बोर्ड

New Delhi, the 15th April, 1987

(INCOME TAX)

S.O.1617.—In exercise of the powers conferred by sub-section (1) of Section 121A of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) and in partial modification of the notifications issued earlier, the Central Board of Direct Tax hereby directs that

the Commissioner of Income-tax (Appeals) of the charges specified in column No. (1) of the schedule below, shall perform their functions in respect of such persons assessed to Income-tax or Sur-tax or Interest-tax in the Income-tax Wards, Circles, Districts and Ranges specified in the corresponding entries in column 2 thereof as are aggrieved by any of the orders mentioned in clauses (a) to (h) of sub-section (2) of Section 246 of the Income-tax Act, 1961 in sub-section (1) of Section 11 of Companies (Profits) Sur-tax Act, 1964 (7 of 1964) and in sub-section (1) of Section 15 of the Interest tax Act, 1974 (45 of 1974) and also in respect of such persons or classes of persons as the Board has directed or may direct in future in accordance with the provisions of clause (1) of sub-section (2) of section 246 of the Income-tax Act, 1961.

SCHEDULE

Charges with Headquarters	Income-tax Wards/Circles/Districts/Ranges
1	2
1. Commissioner of Income-tax (Appeals)-III, New Delhi.	1. Appellate Controller of Estate Duty having exclusive jurisdiction over the Asstt. Controller of Estate Duty within the jurisdiction of Controllers of Estate Duty Delhi, Delhi (C), Rohtak, Patiala, Jaipur and Jodhpur, Meerut, Agra and Kanpur. 2. IAC-IV-A, New Delhi and all Wards/Circles/Districts within the jurisdiction of that Range. 3. IAC (Asstt.)—Range-XVIII, New Delhi and all Wards/Circles/Districts within the jurisdiction of that Range. 4. IAC (Asstt.)—Range-XVI, New Delhi and all wards/Circles/Districts within the jurisdiction of that Range.
2. Commissioner of Income-tax, (Appeals)-IV New Delhi.	1. IAC, Contractors Range, New Delhi (formerly designated as IAC-Range-II-D, New Delhi) and all Wards/Circle/Districts within the Jurisdiction of that Range. 2. AIC (Asstt) Range-XIV, New Delhi and all Wards/Circles/Districts within the jurisdiction of that Range) 3. IAC (Asstt) Range -XIV (Addl) New Delhi and all Wards/Circles/Districts within the jurisdiction of that Range.
3. Commissioner of Income-tax, (Appeals)-V, New Delhi	1. IAC, Companies Range-I, New Delhi (formerly designated as IAC, Range-I-A, New Delhi) and all Wards/Circles/Districts within the jurisdiction of that Range. 2. I.T.O., Company Circle-XXXI, New Delhi. 3. I.T.O., Company Circle-XXXII, New Delhi. 4. IAC (Asstt.) Range-XXIII, New Delhi & all Wards/Circles/Districts within the jurisdiction of that Range.

1	2
4. Commissioner of Income-tax, (Appeal)-X, New Delhi.	1. I.T.O., Company Circle-IV, XXI, XXI (Addl.), XXIV, XXV and XXV (Addl.), New Delhi. 2. I.T.O., Company Circle-XXX, New Delhi.
5. Commissioner of Income-tax, (Appeal)-XIV New Delhi.	1. IAC Range-IV-C, New Delhi and all Wards/Circles/Districts within the jurisdiction of that Range. 2. I.T.O., Company Circle-XXII, New Delhi.
6. Commissioner of Income-tax, (Appeal)-XV, New Delhi.	1. IAC Range-IV-B, New Delhi and all Wards/Circles/Districts within the jurisdiction of that Range. 2. IAC (A) Range-II, New Delhi and all Wards/Circles/Districts within the jurisdiction of that Range. 3. IAC(A)-Range-I, New Delhi and all Wards/Circles/Districts within the jurisdiction of that Range.
7. Commissioner of Income-tax, (Appeal)-XVI, New Delhi.	1. IAC (A)—Range-III, New Delhi and all Wards/Circles/Districts within the jurisdiction of that Range. 2. I.A.C. (A) Range-IV, New Delhi and all Wards/Circles/Districts within the jurisdiction of that Range. 3. I.A.C. (A) Range-XV, New Delhi and all Wards/Circles/Districts within the jurisdiction of that Range. 4. I.A.C. Survey Range New Delhi and all Wards/Circles/Districts within the jurisdiction of that Range.

Whereas Income-tax Wards, Circle, District or Range or part thereof, stands transferred by this Notification from one charge to another charge, appeals arising out of assessments made in that Income-tax Ward, Circle, District or Range or part thereof and pending immediately before the date of this Notification before the Commissioner of Income-tax (Appeals) of the charge from whom the Income-tax Ward, Circle, District or Range or part thereof is transferred, are to dealt with by the Commissioner of Income-tax (Appeal) of the charge to whom the said Ward, Circle, District or Range or part thereof is transferred.

This Notification shall take effect from 15-4-87.

[No. 7247 (F. No. 261/6/87-ITJ)]

K.P. GANGULI, Officer on Special Duty
Central Board of Direct Taxes

(आर्थिक कार्य विभाग)

नई दिल्ली, 11 जून, 1987

क्र. प्र. 1618—केन्द्रीय सरकार, राजभाषा (संघ के शासकीय प्रयोजनों के लिए प्रयोग) नियमावली, 1976 के नियम 10 के उप-

नियम (4) के अनुसरण में वित्त मंत्रालय (आर्थिक कार्य विभाग) के प्रशासनिक नियंत्रण में स्थित भारतीय साधारण बीमा निगम के निम्नलिखित कार्यालयों को, जिनके कर्मचारीकृत्य ने हिन्दी का कार्यसाधक ज्ञान प्राप्त कर लिया है, अधिसूचित करती है :—

1. भारतीय साधारण बीमा निगम :

कम्पनी का नाम : न्यू इंडिया इश्योरेंस कंपनी लि.

- (1) मण्डल कार्यालय, गुडगांव
- (2) मण्डल कार्यालय, पटना
- (3) मण्डल कार्यालय, भो. लवाड़ा
- (4) मण्डल कार्यालय, जयपुर
- (5) मण्डल कार्यालय-I, जयपुर
- (6) मण्डल कार्यालय, जोधपुर
- (7) शाखा कार्यालय, फरीदाबाद
- (8) शाखा कार्यालय, गुरुग्राम, दिल्ली
- (9) शाखा कार्यालय, सोनीपत
- (10) शाखा कार्यालय, टालस्टोय मार्ग, नई दिल्ली
- (11) शाखा कार्यालय, कोटा
- (12) शाखा कार्यालय, बीकानेर
- (13) शाखा कार्यालय, अजमेर
- (14) शाखा कार्यालय, जयपुर
- (15) शाखा कार्यालय, गया
- (16) शाखा कार्यालय, सासाराम
- (17) शाखा कार्यालय, मुंगेर
- (18) शाखा कार्यालय, साहेबगंज
- (19) शाखा कार्यालय, बिहार शरीफ

[सं. 11011/51/85-हि.का.क.]

वी. पी. मिश्रा, उप सचिव।

(Department of Economic Affairs)

New Delhi, the 11th June, 1987

S.O. 1618.—In pursuance of sub-rules (4) of Rule 10 of the Official Language (Use for Official Purposes of the Union) Rules, 1976, the Central Government hereby notifies the following offices of the General Insurance Corporation of India (under the Administrative control of the Ministry of Finance, Department of Economic Affairs) the staff where of have acquired working knowledge of Hindi :—

I General Insurance Corporation of India

Name of the Company : New India Assurance Co. Ltd.

- (1) Divisional Office, Gurgaon;
- (2) Divisional Office, Patna;
- (3) Divisional Office, Bhilwara;
- (4) Divisional Office, Jaipur;
- (5) Divisional Office-I, Jaipur;
- (6) Divisional Office, Jodhpur;
- (7) Regional Office, Faridabad;
- (8) Regional Office, Shakharpur, Delhi;
- (9) Regional Office, Sonapat;
- (10) Regional Office, Tolstoy Marg, New Delhi;
- (11) Regional Office, Kota;
- (12) Regional Office, Bikaner;
- (13) Regional Office, Ajmer;

- (14) Regional Office, Jaipur;
- (15) Regional Office, Gaya;
- (16) Regional Office, Sasaram;
- (17) Regional Office, Munger;
- (18) Regional Office, Shaheb Gunj;
- (19) Regional Office, Bihar Sharif.

[No. F. 11011/51/85-HIC]

P. V. BHIDE, Dy. Secy.

(बैंकिंग प्रभाग)

नई दिल्ली, 8 जून, 1987

का. प्रा. 1619:—भारतीय स्टेट बैंक (अनुबंध बैंक) अधिनियम, 1959 (1959 का 38) की धारा 25 की उपधारा (1) के खंड (क) द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए केन्द्रीय सरकार, भारत के स्टेट बैंक के परामर्श से, एतद्वारा वित्त मंत्रालय आर्थिक कार्य विभाग (बैंकिंग प्रभाग) के अधीन पंजीयन के वा. पाण्डित्य को श्री व. वा. मोरखन्दाना के स्थान पर स्टेट बैंक आक सीराष्ट्र के निदेशक के रूप में नामित करती है।

[संख्या एक. 9/2/87-बी. प्रो.-1]

(Banking Division)

New Delhi, the 8th June, 1987

S.O. 1619.—In exercise of the powers conferred by clause (e) of sub-section (1) of section 25 of the State Bank of India (Subsidiary Banks) Act, 1959 (38 of 1959), the Central Government in consultation with the State Bank of India, hereby nominates Shri K. P. Pandian, Under Secretary, Ministry of Finance, Department of Economic Affairs (Banking Division), New Delhi to be a Director of the State Bank of Saurashtra vice Shri C. W. Mirchandani.

[No. F. 92/87-BO. I]

नई दिल्ली, 15 जून, 1987

का. प्रा. 1620:—राष्ट्रीय कृषि और ग्रामीण विकास बैंक अधिनियम, 1981 (1981 का 61) की धारा 6 की उपधारा (1) के खंड (क) के उपबंधों के अनुसरण में केन्द्रीय सरकार, भारतीय रिज़र्व बैंक के परामर्श से एतद्वारा कृषि मंत्रालय, नई दिल्ली, के ग्रामीण विकास विभाग के सचिव श्री वी. सी. पांडेय को श्री वी. सी. पंडेय के स्थान पर राष्ट्रीय कृषि और ग्रामीण विकास बैंक का निदेशक नियुक्त करती है।

[सं. एक. 7/6/87-बी. प्रो.-I]

एम. एस. सीताशंकर, अवर सचिव।

New Delhi, the 15th June, 1987.

S.O. 1620.—In pursuance of clause (e) of sub-section (1) of section 6 of the National Bank for Agriculture and Rural Development Act, 1981 (61 of 1981), the Central Government in consultation with Reserve Bank of India, hereby appoints Shri V. C. Pande, Secretary in the Department of Rural Development, Ministry of Agriculture, New Delhi as

the Director of the National Bank for Agriculture and Rural Development vice Shri D. Bandhopadhyay.

[No. F. 7/6/87-BO.I]
M. S. SEETHARAMAN, Under Secy.

नई दिल्ली, 10 जून, 1987

क्र० प्रा० 1621—भारतीय स्टेट बैंक द्वारा कृष्णराम बलदेव बैंक लि० के कारबार के अधिग्रहण से संबंधित दिनांक 22 फरवरी, 1974 को केन्द्रीय सरकार द्वारा जारी किए गए आदेश की शर्तों के खंड 5 (IV) तथा भारतीय स्टेट बैंक अधिनियम, 1955 (1955 का 23) की धारा 35 की उपधारा (7) द्वारा प्रदत्त शक्तियों के अनुसरण में केन्द्रीय सरकार एतद्वारा कृष्णराम बलदेव बैंक लि० की वसूल न की गई परिसम्पत्तियों के अंतिम मूल्यांकन की समय-सीमा 19 अप्रैल, 1987 से 18 अप्रैल, 1988 (दोनों दिन शामिल हैं) तक एक वर्ष की अवधि के लिए और बढ़ाती है।

[एफ संख्या 15/6/87-बी०प्रो०III]

New Delhi, the 10th June, 1987

S.O. 1621.—In pursuance of clause 5(IV) of the Terms and Conditions sanctioned by the Central Government under an order dated the 22nd February, 1974 relating to the acquisition by the State Bank of India of the business of Krishnarām Baldeo Bank Ltd., and in exercise of the powers conferred by sub-section (7) of section 35 of the State Bank of India Act, 1955 (23 of 1955), the Central Government hereby extends the time limit for final valuation of the unrealised assets of the Krishnarām Baldeo Bank Ltd. for a further period of one year from 19th April 1987 to the 18th April, 1988, both days inclusive.

[F. No. 15/6/87-B.O.III]

क्र० प्रा० 1622—बैंककारी विनियमन अधिनियम, 1949 (1949 का 10) की धारा 53 द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए, केन्द्रीय सरकार, भारतीय रिजर्व बैंक का सिफारिश पर एतद्वारा घोषणा करती है कि उक्त अधिनियम की धारा 9 के उपबन्ध, जहाँ तक उनका सम्बन्ध केरल राज्य के वंदानामुरी गांव, अम्बलपुझा तालुक, जिला एलेप्पी में स्थित 4.51 एकड़ अथवा नगरेहित से है, दिनांक 12 मार्च, 1990 तक बैंक प्राप्ति भंडार लिमिटेड पर लागू नहीं होंगे।

[संख्या 15/35/82-बी०प्रो०III]

प्रण नाथ, अवर सचिव

S.O. 1622.—In exercise of the powers conferred by section 53 of the Banking Regulation Act, 1949 (10 of 1949) the Central Government, on recommendation of the Reserve Bank of India, hereby declares that the provisions of section 9 of the said Act shall not apply to the Bank of Madurai Ltd. for a period upto 12th March, 1990, in respect of the immovable landed property of 4.51 acres located at Vandanamuri Village, Ambalapuzha Taluka, Alleppey District, Kerala State.

[F. No. 15/35/82-B.O.III]
PRAN NATH, Under Secy.

(बीमा प्रभाग)

नई दिल्ली, 12 जून, 1987

क्र० प्रा० 1623—जीवन बीमा निगम अधिनियम, 1956 (1956 का 31) की धारा 4 द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए केन्द्र

सरकार एतद्वारा श्री एन. आर. रंगनाथन, अवर सचिव (बीमा) आर्थिक कार्य विभाग, वित्त मंत्रालय को 10 जून 1987 से श्री ए. के. पांडेय के स्थान पर भारतीय जीवन बीमा निगम का सदस्य नियुक्त करती है।

[एफ. संख्या 9(4)/बीमा-IV/87]

जी. सी. बासुमातारी, उप सचिव

(Insurance Division)

New Delhi, the 12th June, 1987

S.O. 1623.—In exercise of the powers conferred by Section 4 of the Life Insurance Corporation Act, 1956 (31 of 1956), the Central Government hereby appoints Shri N. R. Ranganathan, Additional Secretary (Insurance), Department of Economic Affairs, Ministry of Finance, as member of the Life Insurance Corporation of India with effect from 10th June, 1987 vice Shri A. K. Pandya.

[F. No. 9(4)/Insurance IV/87]
G. C. BASUMATARI, Dy. Secy.

प्रायकर प्रायुक्त पश्चिम बंगाल-1

कलकत्ता, 7 मई, 1987

क्र० प्रा० 1624—प्रायकर अधिनियम, 1961 की धारा 226 की उपधारा 5 द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए, मैं, प्रायकर प्रायुक्त, पश्चिम बंगाल-1, एतद्वारा, नाबे दो गई अनुसूची के स्तम्भ 1 में उल्लिखित प्रायकर अधिकारियों और निरीक्षा सहायक प्रायकर प्रायुक्तों को, अनुसूची के स्तम्भ 2 में उल्लिखित निर्धारितों का बकाया कर वसूल करने के लिए प्रायकर अधिनियम, 1961 की तृतीय अनुसूची में यथा निर्धारित ढंग से उनके बिल सम्पत्ति का करस्थम् और विवरण करने के लिए प्राधिकृत करता हूँ।

अनुसूची

- | | |
|--|--|
| 1. प्रा. प्र. "ए"—वाई, कम्पनी जिला-1, कलकत्ता। | प्रा. प्र. "ए"—वाई, कम्पनी जिला-1, कलकत्ता के क्षेत्राधीन सभी निर्धारित। |
| 2. प्रा. प्र. "बी"—वाई, कम्पनी जिला-1, कलकत्ता। | प्रा. प्र. "बी"—वाई, कम्पनी जिला-1, कलकत्ता के क्षेत्राधीन सभी निर्धारित। |
| 3. प्रा. प्र. "सी"—वाई, कम्पनी जिला-1, कलकत्ता। | प्रा. प्र. "सी"—वाई, कम्पनी जिला-1, कलकत्ता के क्षेत्राधीन सभी निर्धारित। |
| 4. प्रा. प्र. "डी"—वाई, कम्पनी जिला-1, कलकत्ता। | प्रा. प्र. "डी"—वाई, कम्पनी जिला-1, कलकत्ता के क्षेत्राधीन सभी निर्धारित। |
| 5. प्रा. प्र. "ई"—वाई, कम्पनी जिला-1, कलकत्ता। | प्रा. प्र. "ई"—वाई, कम्पनी जिला-1, कलकत्ता के क्षेत्राधीन सभी निर्धारित। |
| 6. प्रा. प्र. "एफ"—वाई, कम्पनी जिला-1, कलकत्ता। | प्रा. प्र. "एफ"—वाई, कम्पनी जिला-1, कलकत्ता के क्षेत्राधीन सभी निर्धारित। |
| 7. प्रा. प्र. "गार्ड"—वाई, कम्पनी जिला-1, कलकत्ता। | प्रा. प्र. "गार्ड"—वाई, कम्पनी जिला-1, कलकत्ता के क्षेत्राधीन सभी निर्धारित। |
| 8. नि. म. प्रा. प्रा. निर्धारण रेंज-1, कलकत्ता। | नि. म. प्रा. प्रा. निर्धारण रेंज-1, कलकत्ता के क्षेत्राधीन सभी निर्धारित। |
| 9. नि. म. प्रा. प्रा. निर्धारण रेंज-XI, कलकत्ता। | नि. म. प्रा. प्रा. निर्धारण रेंज-XI, कलकत्ता के क्षेत्राधीन सभी निर्धारित। |

[सं. मिम. 12/87-88/डब्ल्यू.बी.-आई/635]

सो. एस. पाण्डेय, प्रायकर प्रायुक्त, पश्चिम बंगाल-1, कलकत्ता

COMMISSIONER OF INCOME TAX

WEST BENGAL-I

Calcutta, the, 7th May, 1987

S.O. --1624 In exercise of the power conferred on me under sub-section 5 of Section 226 of the I.T. Act, 1961, I, Commissioner of Income-tax, West, Bengal-I hereby authorise the Income-tax Officers and Inspecting Assistant Commissioner mentioned in Column 1 of the Schedule below to recover the arrears of tax due from an assessee as mentioned in column 2 of the schedule by distraint and sale of his movable property in the manner laid down in the third schedule of the I.T. Act, 1961.

SCHEDULE

- (1) I.T.O., 'A' Ward, Assessee in respect of whom
Comp. Dist.-I, the I.T.O., 'A' Ward,
Calcutta. Comp. Dist. I, Cal.
- (2) I.T.O., 'B' Ward, Assessee in respect of whom
Comp. Dist.-I, the I.T.O., 'B' Ward, Comp.
Calcutta. Dist.-I Cal. holds juris-
diction.
- (3) I.T.O., 'C' Ward, Assessee in respect of whom
Comp. Dist.-I, the I.T.O. 'C' Ward, Comp.
Calcutta. Dist.-I, Cal. holds juris-
diction.
- (4) I.T.O., 'D' Ward, Assessee in respect of whom
Comp. the I.T.O., 'D' Ward, Comp.
Dist.-I, Cal. holds juris-
diction.
- (5) I.T.O. 'E' Ward, Assessee in respect of whom
Comp. Dist.-I, the I.T.O. 'E' Ward, Comp.
Calcutta. Dist.-I, Cal. holds juris-
diction.
- (6) I.T.O. 'F' Ward, Assessee in respect of whom
Comp. Dist.-I, the I.T.O. 'F' Ward, Comp.
Calcutta. Dist.-I, Cal. holds juris-
diction.
- (7) I.T.O. 'I' Ward, Assessee in respect of whom
Comp. Dist.-I, the I.T.O. 'I' Ward, Comp.
Calcutta. Dist.-I, Cal. holds juris-
diction.
- (8) I.A.C., Assess- Assessee in respect of whom
ment Range-I, the I.A.C. Asstt. Range-I,
Calcutta. Calcutta holds jurisdiction.
- (9) I.A.C. Assess- Assessee in respect of whom
ment Range-XI, the I.A.C., Asstt. Rang-XI,
Calcutta. Cal. holds jurisdiction.

[Misc. 12/87-88/WG-I/635]
C.S. PANDEY, Commissioner
of Income Tax
West Bengal-I, Calcutta

विदेश मंत्रालय

नई दिल्ली, 1 जून, 1987

का. प्रो. 1625:—केन्द्रीय सरकार, राजभाषा (संघ के शासकीय प्रयोजनों के लिए प्रयोग (नियम, 1976 के नियम 10 के उपनियम (1) के अनुमरण में विदेश मंत्रालय को, जिसके 80 प्रतिशत कर्मचारियों ने हिन्दी का कार्यमाध्यक ज्ञान प्राप्त कर लिया है, अधिसूचित करता है।

[संख्या स्पु/हिन्दी/621/63/85]

के. सिबल, संयुक्त सचिव

MINISTRY OF EXTERNAL AFFAIRS

New Delhi, the 15th June, 1987

S.O. 1625.—In pursuance of sub-rule (4) of rule 10 of the Official Languages (Use for Official Purposes of the Union) Rules, 1976, the Central Government hereby notifies the Ministry of External Affairs, staff whereof the 80 percent staff have acquired working knowledge in Hindi.

[No. Q/Hindi/621/63/85]

K. SIBAL, Jt. Secy.

वाणिज्य मंत्रालय

नई दिल्ली, 15 जून, 1987

का. प्रो. 1626—केन्द्रीय सरकार, सामुद्रिक उत्पाद निर्यात विकास प्राधिकरण नियम, 1972 के नियम 3 और नियम 4 के साथ पठित सामुद्रिक उत्पाद निर्यात विकास अधिनियम, 1972 (1972 का 13) की धारा 4 की उपधारा (3) द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते करते हुए, श्री पी. एन. सुकुल, राज्य सभा सदस्य को, राज्य सभा द्वारा मन्थन रूप से निर्वाचित किए जाने के पश्चात् सामुद्रिक उत्पाद निर्यात विकास प्राधिकरण का सदस्य नियुक्त करती है और भारत सरकार के वाणिज्य मंत्रालय (वाणिज्य विभाग) की अधिसूचना सं. क्र. प्रो. 824(प्र), तारीख 3 नवम्बर, 1986 का निम्नलिखित संशोधन करती है, अर्थात्:—

उक्त अधिसूचना में,—

(क) क्रम सं. 5 के मामले, निम्नलिखित प्रविष्टि अंतःस्थापित की जाएगी, अर्थात्:—

“श्री पी. एन. सुकुल, राज्य सभा सदस्य—सदस्य”;

(ख) अंत में आने वाले “टिप्पण” में “और श्री पी. एन. सुकुल, राज्य सभा सदस्य 8-5-87 तक पद धारण करेंगे” अंतिम भाग के स्थान पर निम्नलिखित रखा जाएगा, अर्थात्:—

“और श्री पी. एन. सुकुल, राज्य सभा सदस्य 2-11-1989 तक पद धारण करेंगे”।

[सं. 1/19/85-ईपी (एमपी)]

जी. कृष्णमूर्ति, अवर सचिव

MINISTRY OF COMMERCE

New Delhi, the 15th June, 1987

S.O. 1626.—In exercise of the powers conferred by sub-section (3) of section 4 of the Marine Products Export Development Authority Act, 1972 (13 of 1972) read with rules 3 and 4 of the Marine Products Exports Development Authority Rules, 1972, the Central Government hereby appoints Shri P. N. Sukul, Member of Council of States, after being duly elected by the Council of States, to be member of the Marine Products Export Development Authority and makes the following amendments in the notification of the Government of India in the Ministry of Commerce (De-

partment of Commerce) No. S.O. 824(E) dated the 3rd November, 1986, namely:—

In the said notification, (a) against serial number 5, the following entries shall be inserted, namely:—

“Shri P. N. Sukul, Member of Council of States—Member”;

(b) in the ‘Note’ appearing at the end, for the concluding portion “and Shri P. N. Sukul, Member of Rajya Sabha shall hold office upto 8-5-1987” the following shall be substituted, namely:—

“and Shri P. N. Sukul, Member of Council of States shall hold office upto 2-11-1989”.

[No. 1/19/85-EP(MP)]

G. KRISHNAMURTHY, Under Secy.

(मुख्य नियंत्रक, आयात-निर्यात का कार्यालय)

नई दिल्ली, 16 जून, 1987

आदेश

का.आ. 1627.—मैसूर सीमेंट्स लिमिटेड, डामोह को के अन्तर्गत का आयात करने के लिए रु. 9,26,24,600/- (रुपये नौ करोड़ छब्बिस लाख) बोर्नस हजार छः सौ का एक आयात लाइसेंस संख्या पी/सीजी/2099965 ता. 7/4/86 दिया गया था।

फर्म द्वारा उपर्युक्त लाइसेंस की सीमा शुल्क प्रति की अनुलिपि प्रति की मांग इस आधार पर की गई है कि मूल सीमा शुल्क/विनिमय नियंत्रण प्रति खो गई है अथवा अस्थानास्थ हो गई है। भागे यह भी कहा गया है कि लाइसेंस की सीमा शुल्क मुद्रा विनियम नियंत्रण प्रति किसी भी सीमा शुल्क अधिकारी के पास दर्ज नहीं कराई गई थी, अतः इस प्रकार सीमा शुल्क प्रयोजन प्रति के मूल्य को बिल्कुल भी उपयोग में नहीं लाया गया है।

2. लाइसेंसधारी ने अपने तर्कों के समर्थन में नोटरी पब्लिक नहीं दिलाती के समक्ष विधिवत् अपथ लेकर एक अपथपत्र दाखिल किया है। मैं तबनुसार संतुष्ट हूँ कि आयात लाइसेंस सं. पी/सीजी/2099965 ता. 7-4-86 की मूल सीमा शुल्क/मुद्रा विनियम नियंत्रण प्रति फर्म द्वारा खो गई है अथवा अस्थानास्थ हो गई है। यथा संशोधित आयात नियंत्रण आदेश 1955 दिनांक 7-12-1955 की उप धारा 9(ग)(ग) के अर्धन प्रदान अधिकारों का प्रयोग करते हुए मैसूर सीमेंट्स लिमिटेड को दी गई उपर्युक्त मूल सीमा शुल्क/विनिमय नियंत्रण प्रति की एतद्वारा रद्द किया जाता है।

3. उपर्युक्त लाइसेंस की सीमा शुल्क/विनिमय नियंत्रण प्रति की अनुलिपि पार्टी को अनन से जारी की जा रही है।

[सं. सी. जी. 1/1387/34/84-85/156]

पाल बेक, उप मुख्य नियंत्रक, आयात एवं निर्यात

(Office of the Chief Controller of Imports and Exports)

New Delhi, the 16th June, 1987

ORDER

S.O. 1627.—M/s. Mysore Cements Ltd., Damoh were granted an import licence No. P/CG/2099965 dated 7-4-1986 for Rs. 9,26,24,600 (Rupees Nine Crore Twenty six Lakhs Twenty four Thousand and six hundred only) for import of Capital Goods under West German Mixed Credit.

The firm has applied for issue of Duplicate copy of Customs purposes copy of the above mentioned licence on the ground that the original Customs purposes copy of the licence has been lost or misplaced. It has further been stated that the Customs purposes copy of the licence was not registered with any Customs Authority and as such the value of Customs Purpose copy has not been utilised at all.

2. In support of their contention, the licensee has filed an affidavit on stamped paper duly sworn in before a Notary Public New Delhi. I am accordingly satisfied that the original Customs Purposes copy of import licence No. P/CG/2099965 dated 7-4-1986 has been lost or misplaced by the firm. In exercise of the powers conferred under sub-clause 9(cc) of the Import (Control) Order, 1955 dated 7-12-1955 as amended the said original Customs Purposes Copy No. P/CG/2099965 dt. 7-4-1986 issued to M/s. Mysore Cements Ltd. is hereby cancelled.

3. A duplicate Customs Purposes copy of the said licence is being issued to the party separately.

[No. CG. 1/1387/34/84-85/156]

PAUL BECK, Dy. Chief Controller of Imp. & Exp.

(संयुक्त मुख्य नियंत्रक, आयात एवं निर्यात का कार्यालय)

कलकत्ता, 5 मई, 1987

रद्द आदेश संख्या 1/1987-88/3362

का.आ. 1628.—जबकि महाशय ट्रेडरस इंडिया लि., 1 तारा तल्ला रोड, कलकत्ता-24 को विशेष इम्पोर्ट अनुज्ञापत्र सं. पी./एल/3142573/सी./XX/98/सी./86 दिनांक 10-1-86 को 3,80,45,977/- रुपये का अंडर केरेज उपस्कर तथा डेक उपस्कर आयात के लिए अनुमोदन किया गया है।

2. जबकि महाशय ट्रेडरस इंडिया लि. कलकत्ता ने आयात-निर्यात प्रणाली 1985-1988 की हस्त पुस्तिका के परिशिष्ट-II ई. के अनुसार तुलनामा दाखिल किया है जिसमें उन्होंने कहा कि सीमा शुल्क उद्देश्य प्रति की अनुज्ञापत्र सं. पी. एल./3142573/सी. तारीख 10-1-86, सीमा-शुल्क अधिकारी सीमा-शुल्क हाउस के पास पंजीकृत करने के बाव खो गई है तथा इसे 3,62,20,088 रुपये तक आंशिक उपयोग किया गया था। उन्होंने भागे बयान दिया है कि बाव में (सीमा-शुल्क उद्देश्य प्रति) मिलने पर दाख निकालने पर बिना उपयोग किये हुए अनुज्ञापत्र को इस कार्यालय को वापस कर देंगे।

3. जबकि महाशय ट्रेडरस इंडिया लि. कलकत्ता ने सीमा-शुल्क उद्देश्य प्रति की अनुलिपि उक्त अनुज्ञापत्र को रद्द करके अनुज्ञापत्र के बाकी मूल्य उपयोग करने की याचना की।

4. मुझे संतोष है कि सीमा-शुल्क प्रति की उक्त अनुज्ञापत्र सीमा-शुल्क अधिकारी के पास पंजीकृत तथा 3,62,20,088/- रुपये तक आंशिक उपयोग करने के बाव खो गई है।

5. आयात (नियंत्रण) आदेश, 1955 के संशोधित खंड 9(1) (डी) के अन्तर्गत में अधिकतर, जो मुझे प्रदत्त किया गया है, का प्रयोग करते हुए सीमा-शुल्क उद्देश्य की अनुज्ञापत्र की मूल प्रति सं. पी/एल./3142573/सी. तारीख 10-1-1986 को आंशिक रद्द करते हुए बाकी बचे जोड़ 18,25,889/- रुपये की निर्गम का आदेश देता है।

सं. सी. डे., उप मुख्य नियंत्रक, आयात एवं निर्यात

विषय:—अनुज्ञापत्र सं. पी/एल/3142573/सी. तारीख 10-1-86 को जोड़ हुई सीमा-शुल्क उद्देश्य प्रति की अनुलिपि का निर्गम

अनुज्ञापत्र सं.	तारीख	माल का विवरण
डी. 2468618 (केबल)	07/05/1987	अंडरकेरेज उपस्कर तथा
सीमा-शुल्क उद्देश्य प्रति)		डेक उपस्कर
18,25,889/-		रुपये का जेब मूल्य का प्रतिनिधि अनुज्ञापत्र के निर्गम के लिए।

एम.के. घोष, सहायक मुख्य नियंत्रक, आयात एवं निर्यात
हुते संयुक्त मुख्य नियंत्रक, आयात एवं निर्यात

(Office of the Jt. Chief Controller of Imports and Exports)
Calcutta, the 5th May, 1987

CANCELLATION ORDER NO. 1/1987-88/3362

S.O. 1628.—Whereas M/s. Tractors India Ltd., 1, Tara-tolla Road, Calcutta-24 were granted a Special Imprest Licence No. P/L/3142573/C/XX/98/C/86 dated 10-1-86 for import of Undercarriages Equipment and Deck Equipment for Rs. 3,80,45,977.

2. Whereas M/s. Tractors India Ltd., Calcutta has now filed an affidavit in terms of Appx. II-E of the Hand Book of Import-Export Procedure for 1985-88, wherein they have stated that the Customs Purposes Copy of Licence No. P/L/3142573/C dated 10-1-86 have been lost after having been registered with I.C.D. (Customs House) and utilised partly to the extent of Rs. 3,62,20,088. They have further undertaken to return the original licence (Customs purposes copy) if found/traced out at later date, without utilisation of the same to this licensing office.

3. Whereas M/s. Tractors India Ltd. Calcutta have since requested for issue of duplicate Customs Purposes copy in cancellation of the said licence for utilisation for the balance value of the licence.

4. I am satisfied that the Customs Purposes copy of the said licence has been lost after having been registered with Customs Authority and utilised to the extent of Rs. 3,62,20,088.

5. In exercise of the power conferred on me under clause 9(1)(d) of the Imports (Control) Order, 1955, as amended from time to time, I hereby cancel partly the said original Customs Purposes Copy of the licence No. P/L/3142573/C dated 10-1-86 for the balance amount of Rs. 13,25,889.

M. M. DEY, Dy. Chief Controller
of Imports and Exports

Subject : Issue of duplicate licence (Customs Purposes Copy) against lost Customs Purposes copy of Lic. No. P/L/3142573/C, dt. 10-1-86.

Licence No.	Date	Description of goods
D-2468618 (Customs Purposes copy only)	07/05/1987	Undercarriages Equipment and Deck Equipment.

Duplicate Licence is Issued for the balance value of Rs. 18,25,889/-.

S.K. GHOSH, Asstt. Chief
Controller of Imports and Exports,
Jt. Chief Controller of Import and Exports.

उद्योग मंत्रालय

(कम्पनी कार्य विभाग)

नई दिल्ली, 10 जून 1987

का. आ. 1628 :- एकधिकार तथा अवरोधक व्यापारिक व्यवहार अधिनियम, 1969 (1969 का 54) की धारा 28 की उपधारा (3) के अनुसरण में केन्द्रीय सरकार द्वारा इस अधिसूचना के अनुलग्नक में उल्लिखित उपक्रमों के पंजीकरण के निरस्तकरण को अधिसूचित करती है, उक्त उपक्रम ऐसे उपक्रम हैं, जिन्हें उक्त अधिनियम के भाग-क के अध्याय-III के उपबन्ध अब लागू नहीं होंगे।

अधिसूचना सं. 16/12/86-एम-3 का अनुलग्नक

क्रम सं.	उपक्रमों के नाम	पंजीकृत पता	पंजीकरण संख्या
1. मै. एफ्. डे सप्लायर्स लि.	एन्टोप हिल, बाहला, बम्बई-37		2210/85
2. म. मिलर्स मशीनरी कं. प्रा. लि.	-यथोपरि-		2203/85
3. म. गुजरात मशीनरी मैन्युफैक्चरर्स लि.	विठ्ठल उद्योग नगर, करमनाद, गुजरात		2209/85
4. मै. प्रेसबीकेटो स्ट्रक्चर्स लि.	मे 1इ, 40ए, पेवार रोड, बम्बई-26		2196/85
5. मै. जे. बी. पटेल एण्ड कम्पनी (एग्जीक्यूटिव)	-यथोपरि-		2195/85
6. मै. जे. बी. पटेल एण्ड कम्पनी (फाइनेंस)	-यथोपरि-		2201/85
7. मै. ए. जे. पटेल इन्वैस्टमेंट्स एण्ड ट्रेडिंग कम्पनी प्रा. लि.	32, समर विले, भुलाभाई देमाई रोड, बम्बई-26		2191/85
8. मे. ए. जे. पटेल एण्ड सन्स	-यथोपरि-		2194/85
9. मै. जे. बी. पटेल इन्वैस्टमेंट्स एण्ड ट्रेडिंग कम्पनी प्रा. लि.	ए-5, मायफेयर गार्डन्स, लिटिल गिब्स रोड, बम्बई-6		2185/85
10. मै. जे. बी. डिग कम्पनी	-यथोपरि-		2199/85
11. मै. जे. बी. पटेल एण्ड सन्स	-यथोपरि-		2193/85
12. मै. ए. जे. पटेल इन्वैस्टमेंट्स एण्ड ट्रेडिंग कम्पनी प्रा. लि.	6-सी, विठ्ठलीक, 50-डी, पेवार रोड, बम्बई-26		2200/85
13. मै. ए. जे. ट्रेडिंग कम्पनी	-यथोपरि-		2192/85
14. मै. ए. जे. पटेल एण्ड सन्स	-यथोपरि-		2184/85
15. मै. स्टील्स इन्जीनियरिंग कम्पनी लिमिटेड	एनएसई एस्टेट, गोरगांव (ईस्ट), बम्बई-400063		2222/85
16. मै. हन्डावेटर लिमिटेड	-यथोपरि-		2366/85

[सं. 16/12/86-एम. III]
एल. सी. गोयल, प्रवर सचिव

MINISTRY OF INDUSTRY
(Department of Company Affairs)
New Delhi, the 10th June, 1987

S.O. 1629.—In pursuance of sub-section (3) of Section 26 of the Monopolies and Restrictive Trade Practices Act, 1969 (54 of 1969), the Central Government hereby notifies the cancellation of the registration of the undertakings mentioned in the Annexure to this notification, the said undertakings being undertakings to which the provisions of Part A Chapter III of the said Act no longer apply.

Annexure to the Notification No. 16/12/86-MII

S. No.	Name of the Undertakings	Registered Address	Registration No.
(1)	(2)	(3)	(4)
1.	M/s. Acme Manufacturing Co. Ltd.	Antop Hill Wada, Bombay-37.	2210/85
2.	M/s. Millars Machinery Co. Pvt. Limited.	-do-	2203/85
3.	M/s. Gujarat Machinery Manufacturers Limited.	Vittal Udyog Nagar, Karam sad Gujarat	2209/85
4.	M/s. Prefabricated Structures Ltd.	Mewar, 40-A, Peddar Road, Bombay-26.	2196/85
5.	M/s. J.V. Patel & Co. (Agriculture)	-do-	2195/85
6.	M/s. J.V. Patel & Co. (Finance)	-do-	2201/85
7.	M/s. A.J. Patel Investments & Trading Co. Pvt. Ltd.	32-Summer Ville Bhulabhai Desai Rd., Bombay-26.	2191/85
8.	M/s. A.J. Patel & Sons	-do-	2194/85
9.	M/s. J.V. Patel Investments & Trading Co. Pvt. Ltd.	A-5 Mayfair Gardens Little Gibbs Road, Bombay-6.	2185/85
10.	M/s. J.V. Trading Company	-do-	2199/85
11.	M/s. J.V. Patel & Sons	-do-	293/85

(1)	(2)	(3)	(4)
12.	M/s. S.J. Patel Investments & Trading Co. Pvt. Ltd.	6-C, Windcliffe 50-D, Peddar Road, Bombay-26.	2200/85
13.	M/s. S.J. Trading Company	-do-	2192/85
14.	M/s. S.J. Patel & Sons	-do-	2184/85
15.	M/s. New Standard Engineering Company Limited.	NSE Estate Goregaon (East) Bombay-400063.	2222/85
16.	M/s. Indabrador Ltd.	-do-	2366/85

[No. 16/12/86-M-II]
L.C. GOYAL, Under Secy.

बाद्य और नागरिक प्रति मंत्रालय

(नागरिक प्रति विभाग)

नई दिल्ली, 9 जून, 1987

कां.प्र. 1630.—केन्द्रीय सरकार, राजभाषा (संघ के सरकारी प्रयोजनों के लिए प्रयोग) नियम, 1976 के नियम (10) उपनियम (4) के अनुसरण में, इसके द्वारा हिन्दुस्तान वेजिटेबल ऑयल्स कॉर्पोरेशन लि० के नेहरू प्लेस, नई दिल्ली-110019 स्थित पंजीकृत कार्यालय को, जिसके 80 से अधिक कर्मचारीवृन्द ने हिन्दी का कार्यसाधक ज्ञान प्राप्त कर लिया है, अधिसूचित करती है।

[संख्या ई-11012/29/87-हिन्दी]

के० एम० बाजवा, उप सचिव

MINISTRY OF FOOD AND CIVIL SUPPLIES

(Department of Civil Supplies)

New Delhi, the 9th June, 1987

S.O. —In pursuance of sub-rule (4) of rule 10 of the Official Languages (use for official purposes of the Union) Rules, 1976, the Central Government hereby notifies the Registered office of the Hindustan Vegetable Oils Corporation Ltd. at Nehru Place, New Delhi-110019, where of more than 80 per cent of the staff have acquired a working knowledge of Hindi.

[No. E-11012/29/87-Hindi]

K. S. BAJWA, Dy. Secy.




भारतीय मानक ब्यूरो

नई दिल्ली, 26 मई, 1987

कां.प्र. 1631.—भारतीय मानक संस्था (प्रमाणन मुहर) विनियम, 1955 के नियम 4 के उपनियम (1) के अनुसार भारतीय मानक ब्यूरो द्वारा अधिसूचित किया जाता है कि जो मानक मुहरें उनके डिजाइन, शाब्दिक विवरण तथा तत्संबंधी भारतीय मानक के शीर्षक सहित नीचे अनुसूची में दी गई हैं, वे निर्धारित कर दी गई हैं।

भारतीय मानक ब्यूरो (प्रमाणन मुहर) अधिनियम, 1986 और इसके अधीन बने नियमों तथा विनियमों के उद्देश्य के लिए ये मानक मुहर प्रत्येक के आगे दी गई तारीखों से लागू होंगे :

अनुसूची

क्रम संख्या	मानक मुहर का डिजाइन	उत्पाद/उत्पाद की श्रेणी	संबंधित भारतीय मानक की संख्या व शीर्षक	मानक मुहर के डिजाइन का शब्दिक विवरण	लागू होने की तारीख
(1)	(2)	(3)	(4)	(5)	(6)
1.		अग्नि शमन कार्यों के लिए पानी फिटिंगों के वाशर।	IS : 937—1981 अग्नि-शमन कार्यों के लिए पानी फिटिंगों के वाशरों की विनिर्दिष्ट (दूसरा पुनरीक्षण)।	“ISI” अक्षरों वाला भारतीय मानक संस्था का मोनोग्राम जो स्तंभ (2) दिखाई गई निश्चित शैली और परस्पर संबंध अनुपात में बनाया गया हो; डिजाइन में निर्देश के अनुसार मोनोग्राम के ऊपर भारतीय मानक की संख्या अंकित हो।	1986 11 01
2.		फिनिशिंग के लिए रंगीन एवं चमकदार लैकर, सेल्युलोज, नाइट्रेट।	IS : 5691—1970 फिनिशिंग के लिए रंगीन एवं चमकदार लैकर, सेल्युलोज, नाइट्रेट की विनिर्दिष्ट।	“ISI” अक्षरों वाला भारतीय मानक संस्था का मोनोग्राम जो स्तंभ (2) में दिखाई गई निश्चित शैली और परस्पर संबंध अनुपात में बनाया गया हो डिजाइन में निर्देश के अनुसार मोनोग्राम के ऊपर भारतीय मानक की संख्या अंकित हो।	1986 08 16
3.		स्टॉपर	IS : 7164—1973 स्टॉपर की विनिर्दिष्ट	-वही-	

[सं. सी.एस.डी./13 : 9]




BUREAU OF INDIAN STANDARDS

New Delhi the 26th May, 1987

S.O. 1631 :—In pursuance of sub-rule (1) of rule 4 of the Bureau of Indian Standards Institution (Certification Marks), 1955, the Indian Standards hereby, notifies that the Standard Mark(s) design(s) of which together with the verbal description of the design(s) and the title(s) of the relevant Indian Standard(s) are given in the Schedule hereto annexed, have been specified.

These Standard Mark(s) for the purpose of the Bureau of Indian Standards (Certification Marks) Act, 1986 and the Rules and Regulations framed thereunder, shall come into force with effect from the dates shown against each:

SCHEDULE



Sl. No.	Design of the Standard Mark	Product /Class of Product	No. and Title of the Relevant Indian Standard	Verbal description of the design of the Standard Marks	Date of Effect
(1)	(2)	(3)	(4)	(5)	(6)
1.		Washers for water fittings for fire fighting purposes	IS : 937—1981 Specification for washers for water fittings for fire fighting purposes (second revision)	The monogram of the Indian Standards Institution, consisting of letters 'IS' drawn in the exact style and relative proportions as indicated in Col. (2); the number of the Indian Standard being superscribed on the top side of the monogram as indicated in the design.	1986-11-01
		Lacquer, cellulose, nitrate, pigmented, finishing, glossy	IS : 5691—1970 Specification for lacquer, cellulose, nitrate, pigmented, finishing glossy	The monogram of the Indian Standards Institution, consisting of letters 'ISI' drawn in the exact style and relative proportions as indicated in Col. (2); the number of the Indian Standard being superscribed on the top side of the monogram as indicated in the design.	1986-08-16
		Stopper	IS : 7164—1973 Specification for stopper.	-do-	1986-08-16

[No. C.M.D./13 : 9]

का० प्रा० 1652.—संस्कृति मंत्रालय (भारतीय मानक संस्था) की अधिसूचना सं. एस.ओ. 1658, दिनांक 1981-05-14, जो भारत के राजपत्र, भाग 2, खंड-3, उपखंड (ii) में दिनांक 1981-06-06 को प्रकाशित हुई थी, का आंशिक संशोधन करते हुए, भारतीय मानक ब्यूरो एतद्वारा अधिसूचित करती है कि लैंडिंग वाल्व के मानक मुहर के डिजाइन में संशोधन कर दिया गया है। मानक मुहर के संशोधित डिजाइन, तत्संबंधी भारतीय मानक के शीर्षक तथा डिजाइन के शीर्षक विवरण सहित नीचे अनुसूची में दिए गए हैं।

ये मानक मुहरें भारतीय मानक ब्यूरो (प्रमाणन मुहर) अधिनियम, 1986 और उसके अधीन बने नियमों तथा विनियमों के निमित्त 1986-06-16 को लागू होंगी।

अनुसूची



क्रम सं.	मानक मुहर डिजाइन	उत्पाद/उत्पाद की श्रेणी	तत्संबंधी भारतीय मानक की संख्या एवं शीर्षक	मानक मुहर के डिजाइन का आन्विक विवरण
(1)	(2)	(3)	(4)	(5)
1.		लैंडिंग वाल्व	IS : 5290—1983 में लैंडिंग वाल्वों की विनिर्दिष्ट। (दूसरा पुनरीक्षण)	“ISI” अक्षरों वाले भारतीय मानक संस्था के मोनोग्राम, जो स्तम्भ (2) में दिखाई गई निश्चित शैली और परस्पर सम्बद्ध अनुपात में बनाए गए हैं, डिजाइन में दिखाए अनुसार मोनोग्राम के ऊपर भारतीय मानक की संख्या और नीचे सम्बद्ध फिरमें अंकित हों।
2.			—देखें—	“ISI” अक्षरों वाले भारतीय मानक संस्था के मोनोग्राम, जो स्तम्भ (2) में दिखाई गई निश्चित शैली और परस्पर सम्बद्ध अनुपात में बनाए गए हों, डिजाइन में दिखाए अनुसार मोनोग्राम के ऊपर भारतीय मानक की संख्या और नीचे सम्बद्ध फिरमें अंकित हों।

[सं. सी एस डी/13:9]

S.O. 1632 :— In partial modification of the then Ministry of Civil Supplies (Indian Standards Institution) notification number S.O. 1658 dated 1981-05-14 published in the Gazette of India, Part-II, Section-3, Sub Section (ii) dated 1981-06-06, the Bureau of Indian Standards, hereby, notifies that the design of the Standard Mark for landing valves has been revised. The revised designs of the Standard Marks together with the title of the relevant Indian Standard and verbal description of the design are given in the following Schedule.

These Standard Marks for the purpose of the Bureau of Indian Standards (Certification Marks) Act, 1986 and the Rules and Regulations framed thereunder, shall come into force with effect from 1986-06-16 :

SCHEDULE

Sl. No.	Design of the Standard Mark	Product/Class of Product	No. & Title of the Relevant Indian Standard	Verbal Description of the Design of the Standard Mark
(1)	(2)	(3)	(4)	(5)
	 	Landing valves	IS : 5290-1983 Specification for landing valves (second revision)	The monograms of the Indian Standards Institution, consisting of letters 'ISI', drawn in the exact style and relative proportions as indicated in Col (2); the number of the Indian Standard being superscribed on the top side and the relevant types being subscribed under the bottom side of the monograms as indicated in the design.

[No. CMD/13 : 9]

का० प्रा० 1633.—भारतीय मानक संस्था (प्रमाणन मुहर) विनियम, 1955 के नियम 7 के उपनियम (3) के अनुसार भारतीय मानक ब्यूरो द्वारा अधिसूचित किया जाता है कि विभिन्न उत्पादों के लिए प्रति इकाई भुगतान शुल्क निर्धारित कर दिया गया है जिसका विवरण निम्नलिखित अनुसूची में दिया गया है। यह शुल्क प्रत्येक के सामने दी गई तिथि से लागू होगा :

अनुसूची

क्रमांक	उत्पाद/उत्पाद की श्रेणी	संबन्धित भारतीय मानक की सं एवं शीर्षक	इकाई	प्रति इकाई मुहरांकन शुल्क	समूह होने की तिथि
(1)	(2)	(3)	(4)	(5)	(6)
1.	अग्नि-शमन कार्यों हेतु जल-फिटिंग के लिए बाजार।	IS: 937--1981 अग्नि-शमन कार्यों हेतु जल-फिटिंग के लिए बाजारों की विनिर्दिष्ट (दूसरा पुनरीक्षण)।	एक मंद	(1) 5 पैसे प्रति इकाई पहली 50000 इकाइयों के लिए, और (2) 2 पैसे प्रति इकाई 50001वीं इकाई और इससे अधिक इकाइयों के लिए।	1986-11-01
2.	फिनिशिंग के लिए रंगीन चमकदार लैकर, सेलुलोज, नाइट्रेट।	IS: 5691--1970 फिनिशिंग के लिए रंगीन चमकदार लैकर, सेलुलोज, नाइट्रेट की विनिर्दिष्ट।	100 लिटर	(1) रु. 6.00 प्रति इकाई पहली 2000 इकाइयों के लिए, और (2) रु. 3.00 प्रति इकाई 2001वीं इकाई तथा इससे अधिक इकाइयों के लिए।	1986-08-16
3.	स्टापर	IS: 7164--1973 स्टापर की विनिर्दिष्ट	100 लिटर	(1) रु. 6.00 प्रति इकाई पहली 1000 इकाइयों के लिए, और (2) रु. 4.00 प्रति इकाई 1001वीं इकाई तथा इससे अधिक इकाइयों के लिए।	1986-08-16

[सं. सी एम बी/13 : 10]

बी.एन. सिंह, सपर महानिदेशक

S.O. 1633.—In pursuance of sub-regulation (3) of regulation 7 of the Indian Standards Institution (Certification Marks) Regulations, 1955, the Bureau of Indian Standards hereby, notifies that the marking fee(s) per unit for various products details of which are given in the schedule hereto annexed, have been determined and the fee(s) shall come into force with effect from the dates shown against each:

THE SCHEDULE

Sl. No.	Product/Class of Product	No. and Title of Relevant Indian Standard	Unit	Marking fee per unit	Date of Effect
(1)	(2)	(3)	(4)	(5)	(6)
1.	Washers for water fitting for fire fighting purposes	IS: 937-1981 Specification for washers for water fittings for fire fighting purposes (second revision)	One Piece	(i) 5 Paise per unit for the first 50000 units and (ii) 2 Paise per unit for the 50001st unit and above	1986-11-01
2.	Lacquer, cellulose, nitrate, pigmented, finishing, glossy	IS: 5691-1970 Specification for lacquer, cellulose, nitrate, pigmented, finishing, glossy	100 Litres	(i) Rs 6.00 per unit for the first 2000 units and (ii) Rs 3.00 per unit for the 2001st unit and above	1986-08-16
3.	Stopper	IS: 7164—1973 Specification for stopper	100 Litres	(i) Rs. 6.00 per unit for the first 1000 units and (ii) Rs 4.00 per unit for the 1001st unit and above	1986-08-16

[No. CMD/13 : 10]

B. N. SINGH, Addl. Director General

वस्त्र मंत्रालय

नई दिल्ली, 19 जून, 1987

MINISTRY OF TEXTILES

New Delhi, the 19th June, 1987

का. आ. 1634:—केन्द्रीय सरकार, केन्द्रीय रेशम बोर्ड अधिनियम, 1948 (1948 का 61) की धारा 6 की उपधारा (1) के साथ पछित धारा 4 की उपधारा (3) द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए पूर्ति एवं वस्त्र मंत्रालय (वस्त्र विभाग) में भारत सरकार की अधिसूचना संख्या का. आ. 517 (अ) दिनांक 9 जुलाई, 1985 में एतद्द्वारा, निम्नलिखित संशोधन करती है :—

(क) उक्त अधिसूचना में मद 3 और उससे संबंधित प्रविष्टि के स्थान पर निम्नलिखित प्रतिस्थापित किया जाएगा, अर्थात् :—

"3. श्रीमती आर. चटर्जी,
संयुक्त विकास आयुक्त (हथकरघा),
वस्त्र मंत्रालय, भारत सरकार";

(ख) मद 13 तथा उससे संबंधित प्रविष्टि के स्थान पर निम्नलिखित प्रतिस्थापित किया जाएगा, अर्थात् :—

"13. श्री के. राय पाल,
सचिव,
लघु उद्योग विभाग, बिहार सरकार";

(ग) मद 26 के बाव "श्री एस. क. मिश्रा, विकास आयुक्त (हथकरघा) को बोर्ड के उपाध्यक्ष के रूप में नियुक्त किया जाता है" वाक्यांश के स्थान पर निम्नलिखित प्रतिस्थापित किया जाएगा, अर्थात् :—

"श्री वी. के. अग्निहोत्री, विकास आयुक्त (हथकरघा) को बोर्ड के उपाध्यक्ष के रूप में नियुक्त किया जाता है।"

[फाइल संख्या 25012/8/85-सिल्क]

इंदिरा मानसिंह, संयुक्त विकास आयुक्त (हथकरघा)

S.O. 1634.—In exercise of the powers conferred by sub-section 3 of the section 4, read with sub-section (i) of section 6 of the Central Silk Board Act, 1948 (61 of 1948) the Central Government hereby makes the following amendments in the Notification of the Government of India in the Ministry of Supply and Textiles (Department of Textiles) No. S.O. 517(E), dated 9th July, 1985 :—

In the said Notification,

(a) for item 3 and the entry relating thereto, the following shall be substituted, namely:

3 "Smt. R. Chatterjee,
Jt. Development Commission (Handlooms),
Ministry of Textiles
Government of India";

(b) for item 13 and the entry relating thereto, the following shall be substituted, namely:—

"13. Sh. K. Roy Paul,
Secretary,
Department of Small Scale Industries,
Government of Bihar";

(c) after item 26, for the words "Shri S. K. Mishra, Development Commissioner (Handlooms) is appointed as the Vice Chairman of the Board, the following shall be substituted namely :

"Shri V. K. Agnihotri, Development Commissioner (Handlooms) is appointed as the Vice Chairman of the Board."

[F. No. 25012/8/85-Silk]

INDIRA MAN SINGH, Jt. Development Commissioner

(Handlooms)

कृषि मंत्रालय

(कृषि और सहकारिता विभाग)

नई दिल्ली, 26 मई, 1987

आदेश

का. भा. 1635:—राष्ट्रपति, केन्द्रीय सिविल सेवा (वर्गीकरण, नियंत्रण और शरील) नियम, 1965 के नियम 9 के उपनियम (2) और नियम 12 के उपनियम (2) की धारा 2 द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए, यह निदेश देते हैं कि इस आदेश की अनुसूची के स्तम्भ 1 में विनिर्दिष्ट साधारण केन्द्रीय सेवा, वर्ग "ख" (राजपत्रित) के पदों की बाबत स्तम्भ 2 में विनिर्दिष्ट प्राधिकारी, नियुक्ति प्राधिकारी होगा और स्तम्भ 3 में विनिर्दिष्ट प्राधिकारी स्तम्भ 4 में विनिर्दिष्ट शास्तियों के संबंध में नियंत्रक प्राधिकारी होगा :—

अनुसूची

पद का विवरण	नियुक्ति प्राधिकारी	केन्द्रीय सिविल सेवा (वर्गीकरण, नियंत्रण और शरील) नियम, 1965 के नियम 11 की सब संख्याओं के संबंध में शास्तियां अधिरोपित करने के लिए सख्त प्राधिकारी और ऐसी शास्तियां जो बहु अधिरोपित कर सकेया	
		प्राधिकारी	शास्तियां
1	2	3	4
कृषि मंत्रालय (कृषि और सहकारिता विभाग)			
1. मशीनरी प्रभाग के अधीन अधीनस्थ कार्यालयों में समूह "ख" (राजपत्रित) पद	मशीनरी प्रभाग का भार-साधक संयुक्त सचिव	मशीनरी प्रभाग का भारसाधक संयुक्त सचिव	सभी

[सं 1/23/85-मशीनरी (प्रशा.)]

ओ. पी. डांग, प्रवर सचिव

MINISTRY OF AGRICULTURE
(Department of Agriculture and Cooperation)
New Delhi the 26th May, 1987

ORDER

S.O. 1635.—In exercise of the powers conferred by sub-rule (2) of rule 9 and clause (b) of sub-rule (2) of rules 12 of the Central Civil Services (Classification, Control and Appeal) Rules, 1965, the President hereby directs that in respect of the posts in the General Central Services Group 'B' (Gazetted) specified in column 1 of the Schedule to this order, the authority specified in column 2 shall be the appointing authority and the authority specified in column 3 shall be the disciplinary authority in regard to penalties specified in column 4 thereof.

SCHEDULE

Description of post	Appointing authority	Authority competent to impose penalties and penalties which it may impose with reference to item numbers in rule 11 of the Central Civil Service (Classification Control and Appeal) Rules, 1965.	
		Authority	Penalties
1	2	3	4
MINISTRY OF AGRICULTURE (Department of Agriculture And Co-operation)			
1. Group-B (Gazetted) post in the subordinate offices under the Machinery Division	Joint Secretary, Incharge of Machinery Division	Joint Secretary, Incharge of Machinery Division	All

[No. 1/23/85-MG(Admn.)]

O. P. DANG, Under Secy.

(ग्रामीण विकास विभाग)

नई दिल्ली, 4 जून, 1987

का. प्रा. 1636—केंद्रीय सरकार, राजभाषा (संघ के शासकीय प्रयोजनों के लिए प्रयोग) नियमावली, 1976 के नियम 10(4) के अनुसरण में ग्रामीण विकास विभाग के अधीन निम्नलिखित कार्यालय को जिसके 80 प्रतिशत से भी अधिक कर्मचारियों ने हिन्दी का कार्यसाधक ज्ञान प्राप्त कर लिया है, अधिसूचित करती है:—

विपणन एवं निरीक्षण निवेशालय,
उप कार्यालय,
के. सी. रोड, मोरलुमुख,
प्रथम मंजिल, लखनूर बिल्डिंग,
गोवाहाटी-781009 (असम)

[सं. ई-11015/3/87-हिन्दी]

नरेन्द्र पाल सिंह, उप सचिव

(Department of Rural Development)

New Delhi, the 4th June, 1987

S.O. 1636.—In pursuance of sub-rule 10(4) of Official Language (Use for Official Purposes of the Union) Rule, 1976 the Central Government hereby notifies the following office under the Department of Rural Development whereof more than 80 per cent staff have acquired working knowledge of Hindi:—

Director of Marketing and Inspection,
K. C. Road, (Sub-Office),
Morelumukh, first floor,
Lakhur Building, Gauhati-781009 (Assam)

[No. E-11015/3/87-Hindi]

N. P. SINGH, Dy. Secy.

स्वास्थ्य और परिवार कल्याण मंत्रालय

(स्वास्थ्य विभाग)

नई दिल्ली, 10 जून, 1987

का. प्रा. 1637:—भारतीय आयुर्विज्ञान परिषद् अधिनियम, 1956 (1956 का 102) की धारा 11 की उपधारा (2) द्वारा प्रवृत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए, केंद्रीय सरकार, भारतीय आयुर्विज्ञान परिषद् से परामर्श करने के बाद उक्त अधिनियम की पहली अनुसूची में प्रागे और निम्नलिखित संशोधन करती है, अर्थात्:—

उक्त पहली अनुसूची में उरतरी बंगाल विश्वविद्यालय सिलिगुरी से संबंधित प्रविष्टि के सामने "यह अर्हता यदि 30 अप्रैल, 1985 से पूर्व अनुसूची की नई या संशोधित अर्हता होगी", शब्दों का लोप किया जाएगा।

[सं. बी 11015/2/87-एम. ई(पी.)]

MINISTRY OF HEALTH & FAMILY WELFARE

(Department of Health)

New Delhi, the 10th June, 1987

S.O. 1637.—In exercise of the powers conferred by sub-section (2) of section 11 of the Indian Medical Council Act, 1956 (102 of 1956), the Central Government, after consulting the Medical Council of India, hereby makes the following further amendments in the First Schedule to the said Act, namely:—

In the said First Schedule, against the entries relating to the North Bengal University, Silliguri, the words "This qualification shall be a recognised medical qualification when granted before 30th April, 1985" shall be omitted.

[No. V. 11015/2/87-ME(P)]

नई दिल्ली, 11 जून, 1987

का. प्रा. 1638:—भारतीय आयुर्विज्ञान परिषद् अधिनियम, 1956 (1956 का 102) की धारा 3 की उपधारा (1) के खंड (ख) के उपबंधों के अनुसरण में डा. पी. एल. टण्डन, डीन, जी. प्रार मेडिकल

कालेज को इस अधिसूचना के जारी होने की तारीख से जिवाजी विश्व-विद्यालय, ग्वालियर द्वारा भारतीय आयुर्विज्ञान परिषद् का सदस्य निर्वाचित किया गया है।

अतः अब केन्द्रीय सरकार उक्त अधिनियम की धारा 3 की उपधारा (1) के अनुसरण में भारत सरकार के भूतपूर्व स्वास्थ्य मंत्रालय की अधिसूचना सं० का० प्रा० 138 (सं० 5-13/59 एम० आई०) तारीख 9 जनवरी, 1960 में निम्नलिखित और संशोधन करती है, अर्थात् :-

उक्त अधिसूचना में धारा 3 की उपधारा (1) के खंड (ख) के अधीन निर्वाचित शीर्ष के अधीन क्रम संख्यांक 31 और उससे संबंधित प्रविष्टि के स्थान पर निम्नलिखित प्रविष्टि अन्तःस्थापित की जाएगी, अर्थात् :-

"31. डा० पी० एल० टण्डन,
अधीक्षक,
जी० आर० मेडिकल कालेज,
ग्वालियर-11

[सं० बी० 11013/12/87-एमई(पी)]
आर श्रीनिवासन, प्रवर सचिव (एमई)

New Delhi, the 11th June, 1987

S.O. 1638.—Whereas in pursuance of the provision of clause (b) of sub-section (1) of section 3 of the Indian Medical Council Act, 1956 (102 of 1956) Dr. P. L. Tandon, Dean, G. R. Medical College has been elected by the Jiwaji University of Gwalior to be a member of the Medical Council of India with effect from the date of issue of this Notification.

Now, therefore, in pursuance of sub-section (1) section 3 of the said Act, the Central Government hereby makes the following further amendment in the Notification of the Govt. of India in the late Ministry of Health, No. S.O. 138 (No. 5-13/59-MI), dated the 9th January, 1960, namely :—

In the said Notification, under the heading nominates under clause (b) of sub-section (1) of section 3 for serial number 31 and the entry relating thereto, the following serial number and entry shall be substituted, namely :—

"31. Dr. P. L. Tandon,
Supdt.
G. R. Medical College,
Gwalior."

[No. V. 11013/12/87-ME(P)]
R. SRINIVASAN, Under Secy. (ME)

नई दिल्ली, 10 जून, 1987

का० प्रा० 1639—भारतीय आयुर्विज्ञान परिषद् अधिनियम, 1956 (1956 का 102) की धारा 3 की उपधारा (1) के खण्ड (क) के उपबन्धों के अनुसरण में श्रीर केरल सरकार के परामर्श से डा० एम० बालारमन नायर, आयुर्विज्ञान शिक्षा निदेशक, केरल सरकार, को इस अधिसूचना के जारी किए जाने की तारीख से भारतीय आयुर्विज्ञान परिषद् के सदस्य के रूप में नामनिर्दिष्ट किया गया है।

अतः, केन्द्रीय सरकार उक्त अधिनियम की धारा 3 की उपधारा (1) के अनुसरण में, भारत सरकार के भूतपूर्व स्वास्थ्य मंत्रालय की अधिसूचना सं० का० प्रा० 138 (सं० 5-13/59 एम आई) तारीख 9 जनवरी, 1960 में निम्नलिखित और संशोधन करती है, अर्थात् :-

उक्त अधिसूचना में, "धारा 3 की उपधारा (1) के खण्ड (क) के अधीन नामनिर्दिष्ट" शब्दों के नाचे क्रम सं० 3 और उससे संबंधित प्रविष्टि के स्थान पर निम्नलिखित क्रम सं० और प्रविष्टि रखी जाएगी, अर्थात् :-

"3. डा० एम० बालारमन नायर,
निदेशक, आयुर्विज्ञान शिक्षा,
केरल सरकार"।

[सं० बी० 11013/8/87-एमई(पी)]

शिव दयाल, उप-सचिव

New Delhi, the 10th June, 1987

S.O. 1639.—Whereas in pursuance of the provisions of sub-section (1) of section 3 of the Indian Medical Council Act, 1956 (102 of 1956) and in consultation with the Government of Kerala, Dr. M. Balaraman Nair, Director of Medical Education, Government of Kerala has been nominated to be a member of the Medical Council of India with effect from the date of issue of this Notification.

Now, therefore, in pursuance of sub-section (1) of section 3 of the said Act, the Central Government hereby makes the following further amendment in the Notification of the Government of India in the late Ministry of Health, No. S.O. 138 (No. 5-13/59-MI), dated the 9th January, 1960, namely:—

In the said Notification, under the heading "Nominated under clause (a) of sub-section (1) of section 3" for serial number 3 and the entry relating thereto, the following serial number and entry shall be substituted, namely :—

"3. Dr. M. Balaraman Nair,
Director of Medical Education,
Govt. of Kerala."

[No. V. 11013/8/87-ME(P)]
SHIV DAYAL, Dy. Secy.

संस्कृति विभाग

भारतीय पुरातत्व सर्वेक्षण

नई दिल्ली, 1 जून, 1987

(पुरातत्व)

का. आ. 1640—केन्द्रीय सरकार ने, प्राचीन संस्मारक तथा पुरातत्वीय स्थल और अवशेष अधिनियम, 1958 (1958 का 24) की धारा 4 की उपधारा (1) के अधीन अपेक्षित के अनुसार, भारत सरकार के संस्कृति विभाग (भारतीय पुरातत्व सर्वेक्षण) की एक अधिसूचना सं० का. आ. 5682 तारीख 4 दिसम्बर, 1985 द्वारा, जो भारत के राजपत्र, भाग II खंड 3, उपखंड (ii) तारीख 21 दिसम्बर, 1985 में प्रकाशित की गई थी, उक्त अधिसूचना की अनुसूची में विनिर्दिष्ट संस्मारक को राष्ट्रीय महत्व का घोषित करने के अपने आशय को दो माह की सूचना दी थी और उस अधिसूचना की एक प्रति उक्त संस्मारक के समीप एक सहजवृक्ष स्थान पर लगा दी गई थी ;

और उक्त राजपत्र अधिसूचना जनता की 23 दिसम्बर, 1985 की उपलब्ध करा दिया गया था,
और केन्द्रीय सरकार को जनता से कोई आक्षेप प्राप्त नहीं हुआ है,"

अतः, केन्द्रीय सरकार, उक्त अधिनियम की धारा 4 की उपधारा (3) द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए, इसे उपाखण्ड अनुसूची में विनिर्दिष्ट प्राचीन संस्मारक को राष्ट्रीय महत्व का घोषित करती है :

अनुसूची

राज्य	जिला	तहसील	परिक्षेत्र	संस्मारक का नाम	संरक्षण के अधीन सम्मिलित किया जाने वाला राजस्व प्लॉट संख्यांक	क्षेत्र
1	2	3	4	5	6	7
उड़ीसा	पुरी	भुवनेश्वर	भुवनेश्वर	पापनाशिनी तालाब और उससे उपरान्त क्षेत्र जिसमें सर्वेक्षण प्लॉट सं. 2066, 2067, 2068, 2069, 2070, 2071 और 2075 हैं।	सर्वेक्षण प्लॉट सं. 2066, 2067, 2968, 2069, 2070 और 2075	0.664 एकड़
सीमा				स्वामित्व	टिप्पणियाँ	
8				9	10	
उत्तर — सर्वेक्षण प्लॉट सं. 2072 और 2073				सर्वेक्षण प्लॉट सं. 2066 2069 और 2070	तालाब के दक्षिण में भग्न मंदिर संरक्षण के अधीन नहीं है।	
पूर्व — सर्वेक्षण प्लॉट सं. 4437 और 2205				प्राइवेट, शेष लिंगराज महाप्रभु, एनएफ टी न्यास बोर्ड		
दक्षिण — सर्वेक्षण प्लॉट सं. 2719 (सड़क) और 4139						
पश्चिम — सर्वेक्षण प्लॉट सं. 2065 (सड़क)						

[स. 2/4/83-एम]

DEPARTMENT OF CULTURE
ARCHAEOLOGICAL SURVEY OF INDIA

New Delhi, the 1st June, 1987

(ARCHAEOLOGY)

S.O. 1640.—Whereas by a Notification of the Government of India in the Department of Culture (Archaeological Survey of India) S.O. 5682 dated the 4th December, 1985, published in Part II Section 3 sub-section (ii) of the Gazette of India dated the 21st December, 1985, the Central Government gave two months notice of the intention to declare the monument specified in the Schedule to the said Notification to be of national importance and a copy of the said

Notification was affixed in a conspicuous place near the said monument as required by sub-section (1) of section 4 of the Ancient Monuments and Archaeological Sites and Remains Act, 1958 (24 of 1958) ;

And whereas, the said Gazette Notification was made available to the public on the 23rd December, 1985;

And whereas no objection from the public has been received by the Central Government;

Now, therefore in exercise of the powers conferred by sub-section (3) of section 4 of the said Act, the Central Government hereby declares the ancient monument specified in Schedule annexed to be of national importance ;

SCHEDULE

State	District	Tehsil	Locality	Name of Monument
1	2	3	4	5
Orissa	Puri	Bhubaneswar	Bhubaneswar	Papnasini Tank together with adjacent area comprised in survey plot Nos. 2066, 2067, 2068, 2069, 2070, 2071 and 2075

Revenue plot numbers included under protection	Area	Boundaries	Ownership	Remarks
6	7	8	9	10
Survey Plot Nos. 2066, 2067, 2068, 2069, 2070, 2071 and 2075	0.664 acres	North— Survey Plot Nos. 2072 and 20733 East— Survey Plot Nos. 4437 and 2205 South— Survey Plot Nos. 2719 (Road) and 4139 West— Survey Plot No. 2065 (Road)	Survey Plot Nos. 2066, 2069 and 2070 private; Rest Lingraj Mahaprabhu mft. Trust Board	Broken temple to the south of the tank not included under protection.

[No. 2/4/83-M]

का. आ. 1641—केन्द्रीय सरकार की यह राय है कि इसने उपावद्ध अनुसूची में विनिर्दिष्ट संस्मारक राष्ट्रीय महत्व का है:—

अतः, अब, केन्द्रीय सरकार, प्राचीन संस्मारक तथा पुरातत्त्विक स्थल और अवशेष अधिनियम, 1958 (1958 का 24) की धारा 4 की उपधारा (1) द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए, उक्त संस्मारक का राष्ट्रीय महत्व का घोषित करने के अपने आशय की सूचना देती है।

केन्द्रीय सरकार, इस अधिसूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से दो मास की अवधि के भीतर उक्त प्राचीन संस्मारक हितवद् किसी व्यक्ति से प्राप्त किसी आक्षेप पर विचार करेगी।

अनुसूची

संघ राज्य क्षेत्र	ज़िला	तहसील	परिक्षेत्र	संस्मारक का नाम	संरक्षण के अधीन सम्मिलित किया जाने वाला राजस्व प्लॉट संख्यांक
1	2	3	4	5	6
गोवा दमण और दीव	दमण	दमण	मोती दमण	आर्टिलरी बिल्डिंग	सर्वेक्षण प्लॉट संख्यांक पी टी एस 63/17 और 68/11
क्षेत्र	सीमा		स्वामित्व		टिप्पणियाँ
7	8		9		10
3710 वर्गमीटर	उत्तर—सड़क पूर्व—सर्वेक्षण प्लॉट संख्यांक पी टी एस 63/16 (कान्वेंट स्कूल और सड़क)। दक्षिण—सर्वेक्षण प्लॉट संख्यांक पी टी एस 68/10 (कान्वेंट स्कूल और सड़क)। पश्चिम—सड़क		गोवा, दमण और दीव		—

[सं 2/26/83-एम.]

आर. सी. त्रिपाठी, महानिदेशक
एवं संयुक्त सचिव

S.O. 1641.—Whereas the Central Government is of the opinion that the ancient monument specified in the Schedule annexed hereto is of national importance;

Now, therefore, in exercise of the powers conferred by sub section (1) of section 4 of the Ancient Monuments and Archaeological Sites and Remains Act, 1958 (24 of 1958), the Central Government hereby gives of its intention to

declare the said ancient monument to be of national importance.

Any objection which may be received within a period of two months from the date of issue of this notification in the official Gazette from any person interested in the said ancient monument will be taken into consideration by the Central Government.

SCHEDULE

Union Territory	District	Tehsil	Locality	Name of Monument site
1	2	3	4	5
Goa, Daman and Diu	Daman	Daman	Moti Daman	Artillery Building
Revenue plot number to be included under protection	Area	Boundaries	Ownership	Remarks
6	7	8	9	10
Survey plot number PTS63/17 and 68/11	3710 Square metres	North—Road East—Survey Plot number PTS. 63/16 (Convent school and Road). South—Survey Plot number PTS 68/10 (Convent school and Road). West—Road.	Government of Goa Daman and Diu.	—

[No. 2/26/83-M]

R.C. TRIPATHY, Director General & Joint Secretary

पेट्रोलियम और प्राकृतिक गैस मंत्रालय

नई दिल्ली, 15 जून, 1987

का. प्रा. 1622.—केन्द्रीय सरकार, सरकारी स्थान (अप्राधिकृत अधिभोगियों की बेवखली) अधिनियम, 1971 (1971 का 40) की धारा 3 द्वारा प्रवृत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए दिनांक 25 मई, 1985 को भारत के राजपत्र के भाग-II, खंड-3 उपखंड (II) में प्रकाशित 20 मई, 1985 की भारत सरकार, पेट्रोलियम मंत्रालय की अधिसूचना संख्या का. प्रा. 2239 में निम्नलिखित संशोधन करती है :—

उक्त अधिसूचना की सारणी के कालम (1) में वर्तमान प्रविष्टि के स्थान पर निम्नलिखित प्रविष्टि प्रतिस्थापित की जाएगी :

सारणी**अधिकारी का पदनाम**

(1)	(2)
"सहायक महा प्रबन्धक (कार्मिक एवं प्रशासनिक) बामर लारी एंड कम्पनी लिमिटेड, 5, जे. एन. हेरेडिया मार्ग, बैलार्ड स्टेट, बम्बई-400038"	

[संख्या पी-44020/16/85-विपणन]

MINISTRY OF PETROLEUM & NATURAL GAS

New Delhi, the 15th June, 1987

S.O.1642.—In exercise of the powers conferred by Section 3 of the Public Premises (Eviction of Unauthorised Occupants) Act, 1971 (40 of 1971), the Central Government hereby makes the following amendment in the notification of the Government of India in the Ministry of Petroleum No. S.O. 2239, dated the 20th May, 1985, published in the Gazette of India, Part II, Section 3, Sub-Section (ii), dated the 25th May, 1985, namely :—

In column (1) of the table of the said notification, for the existing entry, the following entry shall be substituted, namely :

TABLE**Designation of the Officer**

(1)	(2)
"Assistant General Manager (Personnel and Administration), Balmer Lawrie & Co. Ltd., 5, J.N. Heredia Marg, Ballard Estate, Bombay-400038.	

[No. P-44020/16/87-MKT]

का. प्रा. 1643.—केन्द्रीय सरकार, सरकारी स्थान (अप्राधिकृत अधिभोगियों की बेवखली) अधिनियम, 1971 (1971 का 40) की धारा 3 द्वारा प्रवृत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए दिनांक 18 दिसम्बर, 1982 को भारत के राजपत्र के भाग-II, खंड-3 उपखंड (ii) में प्रकाशित 30 नवम्बर, 1982 की भारत सरकार, ऊर्जा मंत्रालय (पेट्रोलियम 26 G of I/87—5

विभाग) की अधिसूचना संख्या का. प्रा. 4199 में निम्नलिखित संशोधन करती है :—

उक्त अधिसूचना की सारणी के कालम (1) में वर्तमान प्रविष्टि के स्थान पर निम्नलिखित प्रविष्टि प्रतिस्थापित की जाएगी :—

सारणी**अधिकारी का पदनाम**

(1)	(2)
"महा प्रबन्धक (कार्मिक) बामर लारी एंड कम्पनी लिमिटेड, 31 नेताजी सुभाष रोड, कलकत्ता-700001"	

[संख्या पी-44020/16/85-विपणन]

सी. एल. गिरोत्रा, अधर सचिव

S.O.1643.—In exercise of the powers conferred by Section 3 of the Public Premises (Eviction of Unauthorised Occupants) Act, 1971 (40 of 1971), the Central Government hereby makes the following amendment in the notification of the Government of India, in the Ministry of Energy (Department of Petroleum) No.S.O. 4199, dated the 30th November, 1982 published in the Gazette of India, Part II, Section 3, Sub-section (ii) dated the 18th December, 1982, namely :—

In column (1) of the Table of the said notification for the existing entry, the following entry shall be substituted, namely :—

TABLE**Designation of the Officer**

(1)	(2)
"General Manager (Personnel) Balmer Lawrie & Co. Ltd. 21, Netaji Subhas Road, Calcutta-700001"	

[No. P-44020/16/85-MKT]
C.L. GIROTRA, Under Secy.**संचार मंत्रालय**

(दूरसंचार विभाग)

नई दिल्ली, 27 मई, 1987

का० प्रा० 1644—राजभाषा (संघ के शासकीय प्रयोजनों के लिए प्रयोग) नियम 1976 के नियम 10(4) के तहत जिन्हें सरकारी राजपत्र में 17 जुलाई, 1976 को अधिसूचित किया गया था, एतद्वारा अधिसूचित किया जाता है कि इस अधिसूचना के परिशिष्ट-1 में दिखाए इस विभाग के कार्यालयों के 80 प्रतिशत कर्मचारियों ने हिन्दी का कार्य-साधक ज्ञान प्राप्त कर लिया है।

यह इस विभाग के तारीख 31 दिसम्बर, 1985 को जारी अधिसूचना सं० ई० 11027/1/85-राजभाषा के सिलसिले से है।

परिशिष्ट—I

राजभाषा नियम, 1976 के नियम 10(4) के अंतर्गत
“अधिसूचित किए जाने वाले कार्यालयों की सूची”

केरल दूरसंचार परिमण्डल :

1. दूरसंचार जिला प्रबंधक, त्रिवेन्द्रम।
महाप्रबंधक कार्यालय (दिल्ली टेलीफोन्स) :
2. अपर महाप्रबंधक दूरस्थ ;
3. प्रधानाचार्य प्रशिक्षण केन्द्र, विराट् भवन, मुख्यों नगर ;
4. जिला शिक्षा अधिकारी ;
5. मण्डल अभियन्ता (लोक शिक्षण)।

क्षेत्रीय प्रबंधक (उत्तर) के कार्यालय के :

6. क्षेत्र प्र० (उ०) का कार्यालय ;
7. म० अभि० (अंतः) शक्ति नगर ;
8. म० अभि० (बाह्य) शक्ति नगर ;
9. म० अभि० (बाह्य) पूर्व सी० ह० ;
10. म० अभि० (बाह्य) पश्चिम सी० ह०।

क्षेत्रीय प्रबंधक (पूर्व) के कार्यालय के :

11. क्षेत्र प्र० (पूर्व) का कार्यालय ;
12. म० अभि० (बाह्य) पू० ईदगाह ;
13. म० अभि० (बाह्य) प० ईदगाह ;
14. म० अभि० (शाहदरा) ;
15. म० अभि० (शाहदरा पूर्व)।

क्षेत्रीय प्रबंधक (दक्षिण) के कार्यालय के :

16. म० अभि० (अंतः) चाणक्यपुरी ;
17. म० अभि० (बाह्य) चाणक्यपुरी ;
18. म० अभि० एमपीसी (लोकल) नेहरू प्लेस।

क्षेत्रीय प्रबंधक (पश्चिम) के कार्यालय के :

19. म० अभि० (बाह्य) पूर्व करोल बाग ;
20. म० अभि० (बाह्य) पश्चिम करोल बाग ;
21. म० अभि० (एमपीसी लोकल) करोल बाग ;
22. म० अभि० (बाह्य) पूर्व राजौरी गार्डन ;
23. म० अभि० (बाह्य) पश्चिम राजौरी गार्डन।

क्षेत्रीय प्रबंधक (केन्द्र) के कार्यालय के :

24. म० अभि० (एक्सएम) जनपथ ;
25. म० अभि० (बाह्य) जनपथ ;
26. म० अभि० (एसपीसी लोकल) कि० भवन ;
27. म० अभि० (बाह्य) सेना भवन ;
28. म० अभि० (एमपीसी लोकल) सेना भवन।

क्षेत्रीय प्रबंधक (टेलिकम) के कार्यालय के :

29. क्षेत्र प्र० टेलिकम का कार्यालय ;
30. म० अभि० (अंतः) टेलिकम ;
31. म० अभि० (बाह्य) टेलिकम ;
32. म० अभि० (एसपीसी टेलिकम) 1 ;
33. म० अभि० (एसपीसी टेलिकम) 2 ;
34. म० अभि० (एसपीसी टेलिकम) 1 ;
35. म० अभि० (एसपीसी टेलिकम) 2 ;
36. म० अभि० (टैक्स) (एक्सएम टैक्स) ;
37. म० अभि० (मोबीटीटी) ;
38. म० अभि० (जेडएनसीसी) ;
39. उ० महा० प्रब० (कम्प्यूटर) ;
40. उ० महा० प्रब० (सीसी) दक्षिण ;

41. उ० महा० प्रब० सीसी (उत्तर) ;
42. म० अभि० (सीसी-दक्षिण-1) ;
43. म० अभि० (सीसी-दक्षिण-2) ;
44. म० अभि० (सीसी-दक्षिण-3) ;
45. उप महाप्रबंधक (केवल रखरखाव) ;
46. म० अभि० (सीपीएम-उत्तर) ;
47. म० अभि० (टी एफ तथा जंक्शन रखरखाव) ;
48. म० अभि० (पीसीएम-उत्तर रखरखाव) ;
49. म० अभि० (पीसीएम-दक्षिण) ;
50. म० अभि० (कोएक्सियल जंक्शन रखरखाव) ;
51. म० अभि० (ए/टी) केबल ;
52. म० अभि० (इलेक्ट्रानिक पीएबीएक्स) ;
53. म० अभि० (रखरखाव) ई-10 बी टैंकम करोल बाग ;
54. म० अभि० (रखरखाव) ई-10 बी चाणक्यपुरी नगर ;
55. म० अभि० (रखरखाव) ई-10 बी, मोरणा।

अन्य कार्यालय

56. जलाप्रबंधक, दूरसंचार कैम्परी, जवनापुर ;
57. टंक एक्सचेंज, नागपुर ;
58. इतवारी टेलीफोन एक्सचेंज, नागपुर ;
59. दूरसंचार जिला प्रबंधक, राजकोट।

[सं० ई० 11027/1/85-राजभाषा]

श्रीम प्रकाश शर्मा, निदेशक (राजभाषा)

MINISTRY OF COMMUNICATIONS

(Deptt. of Telecommunications)

(Telecom. Board)

New Delhi, the 27th May, 1987

S.O. 1644.—In operation of Rules 10(4) of the Official Language (Use for official purposes of the Union) Rules, 1976, as published in the Gazette of India on 17th July, 1976 it is notified that 80 per cent of the staff of the officers of that Department shown in the appendix-I to this Notification, have acquired working knowledge of Hindi.

O. P. VERMA, Director(OL)

This is in continuation of this Department notification No. F. 11027/1/85-OL dated 31st December, 1985.

Appendix-I

List of the Offices to be notified under

Section 10(4) of the O.L. Rules, 1976

Kerala Telecom. Circle :

1. District Manager Telecom., Trivendrum
- Delhi Telephones :
2. Addl. General Manager (Long Distance);
3. Principal, Training Centre, Veerat Bhavan, Mukherjee Nagar;
4. District Complaint Officer;
5. Divisional Engineer (Public Complaint);
- Area Manager (North) :
6. Area Manager (North);
7. Divisional Engineer (Indoor), Shakti Nagar;
8. Divisional Engineer (Outdoor), Shakti Nagar;
9. Divisional Engineer (Outdoor), East Tees Hazari;
10. Divisional Engineer (Outdoor), West Tees Hazari.
- Office of Area Manager (East) :
11. Area Manager (East);
12. Divisional Engineer (Outdoor), East Idgah;
13. Divisional Engineer (Outdoor), West Idgah;
14. Divisional Engineer (Shahdara);
15. Divisional Engineer (East Shahdara);
- Office of Area Manager (South) :
16. Divisional Engineer (Indoor), Chankyapuri;

17. Divisional Engineer (Outdoor) Chanyapuri ;
 18. Divisional Engineer, SPC (Local) Nehru Place;
 Office of a Area Manager (West) ;
 19. Divisional Engineer (Outdoor), East Karol Bagh;
 20. Divisional Engineer (Outdoor), West Karol Bagh;
 21. Divisional Engineer (SPC Local), Karol Bagh;
 22. Divisional Engineer (Outdoor), East Rajouri Garden;
 23. Divisional Engineer (Outdoor), West Rajouri Garden;
 Office of Area Manager (Central) ;
 24. Divisional Engineer (XM), Janapath;
 25. Divisional Engineer (Outdoor), Janapath;
 26. Divisional Engineer (Outdoor), Sena Bhavan ;
 27. Divisional Engineer (SPC Local), Kidwai Bhavan;
 Office of Area Manager (Telex) ;
 28. Divisional Engineer (SPC Local), Sena Bhavan;
 29. Area Manager (Telex);
 30. Divisional Engineer (Indoor) Telex;
 31. Divisional Engineer (Outdoor) Telex;
 32. Divisional Engineer (SPC Telex)-1;
 33. Divisional Engineer (SPC Telex)-2;
 34. Divisional Engineer (SPC Tax)-1;
 35. Divisional Engineer (SPC Tax)-2;
 36. Divisional Engineer (TAX) (XM Telex);
 37. Divisional Engineer (O.G.T.T.);
 38. Divisional Engineer (Z.N.C.C.);
 39. Dy. General Manager (Computer);
 40. Dy. General Manager (CC) (South);
 41. Dy. General Manager (CC) (North) ;
 42. Divisional Engineer (CC-South-1) ;
 43. Divisional Engineer (CC-South-2);
 44. Divisional Engineer (CC-South-3);
 45. Dy. General Manager (Cable Maintenance);
 46. Divisional Engineer (CPM) North;
 47. Divisional Engineer (TF and Junction Maintenance);
 48. Divisional Engineer (PCM) North (Maintenance);
 49. Divisional Engineer (PCM) South;
 50. Divisional Engineer (Coaxial Junction Maintenance);
 51. Divisional Engineer (A/T Cable) ;
 52. Divisional Engineer (Electronic PABX) ;
 53. Divisional Engineer (Maintenance E-10 B Tandem Karol Bagh;
 54. Divisional Engineer (Maintenance) E-10 B Lajpat
 55. Divisional Engineer Maintenance E-10 B Okhla;
 Other Offices :
 56. General Manager Telecom Factory, Jabatpur;
 57. Trunk Exchange, Nagpur;
 58. Itwari Telephone Exchange, Nagpur;
 59. Telecom. District Manager, Rajkot;

[No. S-11027/1/85-OL]
 O. P. VERMA, Director(OL)

(डाक विभाग)

नई दिल्ली, 16 जून, 1987

का. भा. 1645--राजभाषा (संघ के शासकीय प्रयोजनों के लिए प्रयोग) नियम 1976 के नियम 10 (4) के तहत जिन्हें सरकारी राज-पत्र में 17 जुलाई, 1976 को अधिसूचित किया गया था, एतद्वारा अधिसूचित किया जाता है कि इस अधिसूचना के परिशिष्ट-1 में निर्दिष्ट इस विभाग के कार्यालयों के 80 प्रतिशत कर्मचारियों ने हिन्दी का कार्यसाधक ज्ञान प्राप्त कर लिया है।

परिशिष्ट--I

राजभाषा नियम, 1976 के नियम 10(4) के अन्तर्गत
 अधिसूचित किए जाने वाले कार्यालयों की सूची

- (1) पोस्टमास्टर जनरल, मध्य प्रदेश सकल, भोपाल के नियंत्रणाधीन कार्यालय :
1. अधीक्षक, डाकघर इन्दौर मोकम्मल तंभाग, इन्दौर ;
 2. अधीक्षक, डाकघर, मंदसौर ;
 3. अधीक्षक, डाकघर, विदिशा ;
 4. अधीक्षक, डाक वस्तु भंडार, भोपाल ;
 5. अधीक्षक, डाक वस्तु भंडार, नागपुर ;
 6. प्रबंधक, पुनःप्रेषण केन्द्र, नागपुर ;
 7. उप निदेशक, लेखा (डाक), भोपाल ;
 8. प्रबंधक, मेल मोटर सेवा, भोपाल ;
 9. अधीक्षक, डाकटिकट भंडार, भोपाल ।
- (ख) पोस्टमास्टर जनरल, गुजरात सकल, अहमदाबाद के नियंत्रणाधीन कार्यालय :
1. डाकघर, द्वारका

[सं. ई-11027/1/87-रा भा]

प। एल. शर्मा, निदेशक (राजभाषा)

(Department of Posts)

New Delhi, the 16th June, 1987

S.O. 1645.—In operation of Rule 10(4) of the Official Language (Use for Official purposes of the Union) Rules, 1976, as published in the Gazette of India on 17th July, 1976 it is notified that 80 per cent of the staff of the offices of this Department shown in the appendix to this notification, have acquired working knowledge of Hindi.

Appendix-I

List of offices to be notified under section 10(4) of the O.L. Rules, 1976

A. Offices under M.P. Circle Bhopal :

1. Suptd. Post Offices Indore, Mofussil Division, Indore ;
2. Suptd. Post Offices, Mandsapur ;
3. Suptd. Post Offices, Vidisha ;
4. Suptd., Postal Stores Depot, Bhopal;
5. Suptd., Postal Stores Depot, Nagpur;
6. Manager, R.L.O., Nagpur;
7. Dy. Director, Accounts (Postal), Bhopal,
8. Manager, Mail Motor Services, Bhopal;
9. Suptd., Postal Stamp, Store, Bhopal;

B. Offices under Gujarat Circle, Ahmedabad :

1. Post Office, Dwarika.

[No. E-11027/1/87-OL]
 P. L. SHARMA, Director (OL)

श्रम मंत्रालय

नई दिल्ली, 3 जून, 1987

क्रा. भा. 1646.—कर्मचारी राज्य बीमा अधिनियम, 1948 (1948 का 34) की धारा 1 की उपधारा (3) द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए, केन्द्रीय सरकार एतद्वारा 1 जुलाई, 1987 को उस तारीख के रूप में नियत करती है, जिसको उक्त अधिनियम के अध्याय 4 (धारा 44 और 45 के सिवाय जो पहले ही प्रवृत्त की जा चुकी है) और अध्याय 5 और 6 (धारा 76 की उपधारा (1) और धारा 77, 78, 79 और 81 के सिवाय जो पहले ही प्रवृत्त की जा चुकी है) के उपबन्ध आन्ध्र प्रदेश राज्य के निम्नलिखित क्षेत्र में प्रवृत्त होंगे, अर्थात्:—

“जिला सुन्दरगढ़ के सदर तहसील में
राजस्वग्राम केरी के अंतर्गत आने
वाले क्षेत्र।”

[संख्या एस-38013/18/87-एस. एस-1]

MINISTRY OF LAHOUE

New Delhi, the 3rd June, 1987

S.O. 1646.—In exercise of the powers conferred by sub-section (3) of section 1 of the Employees' State Insurance Act, 1948 (34 of 1948), the Central Government hereby appoints the 1st July, 1987 as the date on which the provisions of Chapter IV (except sections 44 and 45 which have already been brought into force) Chapters V and VI [except sub-section (1) of section 76 and Sections 77, 78, 79 and 81 which have already been brought into force] of the said Act shall come into force in the following areas in the State of Orissa namely:—

“The area comprised of the revenue Village of Kirei in the Sadar Tehsil in the District of Sundargarh.”

[No. S-38013/18/87-SS.I]

नई दिल्ली, 11 जून, 1987

क्रा. भा. 1647.—कर्मचारी राज्य बीमा अधिनियम, 1948 (1948 का 34) की धारा 1 की उपधारा (3) द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए केन्द्रीय सरकार एतद्वारा 1 जुलाई, 1987 को उस तारीख के रूप में नियत करती है, जिसको उक्त अधिनियम के अध्याय 4 (धारा 44 और 45 के सिवाय जो पहले ही प्रवृत्त की जा चुकी है) और अध्याय 5 और 6 (धारा 76 की उपधारा (1) और धारा 77, 78, 79 और 81 के सिवाय जो पहले प्रवृत्त की जा चुकी है)] के उपबन्ध आन्ध्र प्रदेश राज्य के निम्नलिखित क्षेत्र में प्रवृत्त होंगे, अर्थात्:—

“चित्तूर जिले में बंगारुपालायम राजस्व मण्डल के अधीन
बंगारुपालायम राजस्व ग्राम के अंतर्गत आने वाले क्षेत्र”

[संख्या एस-38013/19/87-एस. एस-1]

New Delhi, the 11th June, 1987

S.O. 1647.—In exercise of the powers conferred by sub-section (3) of section 1 of the Employees' State Insurance Act, 1948 (34 of 1948), the Central Government hereby appoints the 1st July, 1987 as the date on which the provisions of Chapter IV (except sections 44 and 45 which have already been brought into force) and Chapters V and VI [except sub-section (1) of section 76 and Sections 77, 78, 79 and 81 which have already been brought into force] of the said Act shall come into force in the following areas in the State of Andhra Pradesh, namely:—

“The area within the revenue village of Bangarupalayam under Bangarupalayam revenue mandal in Chittoor District.”

[No. S-38013/19/87-SS.I]

क्रा. भा. 1648.—कर्मचारी राज्य बीमा अधिनियम, 1948 (1948 का 34) की धारा 1 की उपधारा (3) द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए, केन्द्रीय सरकार एतद्वारा 1 जुलाई, 1987 को उस तारीख के रूप में नियत करती है, जिसको उक्त अधिनियम के अध्याय 4 (धारा 44 और 45 के सिवाय जो पहले ही प्रवृत्त की जा चुकी है) और अध्याय 5 और 6 (धारा 76 की उपधारा (1) और धारा 77, 78, 79 और 81 के सिवाय जो पहले ही प्रवृत्त की जा चुकी है) के उपबन्ध आन्ध्र प्रदेश राज्य के निम्नलिखित क्षेत्र में प्रवृत्त होंगे, अर्थात्:—

“नालगोंडा जिले में भोंगीर राजस्व मंडल के अधीन भोंगीर और गुंडुर राजस्व ग्रामों के अंतर्गत आने वाले क्षेत्र”।

[संख्या एस-38013/20/87 एस.एस. 1]

S.O. 1648.—In exercise of the powers conferred by sub-section (3) of section 1 of the Employees' State Insurance Act, 1948 (34 of 1948), the Central Government hereby appoints the 1st July, 1987 as the date on which the provisions of Chapter IV (except sections 44 and 45 which have already been brought into force) and Chapters V and VI [except sub-section (1) of section 76 and Sections 77, 78, 79 and 81 which have already been brought into force] of the said Act shall come into force in the following areas in the State of Andhra Pradesh, namely:—

“the areas within the revenue villages of Bhongir and Gundur under Bhongir revenue mandal in Nalgonda District”.

[No. S-38013/20/87-SS.I]

क्रा. भा. 1649.—कर्मचारी राज्य बीमा अधिनियम, 1948 (1948 का 34) की धारा 1 की उपधारा (3) द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए, केन्द्रीय सरकार एतद्वारा 1 जुलाई, 1987 को उस तारीख के रूप में नियत करती है, जिसको उक्त अधिनियम के अध्याय 4 (धारा 44 और 45 के सिवाय जो पहले ही प्रवृत्त की जा चुकी है) और अध्याय 5 और 6 (धारा 76 की उपधारा (1) और धारा 77, 78, 79 और 81 के सिवाय जो पहले प्रवृत्त की जा चुकी है) के उपबन्ध आन्ध्र प्रदेश राज्य के निम्नलिखित क्षेत्र में प्रवृत्त होंगे, अर्थात्:—

“कुरनूल जिले में कल्लुर राजस्व मंडल में कल्लुर राजस्व ग्राम और कुरनूल राजस्व मंडल में दिन्नादेवरापाडु राजस्व ग्राम के अंतर्गत आने वाले क्षेत्र”

[संख्या एस-38013/21/87 एस.एस.1]

मीना गुप्ता, निदेशक

S.O. 1649.—In exercise of the powers conferred by sub-section (3) of section 1 of the Employees' State Insurance Act, 1948 (34 of 1948), the Central Government hereby appoints the 1st July, 1987 as the date on which the provisions of Chapter IV (except sections 44 and 45 which have already been brought into force) and Chapters V and VI [except sub-section (1) of section 76 and Sections 77, 78, 79 and 81 which have already been brought into force] of the said Act shall come into force in the following areas in the State of Andhra Pradesh, namely

“The area with the revenue villages of Kallur under Kallur revenue mandal and the revenue village of Dinnevarapadu under Kurnool revenue mandal in Kurnool District”.

[S-38013/21/87-SS.I]

MEENA GUPTA, Director

नई दिल्ली, 11 जून, 1987

TABLE

का. अ. 1650—सिनेम कर्मकार और सिनेमा थियेटर कर्मकार (नियोजन का विनियमन) अधिनियम, 1981 (1981 का 50) की धारा 4 द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए, केन्द्रीय सरकार निम्नलिखित सारणी के कालम (1) में उल्लिखित उद्देश्य, सरकार के अधिकारियों को उक्त सारणी के कालम (2) में की गई संगण प्रविष्टि में विनिर्दिष्ट क्षेत्र के लिए उक्त अधिनियम के प्रयोजन हेतु परामर्शित अधिकारी नियुक्त करती है :-

सारणी	
अधिकारी का पदनाम	क्षेत्र
1	2
1. जिला श्रम अधिकारी, कटक	कटक जिला
2. जिला श्रम अधिकारी, (पुरी) भुवनेश्वर	पुरी राजस्व जिला
3. जिला श्रम अधिकारी, मयूरभंज बारीपडा	मयूरभंज जिला
4. जिला श्रम अधिकारी, राउरकेला	सुन्दरगढ जिला
5. जिला श्रम अधिकारी, संबलपुर	संबलपुर जिला
6. जिला श्रम अधिकारी, बालासोर	बालासोर जिला, भदरक उप प्रभाग को छोड़कर
7. जिला श्रम अधिकारी, क्योंहार	क्योंहार जिला
8. जिला श्रम अधिकारी, धनकनाल	धनकनाल जिला
9. जिला श्रम अधिकारी, गनजम	गनजम जिला
10. जिला श्रम अधिकारी, फूलबनी	फूलबनी जिला
11. जिला श्रम अधिकारी, कोरापुट, जेपोर	कोरापुट जिला, रायागडा और गुनपुर उप प्रभाग को छोड़कर
12. जिला श्रम अधिकारी, कालाहांडी भवानीपटना	कालाहांडी जिला
13. जिला श्रम अधिकारी, बोलभगीर	बोलभगीर जिला
14. जिला श्रम अधिकारी, भदरक	बालासोर जिला के भदरक उप प्रभाग
15. जिला श्रम अधिकारी, रायागडा	कोरापुर जिला के रायागडा और गुनपुर उप प्रभाग

[संख्या एस. 61011/1/87 डी 1 (ए) (i)]

New Delhi, the 11th June, 1987

S.O. 1650.—In exercise of the powers conferred by section 4 of the Cine-Workers and Cinema Theatre Workers (Regulation of Employment) Act, 1981, (50 of 1981), the Central Government hereby appoints the Officers of the Government of Orissa mentioned in Column (1) of the Table below, to be Conciliation Officers for the purposes of the said Act, for the area specified in the corresponding entry in Column (2) of the said Table

Designation of the Officer	Area
(1)	(2)
1. District Labour Officer, Cuttack.	Cuttack District.
2. District Labour Officer (Puri), Bhubaneswar.	Puri Revenue District.
3. District Labour Officer, Mayurbhanj, Baripada.	Mayurbhanj District.
4. District Labour Officer, Rourkela.	Sundargarh District.
5. District Labour Officer, Sambalpur.	Sambalpur District.
6. District Labour Officer, Balasore.	Balasore District except Bhadrak Sub-Division.
7. District Labour Officer, Keonjhar.	Keonjhar District.
8. District Labour Officer, Dhenkanal.	Dhenkanal District.
9. District Labour Officer, Ganjam.	Ganjam District.
10. District Labour Officer, Phulbani.	Phulbani District.
11. District Labour Officer, Koraput, Jeypore.	Koraput District except Rayagada and Gunupur Sub-Divisions.
12. District Labour Officer, Kalahandi, Bhanupatna.	Kalahandi District.
13. District Labour Officer, Bolangir.	Bolangir District.
14. District Labour Officer, Bhadrak.	Sub-Division of Bhadrak of Balasore District.
15. District Labour Officer, Rayagada.	Sub-Divisions of Rayagada and Gunupur of Koraput District.

[No. S-61011/1/87-D. 1(A)(i)]

का. अ. 1651—सिनेम कर्मकार और सिनेमा थियेटर कर्मकार (नियोजन का विनियमन) अधिनियम, 1981 (1981 का 50) की धारा 2 के खंड (घ) के अनुसरण में, केन्द्रीय सरकार, निम्नलिखित सारणी के कालम (1) में उल्लिखित उद्देश्य सरकार के अधिकारियों को उक्त सारणी के कालम (2) में की गई संगण प्रविष्टि में विनिर्दिष्ट क्षेत्र के लिए उक्त अधिनियम के अधीन सक्षम प्राधिकारी के रूप में कार्य करने के लिए प्राधिकृत करती है :-

सारणी	
अधिकारी का पदनाम	क्षेत्र
1. उप श्रम, यन्त्र, भुवनेश्वर	समस्त राज्य
2. मुख्य यन्त्र, भुवनेश्वर	समस्त राज्य

[संख्या एस. 61011/1/87 डी 1 (ए) (ii)]

S.O. 1651.—In pursuance of Clause (d) of Section 2 of the Cine-Workers and Cinema Theatre (Workers Regulation of Employment) Act, 1981 (50 of 1981), the Central Government hereby authorises the Officers of the Government of Orissa mentioned in Column (1) of the Table, to perform the

functions of the Competent Authority under the said Act for the area specified in the corresponding entry in Column (2) of the said Table :

TABLE

Designation of the Officer	Area
1	2
1. Labour Commissioner, Bhubaneswar.	Whole of the State
2. Deputy Labour Commissioner, Headquarters Office, Bhubaneswar.	Whole of the State

[No. S-61011/1/87-D.I(A)(ii)]

नई दिल्ली, 15 जून, 1987

का. भा. 1652.—केन्द्रीय सरकार ने यह समाधान हो जाने पर कि लोकहित में ऐसा करना अपेक्षित था औद्योगिक विवाद अधिनियम, 1947 (1947 का 14) की धारा 2 के खंड (ड) के उपखंड (vi) के उपबन्धों के अनुसरण में, भारत सरकार के श्रम मंत्रालय की अधिसूचना संख्या का. भा. 40 दिनांक 17 दिसम्बर, 1986 द्वारा सीमेंट उद्योग को उक्त अधिनियम के प्रयोजनों के लिए 19 दिसम्बर, 1986 से छह मास की कालावधि के लिए लोक उपयोगी सेवा घोषित किया था,

और केन्द्रीय सरकार की राय है कि लोकहित में उक्त कालावधि को छह मास की और कालावधि के लिए बढ़ाया जाना अपेक्षित है ;

अतः अब, औद्योगिक विवाद अधिनियम, 1947 (1947 का 14) की धारा 2 के खंड (ड) के उपखंड (vi) के परन्तुक द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए, केन्द्रीय सरकार उक्त उद्योग को उक्त अधिनियम के प्रयोजनों के लिए 19 जून, 1987 से छह मास की और कालावधि के लिए लोक उपयोगी सेवा घोषित करती है ।

[फाइल संख्या-ए-11017/13/85-डी-1 (ए)]

नन्द लाल, अवर सचिव

New Delhi, the 15th June, 1987

S.O. 1652.—Whereas the Central Government having been satisfied that the public interest so required had, in pursuance of the provision of sub-clause (vi) of clause (n) of section 2 of the Industrial Disputes Act, 1947 (14 of 1947), declared by the Notification of the Government of India in the Ministry of Labour S.O. No. 40 dated the 17th December, 1986 the Cement Industry to be a public utility service for the purposes of the said Act, for a period of six months, from the 19th December, 1986.

And, whereas the Central Government is of opinion that public interest requires the extension of the said period by a further period of six months;

Now, therefore, in exercise of the powers conferred by the proviso to sub-clause (vi) of clause (n) of section 2 of the Industrial Disputes Act, 1947 (14 of 1947), the Central Government hereby declares the said industry to be a public utility service for the purposes of the said Act, for a further period of six months from the 19th June, 1987.

[No. S-11017/13/85 D.I(A)]

NAND LAL, Under Secy.

नई दिल्ली, 11 जून 1987

का. भा. 1653.—चूनापत्थर और डोलोमाइट खान श्रम कल्याण निधि अधिनियम, 1973 के नियम 3 के नियम (1) के साथ पठित चूनापत्थर और डोलोमाइट खान श्रम कल्याण निधि अधिनियम, 1972 (1972 का 62) की धारा 7 द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग

करते हुए, केन्द्रीय सरकार, 25 जनवरी, 1986 को भारत के राजपत्र भाग II, खंड 3, उप खंड (ii) में पृष्ठ 299 से 301 पर प्रकाशित भारत सरकार के श्रम मंत्रालय की तारीख 15 जनवरी, 1986 की अधिसूचना संख्या का. भा. 262 में निम्नलिखित संशोधन करती है :-

उक्त अधिसूचना में क्रमांक. 31 तथा उससे संबंधित प्रविष्टि के लिए निम्नलिखित प्रतिस्थापित किया जाएगा, अर्थात् :-

31. श्री पी. के. गौतम,
परियोजना प्रबन्धक (एल. एस.),
राजस्थान राज्य खनिज विकास निगम लि.,
10/607, हाऊसिंग बोर्ड,
चोपासानी योजना, जोधपुर ।

[संख्या यू-23011/2/84-डब्ल्यू-II(सी)]

एस. एस. भल्ला, अवर सचिव

New Delhi, the 11th June, 1987

S.O. 1653.—In exercise of the powers conferred by Section 7 of the Limestone and Dolomite Mines Labour Welfare Fund Act, 1972 (62 of 1972) read with sub-rule (1) of the rule 3 of the Limestone and Dolomite Mines Labour Welfare Fund Rules, 1973, the Central Government hereby makes the following amendment in notification of Government of India in the Ministry of Labour S.O. No. 262 dated 15th January, 1986, published at page 299 to 301 of the Gazette of India, Part II, Section 3, sub-section (ii) dated the 25th January, 1986, namely :-

In the said notification, for S. No. 31 and entry relating thereto the following shall be substituted namely :-

31. Shri P. K. Gautam,
Project Manager (LS)
Rajasthan State Mineral Development
Corporation Limited,
10/607, Housing Board,
Chopasani Scheme, Jodhpur.

[No. U-23011/2/84-W.II(C)]

S. S. BHALLA, Under Secy.

का. भा. 1654.—केन्द्रीय सरकार, कर्मचारी राज्य बीमा अधिनियम, 1948 (1948 का 34) की धारा 91क के साथ पठित धारा 88 द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए मैसर्स इन्सट्रूमेंटेशन लिमिटेड कोटा राजस्थान के नियमित कर्मचारियों को उक्त अधिनियम के प्रवर्तन से पहली अक्टूबर, 1985 से 30 सितम्बर, 1987 तक जिसमें यह तारीख भी सम्मिलित है, की अवधि के लिए छूट देती है ।

उक्त छूट निम्नलिखित शर्तों के अधीन है, अर्थात् :-

- (1) पूर्वोक्त कारखाना, जिसमें कर्मचारी नियोजित हैं, एक रजिस्टर रखेगा, जिसमें छूट प्राप्त कर्मचारियों के नाम और पदाभिधान दर्शाए जायेंगे ।
- (2) इस छूट के होते हुए भी, कर्मचारी उक्त अधिनियम के अधीन ऐसी प्रमुखियाएँ प्राप्त करते रहेंगे, जिनको पाने के लिए वे इस अधिसूचना द्वारा दी गई छूट के प्रवृत्त होने की तारीख से पूर्व संदत्त अभिवायों के आधार पर हकदार हो जाते ;
- (3) छूट प्राप्त अवधि के लिए यदि कोई अभिवाय पहले ही सदत् किए, जा चुके हैं तो वे वापस नहीं किए जाएंगे ;
- (4) उक्त कारखाने का नियोजक उस अवधि की बावत जिसके दौरान उस कारखाने पर उक्त अधिनियम प्रवृत्त था (जिसे हमसे हमके पश्चात् उक्त अवधि कहा गया है) ऐसी विवरणियाँ तैयार करके और ऐसी विनिर्दिष्टों सहित देगा जो कर्मचारी राज्य बीमा (माश्रारण) विनियम, 1900 के अधीन उसे उक्त अवधि की बावत देनी थी ;

(5) निगम द्वारा उक्त अधिनियम की धारा 45 की उपधारा (1) के अधीन नियुक्त किया गया कोई निरीक्षक या इस निमित्त प्राधिकृत निगम का कोई अन्य पदधारी —

- (1) धारा 44 की उपधारा (1) के अधीन, उक्त अवधि की वास्तव दी गई किसी विवरणी की विशिष्टियों को सत्यापित करने के प्रयोजनों के लिए, या
- (2) यह अभिनिश्चित करने के प्रयोजनों के लिए कि कर्मचारी राज्य बीमा (साधारण) विनियम, 1950 द्वारा यथा अपेक्षित, रजिस्टर और अभिलेख उक्त अवधि के लिए रखे गए थे या नहीं, या
- (3) यह अभिनिश्चित करने के प्रयोजनों के लिए कि कर्मचारी, नियोजक द्वारा दी गई उन प्रसुविधाओं को, जो ऐसी प्रसुविधाएँ हैं जिनके प्रतिफलस्वरूप इस अधिसूचना के अधीन छूट दी जा रही है, नकद और वस्तु रूप में पाने का हकदार बना हुआ है या नहीं, या
- (4) यह अभिनिश्चित करने के प्रयोजनों के लिए कि उस अवधि के दौरान, जब उक्त कारखाने के संबंध में अधिनियम के उपबंध प्रवृत्त थे, ऐसे किन्हीं उपबन्धों का अनुपालन किया गया था या नहीं,

निम्नलिखित कार्य करने के लिए सशक्त होगा—

- (क) प्रधान नियोजक या अव्यवहित नियोजक से यह अपेक्षा करना कि वह उसे ऐसी जानकारी दे जो वह आवश्यक समझे ; या
- (ख) ऐसे प्रधान नियोजक या अव्यवहित नियोजक के अधिभोग में के कारखाने, स्थापन, कार्यालय या अन्य परिसर में किसी भी उचित समय पर प्रवेश करना और उसके भारसाधक व्यक्ति से यह अपेक्षा करना कि वह व्यक्तियों के नियोजन और मजदूरी के संदाय से संबंधित ऐसी लेखाबहियाँ और अन्य दस्तावेज, ऐसे निरीक्षक, या अन्य पदधारी के समक्ष प्रस्तुत करें और उनकी परीक्षा करने दे या वह उसे ऐसी जानकारी दे जो वह आवश्यक समझे ; या
- (ग) प्रधान नियोजक या अव्यवहित नियोजक को, उसके अधिकृत या सेवक की या ऐसे किसी व्यक्ति की जो ऐसे कारखाने स्थापन, कार्यालय या अन्य परिसर में पाया जाए, या ऐसे किसी व्यक्ति की जिसके बारे में उक्त निरीक्षक या अन्य पदधारी, के पास यह विश्वास करने का युक्तियुक्त कारण है कि वह कर्मचारी है, परीक्षा करना ; या
- (घ) ऐसे कारखाने, स्थापन, कार्यालय या अन्य परिसर में रखे गए किसी रजिस्टर, लेखाबही या अन्य दस्तावेज की नकल करना या उससे उद्धरण देना ।

[एस. 38014/30/86—एस. एस. -I]

ए. के. भट्टारai, अवर सचिव

स्पष्टीकरण

इस मामले में छूट को भूतलक्षी प्रभाव देना आवश्यक हो गया है क्योंकि छूट के आवेदन पर कार्यवाही करने में समय लगा था । किन्तु यह प्रमाणित किया जाता है कि छूट को भूतलक्षी प्रभाव देने से किसी भी व्यक्ति के हित पर प्रतिकूल प्रभाव नहीं पड़ेगा ।

S.O. 1654.—In exercise of the powers conferred by section 88 read with section 91A of the Employees' State Insurance Act, 1948 (34 of 1948), the Central Government hereby exempts the regular employees of M/s. Instrumentation Limited, Kota, Rajasthan from the operation of the said Act for a period with effect from 1st July, 1985 upto and inclusive of the 30th September, 1987.

The above exemption is subject to the following conditions, namely:—

- (1) The aforesaid factory wherein the employees are employed shall maintain a register showing the names and designations of the exempted employees;
- (2) Notwithstanding this exemption, the employees shall continue to receive such benefits under the said Act to which they might have become entitled to on the basis of the contributions paid prior to the date from which exemption granted by this notification operates;
- (3) The contributions for the exempted period, if already paid, shall not be refunded;
- (4) The employer of the said factory shall submit in respect of the period during which that factory was subject to the operation of the said Act, hereinafter referred to as the said period, such returns in such form and containing such particulars as were due from it in respect of the said period under the Employees' State Insurance (General) Regulations, 1950;
- (5) Any inspector appointed by the Corporation under sub-section (1) of section 45 of the said Act, or other official of the Corporation authorised in this behalf shall, for the purposes of—
 - (i) verifying the particulars contained in any return submitted under sub-section (1) of section 44 for the said period; or
 - (ii) ascertaining whether registers and records were maintained as required by the Employees' State Insurance (General) Regulations, 1950 for the said period; or
 - (iii) ascertaining whether the employees continue to be entitled to benefits provided by the employer in cash and kind being benefits in consideration of which exemption is being granted under this notification; or
 - (iv) ascertaining whether any of the provisions of the Act had been complied with during the period when such provisions were in force in relation to the said factory be empowered to—
 - (a) require the principal or immediate employer to furnish to him such information as he may consider necessary; or
 - (b) enter any factory, establishment, office or other premises occupied by such principal or immediate employer at any reasonable time and require any person found in charge thereof to produce to such inspector or other official and allow him to examine such accounts books and other documents relating to the employment of persons and payment of wages or to furnish to him such information as he may consider necessary; or
 - (c) examine the principal or immediate employer, his agent or servant, or any person found in such factory, establishment, office or other premises or any person whom the said inspector or other official has reasonable cause to believe to have been an employee; or
 - (d) make copies of or take extracts from, any register, account book or other document maintained in such factory, establishment, office or other premises.

[S-38014/30/86-SS I]

A. K. BHATTARAI, Under Secy.

EXPLANATORY MEMORANDUM

It has become necessary to give retrospective effect to the exemption in this case as the application for exemption was received late. However, it is certified that the grant of exemption with retrospective effect will not affect the interest of anybody adversely.

नई दिल्ली, 16 जून, 1987

का. घा. 1655.—औद्योगिक विवाद अधिनियम, 1947 (1947 का 14) की धारा 17 के अनुसरण में, केन्द्रीय सरकार, नेशनल इन्सुरन्स कम्पनी और उनके कर्मकारों के संबंधित से सम्बद्ध नियोजकों और उनके कर्मकारों के बीच, अनुबंध में निहित औद्योगिक विवाद में केन्द्रीय सरकार औद्योगिक अधिकरण चण्डीगढ़ के पंचाट को प्रकाशित करती है, जो केन्द्रीय सरकार को 2 जून, 1987 को प्राप्त हुआ था।

S.O. 1655.—In pursuance of section 17 of the Industrial Disputes Act, 1947 (14 of 1947) the Central Government Industrial Tribunal, Chandigarh as shown in the Annexure in the Industrial Dispute between the employers in relation to the management of National Insurance Co. and their workmen, which was received by the Central Government on the 2nd June 1987.

BEFORE SHRI M.K. BANSAL, PRESIDING OFFICER
CENTRAL GOVT. INDUSTRIAL TRIBUNAL-CUM-
LABOUR COUR, CHANDIGARH

Case No. I. D. 24/87

PARTIES :

Employers in relation to the management of National Insurance Co.

AND

Their workman : Tilak Raj.

For the Employers : None.

For the workman : None.

INDUSTRY : Insurance Co.

STATE : Punjab

AWARD

Dated 26th of May, 1987

Vide notification No. I-17012/19/86-D. IV(A) dated 16th April, 1987 Ministry of Labour referred the following industrial dispute between the National Insurance Co. and their workman Tilak Raj for decision to this Tribunal which is as under :

"Whether the action of the management of National Insurance Co. Ltd. in terminating the services of Shri Tilak Raj, Sub-staff employed at its railway road, Ropar Branch w.e.f. 4-7-1984 is just and legal? If not, to what relief is the workman entitled and from what date?"

2. The facts giving rise to the above reference need not be reproduced because letter was received from National Insurance Co. alongwith signed letter of workman Tilak Raj which is as under :

"It is submitted that I had already got appointment from National Insurance Co. Ltd. as sub staff at their Branch office at Ropar w.e.f. 8-12-1986 and as such I had withdrawn my case from your Hon' court vide my letter dated 8-12-1986 copy of which is enclosed for your reference."

3. From the above it is evident that workman has withdrawn the reference so the reference is decided against the workman having been withdrawn. Reference returned accordingly.

Chandigarh.
26-5-1987

M. K. BANSAL, Presiding Officer,
Central Govt. Industrial Tribunal-cum-Labour
Court, Chandigarh

[No. I-17012/18/86-D. IV(A)]
K. J. DYVA PRASAD, Desk Officer

का. घा. 1656.—औद्योगिक विवाद अधिनियम, 1947 (1947 का 14) की धारा 17 के अनुसरण में, केन्द्रीय सरकार व जामादेवा कोलियरी मैनेजर्स टिस्को (जि. धनबाद) के संबंधित से सम्बद्ध नियोजकों और उनके कर्मकारों के बीच, अनुबंध में निहित औद्योगिक विवाद में केन्द्रीय सरकार औद्योगिक अधिकरण, नं. 2 धनबाद, के पंचाट को प्रकाशित करती है, जो केन्द्रीय सरकार को 27 मई, 1987 को प्राप्त हुआ था।

[फाइन संख्या-एन-24012/39/85-डी. 4 (बी)]

S.O. 1656.—In pursuance of section 17 of the Industrial Disputes Act, 1947 (14 of 1947), the Central Government hereby publishes the award of the Central Government Industrial Tribunal, No. 2, Dhanbad as shown in the Annexure, in the industrial dispute between the employers in relation to the management of Jamadoba Colliery of M/s. Tata Iron & Steel Co. Ltd., PO Jamadoba (Dhanbad) and their workmen, which was received by the Central Government on the 27-5-87.

BEFORE THE CENTRAL GOVERNMENT INDUSTRIAL
TRIBUNAL (NO. 2) AT DHANBAD

PRESENT :

Shri I. N. Sinha, Presiding Officer.
Reference No. 105 of 1985

In the matter of industrial dispute under Section 10(1)(d) of the I. D. Act, 1947.

PARTIES :

Employers in relation to the management of Jamadoba Colliery of M/s. TISCO. Ltd. and their workmen.

APPEARANCES :

On behalf of the workmen : Shri B. N. Sharma, Joint General Secretary Janta Mazdoor Sangh.

On behalf of the employers : Shri S. N. Sinha, Asstt. Chief Personnel Manager (Central).

STATE : Bihar

INDUSTRY : Coal

Dated. Dhanbad, the 15th May, 1987

AWARD

The Government of India, Ministry of Labour in exercise of the powers conferred on them under Section 10(1)(d) of the I. D. Act, 1947 has referred the following dispute to this Tribunal for adjudication under Order No. I-24012(39)/85-D. IV(B), dated the 9th July, 1985.

THE SCHEDULE

"Whether the action of the management of Jamadoba Colliery of M/s. Tata Iron & Steel Co. Ltd., P.O. Jamadoba, Distt. Dhanbad in dismissing from service Shri A. K. Bose Greaser Helper from 1-8-1984 is justified? If not, to what relief the workman is entitled?"

The case of the workman is that the concerned workman Shri A. K. Bose was working as a Greaser Helper in Jamadoba colliery of M/s TISCO Ltd. He was first appointed as a Cat. I Mazdoor in Digwadih Colliery of TISCO with effect from 8-8-73 and since then he is in continuous employment till the date of dismissal with effect from 1-8-84. During the course of his employment he was upgraded in Cat. II, and was designated as Greaser Helper. Subsequently when the Sand Mechanisation Plant was transferred to the establishment of Jamadoba Colliery under the jurisdiction of Manager Operation, Jamadoba he started working in that department under the Manager (O) Jamadoba Colliery. The concerned

workman was served with a chargesheet No. 41/84 dt. 8/12-4-84 with an accusation of his long absence from duty. The concerned workman submitted his explanation to the chargesheet strongly refuting the charges. The concerned workman was dismissed from service by the letter dated 31-7-84 without holding any enquiry and establishing the charge against him by legal evidence. The ground of misconduct alleged against the concerned workman was false and fabricated. The management got annoyed and therefore actuated by motive of victimisation on account of extraneous reason, the management took a decision for the dismissal of the concerned workman from his service. The management did not even serve the letter of dismissal on the concerned workman. When the concerned workman came to know about it from other sources he approached the management and obtained carbon copy of his dismissal letter from the office of the Manager. Immediately thereafter the concerned workman submitted a written representation dt. 14-8-84 to the Director of Collieries, Tisco, Jamadoba with a copy to the ALC(C), Dhanbad. By another letter dated 26/29-10-84 addressed to the Directors of Collieries, Tisco, Jamadoba, the concerned workman demanded his reinstatement in service with full back wages as his dismissal was illegal and unjustified.

The concerned workman was serving as cat. II workman in the Sand Mechanisation plant of Jamadoba Colliery, he was arbitrarily and maliciously transferred to work underground as Greaser Helper. The transfer order was made with a motive of victimisation and causing harassment to him. The said order of transfer was in breach of condition of service as laid down in the certified standing orders of the company. An industrial dispute was raised before the ALC(C), Dhanbad, in order to prevent illegal action if the management from transferring the concerned workman from surface to the underground in breach of the condition of service. The said dispute became redundant because of the subsequent dismissal of the concerned workman from service. The concerned workman was a Mukhiya of South Digwadih Gram Panchayat which post he is still holding. In the capacity of a Mukhiya he had taken strong action in preventing encroachment of Government/public land by the officers of the management of Tisco. The management of Tisco, by encroaching upon the land namely Plot No. 3107 constructed building on it. Thereafter the management against forcibly erected walls and covered it with iron grills and closed the entrants of the local temple and got the concerned workman arrested on 20-6-85 during Id Holiday so that the concerned workman may not be released on bail when the Court was closed for Id Holiday. The concerned workman as Mukhiya was protecting the interest of the villagers which was not liked by the management and as such the management took a drastic action of dismissal of the concerned workman from service. The concerned workman was an active member of Janta Mazdoor Sangh which was disliked by the management. On the above plea it has been proved that the concerned workman be reinstated in service with full back wages and all consequential benefits from the date of dismissal to the date of his reinstatement in the service.

The case of the management is that the concerned workman was employed as General Mazdoor in Cat. I on 8-3-83. After he had gained experience he was considered for his promotion from Cat. I to Cat. II. He was promoted to the post of Greaser Helper in Cat. II with effect from 21-1-75 and was placed in Sand Mechanisation plant situated on the surface. The said Sand Mechanisation Plant (S.M. Plant for brevity) was transferred to Jamadoba Colliery in the year 1978 for administrative reason and thereafter the concerned workman came under the jurisdiction of Jamadoba Colliery. The Sand Mechanisation Plant is directly under the charge of Asstt. Engineer, Manager (Engineering) is the incharge of the management, control direction and supervision of all the engineering plants and machines situated within the precincts and premises of Jamadoba Colliery. The Senior Colliery Engineer is incharge of all the plants of machineries directly under the Colliery Manager and works as Engineer under Regulation 33 of the Coal Mines Regulation 1957. Thus the Senior Colliery Engineer is under the management, control direction and supervision of the Manager of Colliery as well as the Manager (Eng.) The Manager (Engineering) by his letter dt. 9/9-2-84 placed the

concerned workman under the control of Sr. Colliery Engineer after transferring him from Sand, Mechanisation Plant under the charge of Asstt. Engineer, S.M. Plant. The S.M. Plant is an independent engineering plant directly under the Asstt. Engineer who works under the management control direction and supervision of Manager (Engineering). The concerned workman after his transfer to the colliery under the Senior Colliery Engineer was deputed by a letter dt. 16-3-84 at the Vocational Training Centre under the charge of Manager (V.T.) for receiving training to make him unfit to work as Cat. II Mazdoor and in any of the other job of higher category if he would be promoted while working as Greaser helper in Cat. II. The concerned workman did not report for training at the V.T.C. in compliance with the instructions issued to him by the letter dated 16-3-84 and since then the concerned workman started absents from his duties. The concerned workman submitted a representation dt. 21-3-84 alleging that he had been transferred from S.M. plant to Jamadoba colliery as a measure of victimisation. The concerned workman was misguided by some persons and he avoided to report for his duties at Jamadoba Colliery and vocational Training at the vocational Training Centre, and he continued absenting from his duty from 16-3-84. The Manager Engineering by his letter dt. 20-8-84 clarified the points raised by the concerned workman by his letter dt. 23-3-84 where it was specifically mentioned that the transfer of a workman from one place to another in the same colliery or a different colliery is the right of the management and no workman can challenge the transfer order. It was also explained to him that his transfer from S.M. Plant is within the condition of service and he did not change the condition of service of the concerned workman. The concerned workman was directed to report for duty and to take training at the V.T. Centre and it was stated therein that in case the concerned workman failed to report to the Manager, V.T. it would be construed that he was not interested for his job. The matter of transfer and absence of the concerned workman from duty from 16-3-84 was put up before the Agent. The Agent, instructed the Manager to initial disciplinary action against the concerned workman by his letter dt. 5-4-84. The concerned workman was issued with a chargesheet dt. 8/12-4-84 for his unauthorised absence from 16-3-84 till the date of issue of the said letter. The concerned workman submitted his reply dt. 8/9-5-84. He did not submit any justifiable reason for his absence from his duty and he pleaded that he was aggrieved on account of his transfer from S.M. plant to the colliery and was thereby remaining absent from his duty. The explanation of the concerned workman showed that he had the right not to work at any place other than S.M. Plant and he could remain absent from his duties at his own discretion. Absence from duty for more than 10 days continuously is considered to be a serious misconduct under the Certified Standing Orders for which a workman is liable to be dismissed from service. The concerned workman was issued a letter of enquiry dated 10-5-84 on 25-5-84 by his local address through Peon Book and his village address through Regd. post with A/D. The said notice remained undelivered to the concerned workman. Thereafter the management got pasted a copy of the notice on the notice board and took necessary steps to get another copy of the notice published in the local newspaper "Daily Janmat". The said notice of enquiry was published in the local News paper of 20-5-84. The concerned workman did not attend the enquiry fixed on 25-5-84 and thereafter the enquiry officer conducted the enquiry ex parte against the concerned workman. The charges levelled against the concerned workman were duly established and the matter was examined at various level and then he was dismissed from service with effect from 1-8-84 vide letter dt. 31-8-84 by the Competent authority. The action of the management in dismissing the concerned workman from service with effect from 1-8-84 is legal justified and in accordance with the provision of the Certified Standing orders.

The management had earlier submitted that as the concerned workman has been dismissed from service for misconduct after holding a domestic enquiry into the charge framed against the concerned workman, it may first be decided as a preliminary issue whether the domestic enquiry held against the concerned workman was fair proper and in accordance with the principles of natural justice. The workmen also had raised the issue that the enquiry was

not fair, proper and in accordance with the principles of natural justice. Accordingly the preliminary issue was taken up first for decision whether the domestic enquiry held against the concerned workman into the charges framed against him was fair, proper and in accordance with the principles of natural justice. The parties adduced evidence and documents. After consideration of the entire materials this Tribunal by its order dt. 23-12-85 held that the domestic enquiry held against the concerned workman into the charges framed against him was not fair, proper and in accordance with the principles of natural justice and the management was allowed to adduce evidence afresh before this Tribunal to establish charges against the concerned workman.

The management examined four witnesses and the workmen examined one witness to establish their respective case. The documents of the management are Ext. M-1 to M-18 and the documents of the workmen are marked as Ext. W-1 to W-16 in the case.

The point for consideration is whether the concerned workman is guilty for misconduct by remaining continuously absent without permission and without satisfactory cause for more than 10 days under Clause 19(16) of the certified Standing Orders of the Tisco.

Some facts are admitted in the case. Admittedly the concerned workman was first appointed as Cat. I Mazdoor in Digwadih Colliery of Tisco. on 8-8-73 and that he was promoted to Cat. II as Greaser Helper with effect from 21-1-75 it is also admitted that the concerned workman was placed in the S.M. Plant situated on the surface and after the transfer of the said S.M. plant to Jamadoba Colliery the concerned workman came under the jurisdiction of Jamadoba Colliery. The fact of absence of the concerned workman with effect from 16-3-84 till the date of dismissal is not denied by the concerned workman. It appears from the pleading of the workmen that the concerned workman had been transferred from S. M. plant to Jamadoba colliery in the underground as Greaser Helper as a measure of victimisation as the transfer from the surface to the underground was in breach of the condition of service as laid down in the Certified Standing Orders of the Company.

WW-1 Shri Antukul Bose is the concerned workman. He has stated that he was working as a Greaser Helper in Jamadoba S. M. plant which is on the surface. He has further stated that he was released from the S.M. plant and was transferred to Jamadoba colliery to work in the underground mine and that when he went to Jamadoba colliery he was not allowed to join his duty and he was told that he will be allowed to join only when he passes the Vocational Training although he had passed the V. T. when he was working in the S. M. plant. It will further appear from the evidence of WW-1 that the concern workman was falsely chargesheeted because of dispute between the concerned workman and the management. He has also stated that the management has started forcing him to work underground at Jamadoba on his transfer to that place. At para-5 of his cross-examination WW-1 has stated that if he had been allowed to join, he would have joined on the surface and would not have joined in the underground mine. It is clear therefore that he was adamant not to join on his transfer in the underground mine of Jamadoba colliery. He has further clarified the matter by stating that he did not report for duty on his transfer and absented. He has stated that his attendance was not marked after his transfer and he did not give any petition for leave in writing to the Manager of Jamadoba colliery. Ext. M-10 is the Attendance Register which shows that the concerned workman was absenting from 16-3-84 and had not attended his duties thereafter till the date of his dismissal. MW-2 Shri Harendra Choudhary is working as Sr. Engineer at Jamadoba Colliery. He has stated that he was incharge of all the equipment relating to the Coal Mining operation of Jamadoba colliery including underground and surface. He has further stated that the concerned workman from S. M. Plant was placed under him as Greaser Helper but the concerned workman did not report for work to him and therefore he reported the matter to the Manager, Engineering and Manager operation and also enquired from the Asstt. Engineer Incharge S.M. Plant from whom he learnt that the concerned workman was not attending his duties even at his place. It is thus clear that the concerned workman had

absented from duty since 16-3-84 continuously for over 10 days.

Next question to be determined in this case is whether the said absence of the concerned workman was without satisfactory cause. Admittedly the concerned workman had not filed any petition for his absence from 16-3-84. His case is that he absented from his duties with effect from 16-3-84 as he was transferred from the surface of S.M. Plant to the underground mine of Jamadoba Colliery which was against the condition of his service. Thus the explanation of absence of the concerned workman is that the management was not justified in transferring the concerned workman from service of S.M. Plant to the underground mine of Jamadoba colliery. Clause 18 of the certified standing orders of Tiso, which is Ext. M-9 in this case will show as follows :—

“All workmen are liable to be transferred from one department to another or from one station to another or from one colliery to another under the same management provided such transfer does not cause any prejudice to their wages and other condition of service and provided that reasonable notice is given of such transfer.”

It will thus be clear that the management was within their authority to transfer a workman from one department to another under the same management. The management therefore can transfer a workman from the service of S.M. Plant to the underground mine of Jamadoba colliery and the management's order of transfer was within the frame work of the Standing Orders. The question next to be examined in accordance with Clause 18 of the Standing Orders is whether the said transfer has caused any prejudice to the wages and other conditions of service and whether reasonable notice was given of such a transfer by the management to the concerned workman. Admittedly the said transfer of the concerned workman did not cause any prejudice to his wages and it will appear from the W.S. of the management that the concerned workman would have received underground allowance for working in the underground. I do not notice any prejudice to the concerned workman regarding any other duties of his service in the said transfer from S.M. plant to the underground mine of Jamadoba Colliery.

It will further appear from the W.S. of the workmen that he was first employed as Cat. I Mazdoor in Digwadih Colliery of Tisco. It has not been stated that he was working on the surface of Digwadih Colliery when he was employed as a Cat. I Mazdoor. The management has examined MW-4 Shri A. M. Choubey Subordinate Mining Engineer in Jamadoba Colliery. He had joined Tisco in 1956 in Digwadih Colliery and became Overman in Digwadih Colliery in 1963 and had worked there till August, 1985. He has stated that he knew the concerned workman since 1973 as the concerned workman was working in Digwadih Colliery as Cat. I Mazdoor. He has further stated that he was working in the underground as Overman and the concerned workman was working under him in the underground as Cat. I Mazdoor for about 1 and half year. There is no reason for this witness to depose falsely. Ext. M-11 is the service record of the concerned workman to show that he was appointed as Cat. I Mazdoor in Digwadih Colliery. WW-1 has no doubt denied that he had worked in the underground as Cat. I Mazdoor but has not specifically stated that he was working on the surface as Cat. I Mazdoor in Digwadih Colliery. The evidence of MW-4 coupled with the entries in Ex. M-11. Shows that the concerned workman had in fact worked in Digwadih Colliery in the underground. The management has laid this evidence in order to show that the workmen could be transferred from the underground to the surface and from surface to the underground mine. In accordance with the clause 18 of the Certified Standing Orders of the Company it appears that a workman can be transferred from underground to the surface and from the surface to the underground mine provided the workman is not prejudiced in respect of wages and other conditions of service. I have already discussed above that by mere transfer in the underground the concerned workman will not be prejudiced in his wages and in fact he would be getting more for working underground by way of underground allowance. I hold therefore that the transfer of the concerned workman from S. M. plant on the surface to the underground mine of Jamadoba colliery did not prejudice the concerned workman in the conditions of his service and wages.

It is submitted that the concerned workman was not given reasonable notice of his transfer from surface S.M. Plant to Jamadoba Colliery underground. In para-5 of the W.S. of the management it is stated that the S.M. Plant is directly under the charge of Asstt. Engineer and the Manager, Engineering is Incharge of the management control direction and supervision of all the engineering plant and machine situated within the premises of Jamadoba colliery besides other collieries of Jamadoba Group. It appears therefore that S.M. Plant was in the premises of Jamadoba Colliery and the concerned workman was being transferred from S.M. Plant to Jamadoba colliery within the same premises. The concerned workman was placed after transfer from S.M. plant to Jamadoba Colliery by order dated 8/9-2-84. There is no evidence of WW-1 to show that he was not given reasonable notice of the transfer. He had been asked to join V. T. but he neither joined Vocational Training nor reported for his duty in Jamadoba Colliery and absented with effect from 16-3-84. There is absolutely no case of the workmen that the concerned workman had not been given reasonable notice to join Jamadoba Colliery after the order of transfer. Moreover, the S. M. Plant and Jamadoba Colliery being in the same premises it did not require enough of notice to join there and the concerned workman could have joined on the next day of the order of transfer as the S. M. Plant and the colliery were in the same premises. I hold therefore that the concerned workman had reasonable notice of the transfer so as to give sufficient time to join jamadoba colliery after his transfer from S. M. Plant.

The explanation of the concerned workman as given in Ext. M-2 and his W.S. that his transfer from the surface of S.M. plant to the underground mine of Jamadoba colliery was against the condition of service and therefore he was justified in not joining Jamadoba Colliery is not supported by the Clause 18 of the Certified Standing Orders of the Company.

I have already discussed above that the concerned workman had absented with effect from 16-3-84 without permission for more than 10 days. A vain attempt was made on behalf of the workmen to show that the concerned workman had reported for duty on his transfer at Jamadoba Colliery but he was not allowed to join. The evidence of MW-2 and MW-3 will show that the concerned workman had not reported for duty. No suggestion was made to those management witnesses that the concerned workman had reported for duty. There is also no evidence either written or oral in support of the fact that the concerned workman had reported for duty on 16-3-84 at Jamadoba Colliery and he was refused to join by the management. It is clear therefore that no satisfactory explanation has been given to show the justification of the absence of the concerned workman from duty with effect from 16-3-84 for over 10 days. The case of the concerned workman therefore is covered under clause 19(16) of the Certified Standing Orders of the Company. Continuous absence without permission and satisfactory cause for more than 10 days is a misconduct for which the management was justified in finding him guilty of misconduct under clause 19(16) of the Certified Standing Orders of the Company Ext. M-9. The workman have produced Ext. W-8 dt. 29-7-85, Ext. W-9 dt. 13-9-82, Ext. W-10 (Joint petition of the resident of Digwadih Gram Panchayet), Ext. W-11 dt. 16-12-82, Ext. W-12 dt. 24-1-83, Ext. W-13 dt. 17-5-85, Ext. W-14 dt. 15-5-85 to show that there was a proceeding under Section 144 Cr. Procedure Code on the petition of the villagers of Digwadih Gram Panchayet in respect of encroachment of public land by the management of Tisco. It will also appear that the concerned workman the Mukhiya of Digwadih Gram Panchayet and was a signatory to the public petition and had taken action against the management of Tisco. It is submitted on behalf of the concerned workman that due to the said land dispute between the management of Tisco and Villagers of Digwadih Gram Panchayet of which the concerned workman was the Mukhiya, the concerned workman was wrongly dismissed and has been victimised. The document no doubt show that there was a litigation for encroachment by the management on a plot of land which was being claimed by the villagers as a public land and the concerned workman as Mukhiya had taken steps against the management of Tisco. But the fact remains as to what explanation has been given by the workmen in respect of absence of the concerned workman from duty for over

10 days with effect from 16-3-84. The dispute was therein its own place which would not give any advantage to the concerned workman in respect of actual charge against him in respect of his absence and in my opinion the land dispute between the management and the villagers of Digwadih Gram Panchayet cannot be taken advantage of by the concerned workman to have a defence against the chargesheet of his absence with effect from 16-3-84.

It has been submitted on behalf of the concerned workman that the dismissal of the concerned workman for the alleged charge is too severe. It will appear that the concerned workman was under misapprehension that he cannot be transferred from surface to the underground mine but that did not give him a right to absent from duty. He ought to have joined on his transfer and made representation after joining but instead of doing that he became the sole arbitrator and refused to join the service. The absence by the concerned workman was a conscious affair. Even then it appears that the punishment of dismissal in respect of his absence without permission and any satisfactory explanation for over 10 days is too severe. The concerned workman is out of job from 16-3-84 and the non-payment of wages for the period from the date of his dismissal to the date of his joining may be a sufficient punishment for the alleged misconduct with a warning that the concerned workman should not in future absent himself without any application or sufficient clause.

In the result, I hold that the concerned workman is guilty of misconduct under clause 19(16) of the Certified Standing Orders of the Company but the order of dismissal of the concerned workman from service by the management is too severe and is not justified. In the ends of justice the non-payment of wages to the concerned workman from the date of his dismissal from 16-3-84 till the date of joining will be sufficient punishment to the concerned workman for the alleged misconduct. The management is therefore directed to reinstate the concerned workman within one month from the date of publication of this Award, but the concerned workman will not be entitled to any back wages from the date of his dismissal to the date of his joining but he will get the continuity of his service.

Award is passed Accordingly.

I. N. SINHA, Presiding Officer
Central Govt. Industrial Tribunal
(No. 2), Dhanbad.
[No. L-24012(39)/85-D. IV(B)]
R. K. GUPTA, Desk Officer

का. आ. 1657—औद्योगिक विवाद अधिनियम, 1947 (1947 का 14) की धारा 17 के अन्वय में, केन्द्रीय सरकार, साखड़ा बियाम मैनेजमेंट बोर्ड के प्रबंधन में सम्बद्ध नियोजकों और उनके कर्मचारों के बीच, अनुबंध में निश्चित औद्योगिक विवाद में केन्द्रीय सरकार औद्योगिक अधिकरण चण्डीगढ़ के पंचाट को प्रकाशित करती है, जो केन्द्रीय सरकार को 2-6-87 को प्राप्त हुआ था।

S.O. 1657.—In pursuance of section 17 of the Industrial Disputes Act, 1947 (14 of 1947) the Central Government hereby publishes the following award of the Central Government Industrial Tribunal, Chandigarh, in the industrial dispute between the employers in relation to the management of Bhakra Beas Management Board, and their workmen, which was received by the Central Government on the 2-6-87.

BEFORE SHRI M. K. BANSAL PRESIDING OFFICER,
CENTRAL GOVT., INDUSTRIAL TRIBUNAL-CUM-
LABOUR COURT, CHANDIGARH

Case No. I.D. 14/84

PARTIES :

Employers in relation to the management of Bhakra Beas Management Board, Nangal Township, Nangal.

AND

Their workman Om Parkash

APPEARANCES

For the employers—Shri C. Lal.

For the workman—Shri R. K. Singh.

INDUSTRY : BBMB

STATE : Punjab

AWARD

Dated the 21st May, 1987

Present reference under Section 10(1)(d) of the Industrial Disputes Act was received from the Central Govt. vide notification No. L-42012(49)/82-D.IV(A) dated 7th of May 1983 which is as under :—

Whether the action of the management of Bhakra Beas Management Board in recording date of birth of Shri Om Parkash Assistant Foreman Special as 16-8-1922 instead of 5-1-1925 is justified? If not, to what relief the workman is entitled?

2. The facts relevant are that workman joined the service in BBMB in workcharged capacity on 1-9-1947. According to workman his date of birth was recorded as 33 years by the management on their own without any basis. That in 1961 workman was called upon to give proof about his age and the workman produced the school leaving certificate wherein his date of birth is recorded as 5-1-1925. So workman alleged that he was entitled to retirement on 5-1-1985 on attaining age of 60 years. That he had been retired in 1982 taking his date of birth as to the year 1922. So he sought reference and the case was referred to this Court.

3. Management in their reply alleged that BBMB is not an industry so present reference is not tenable. That at the time of entry in service the workman submitted a declaration giving his age as 33 years in the month of August 1955. That declaration form was attested by a gazetted officer and witnessed by two persons. That date of birth as given in school leaving certificate was not accepted later on as it was not conformity with the declaration.

3. I have heard the parties and gone through the file. In the present case workman died during the pendency of the reference. His LRs namely Shanti Devi his widow has brought on the record vide order dated 17-4-1985. In support of the case on behalf of the workman only Shri R. K. Singh appeared as W1 and produced documents W1 to W8. On behalf of the management Mr. MM Tal MW1 appeared and also produced documents M1. On behalf of the workman to prove his date of birth reliance is being placed only on the school leaving certificate W4. This certificate is dated 21-1-81 and is issued by Govt. High School Posi. In the same the date of birth of Om Parkash is recorded as 5-1-1925. On the contrary on behalf of the management reliance is being placed on the declaration given by Om Parkash at the time when he joined the service. He declared his age to be 33 years at that time. He also detailed his experience at the back of this certificate. According to which he worked as fitter and Engine Driver in flour mills Posi for about three years from 1937 to 1940 and 1-1/2 year as Engine Driver in Dadu Flour Mill in the year 1941. Worked for 9 months as engine driver in Surjit Singh Mill Abdullapur. Worked in loco workshop Rawalpandi. This shows that this workman who claimed to have born in the year 1925 claimed to have worked as Engine Driver from 1937 to 1940 meaning thereby that he worked as Engine Driver and fitter in flour mills when he was at the age of 12 years which fact cannot be accepted. Boy of 12 years cannot work as engine driver being too young.

4. Once we come to the conclusion that the service date given by the workman is correct then question arises as to what is the value of the entry in school leaving certificate. In the present case School leaving certificate has not been proved. The person who got above entry made or basis on which above entry was made is not before the Court. The fact as to what is the value to be attached to the entry about date of Birth in school leaving certificate. There is an authority of their lordship of the Supreme Court reported as Brij Mohan Vs. Priya Varat Munshi AIR 1965 S.C. 282. In the above authority it was held that parents to get advantage in

later life of their ward generally get recorded less age. That entry in School leaving certificate are of little value. In the present case also the entries in School Leaving certificate about date of birth is of little value as basis on which it was made is not there. Even otherwise it is proved to be wrong by experience which workman alleged to have gained as Head Mistry from 1937 to 1940. So contention of the worker that his date of birth is 5-1-1925 cannot be accepted.

5. It has also been contended on behalf of the management that BBMB is not an industry. To this contention I do not agree. BBMB generates power and sell the same. It has irrigation wing also. All this shows that BBMB is an industry. So contention of the representative of the BBMB that BBMB is not an industry cannot be accepted.

6. It is also contended before me that workman has been retired during the conciliation proceedings so order of retirement is bad. To this contention I do not agree. It is True that during conciliation proceedings the conditions of service of the workman cannot be changed but question is quite different if workman is to retire on reaching the age of superannuation. In the present case workman has retired because he attained the superannuation age. So no fault can be found for this with the management.

7. For the reasons detailed above, the reference is answered in favour of the management and against the workman.

Changagarh.

21-5-87.

Sd/-

M. K. BANSAL, Presiding Officer

[No. L-42012(49)/82-D.II(B)]

HARI SINGH, Desk Officer

नई दिल्ली, 17 जून, 1987

का. आ. 1658.—औद्योगिक विवाद अधिनियम, 1947 (1947 का 14) की धारा 17 के अनुसरण में, केन्द्रीय सरकार, मैसर्स टी. ए. मजीद एण्ड कम्पनी प्राइवेट लि., इरावड्यूज़म, के प्रबंधन से सम्बद्ध नियोजकों और उनके कर्मचारों के बीच, अनुबंध में निदिष्ट औद्योगिक विवाद में औद्योगिक अधिकरण, एलप्पी (केरल) के पंचाट को प्रकाशित करती है, जो केन्द्रीय सरकार को 2-6-87 को प्राप्त हुआ था।

[संख्या एल.-14/1/86 कोन 2/डो 3 बी]

New Delhi, the 17th June, 1987

S.O. 1658.—In pursuance of section 17 of the Industrial Disputes Act 1947 (14 of 1947), the Central Government hereby publishes the award of the Industrial Tribunal Alleppy (Kerala) as shown in the Annexure in the industrial dispute between the employers in relation to the management of M/s. T. A. Majeed & Co. (P) Ltd., Ernakulam and their workmen, which was received by the Central Government on the 2nd June, 1987.

ANNEXURE

IN THE COURT OF THE INDUSTRIAL TRIBUNAL, ALLEPPY

PRESENT :

Shri K. Kanakachanuran, Industrial Tribunal.

Industrial Dispute No. 19/86

BETWEEN

The Managing Director, M/s. T. A. Majeed & Co. (P) Ltd., 37/436, Broadway, Ernakulam, Cochin-31

AND

K. P. Sivan, Kattarakuzhi House, Velloorkara, Putheneruz Ernakulam.

Representations :

By M/s. M. V. Joseph, A. V. Xavier & Jov Joseph, Advocate, Cochin-14—For Management

By M/s. A. X. Varghese, K. S. Madhusoodnan & T.P. Manilal Advocates, Cochin 1—For Workman.

AWARD

This industrial dispute is on a reference by Government of India under Sec. 10(2A)(1) of the Industrial Dispute Act. The issue referred for adjudication reads as follows :—

“Is the management of M/s. T. A. Majed & Co. Pvt. Ltd., Ernakulam justified in dismissing from service Shri K. P. Sivan, mine worker with effect from 14-8-1985. If not, to what relief the workman is entitled?”

2. Pursuant to the notice from this Tribunal although the workman entered appearance initially on 29-10-86, he was consistently absent then after. Though a lawyer filed vakalath on behalf of the workman, he also did not make his appearance. In that circumstance the workman was declared ex-parte and management was directed to file a statement. Before taking the dispute for award, once again notice was issued to the workman and the counsel separately stating the final disposal of the industrial dispute. On receipt of that notice, the workman again entered appearance through the counsel and filed statement on 14-1-1987. Because of these, about three months passed without transacting anything in the adjudication process.

3. On the question of validity of the enquiry, the enquiry officer could be examined only on 5-3-1987. A finding on the validity of the enquiry was rendered by this Court through a preliminary order on 26-3-1987. On the preliminary issue, it was held that the domestic enquiry was not vitiated in any manner. After that both parties were given opportunity to adduce additional evidence on the gravity of the punishment imposed. Although such an opportunity was given, neither side did not adduce any evidence. Therefore I am relying on the records contained in the enquiry file to arrive at a conclusion.

4. The management in this dispute is a Private Limited Company carrying on the business of mining. The workman concerned started his service under management in their mining division, Karimugal in the year 1980. It is stated that he was appointed in 1980 on a monthly salary of Rs. 300. He was given periodical increase later and thus his monthly salary was Rs. 395 in the year 1984. It is alleged that although request was made by the workman to include him in the ESI and Provident Fund schemes, nothing was done by the management.

5. The delinquent workman was served with a show cause notice on 29-2-1984 alleging that he stopped work by 4.30 P.M. on 23-2-1984 without waiting till 5 PM when his work would be over in the normal course. Another charge levelled against him was that on 24-2-1984 at about 10.15 AM he along with some other workers went to the office and abused Foreman, Mr. Haridas and threatened him with physical assault. That show cause notice was replied by the workman by a reply dated on 1-3-1984. He denied the allegations raised against him in that reply. Possibly, dissatisfied with the explanation, by a letter dated 7-5-84 the workman was informed that on N. G. Lekshmi Narayanan was appointed as the Enquiry Officer to conduct a full enquiry on the charges. On 8-5-1984 a fresh memo of charge was issued to the workman and that was also replied by him next day. In that an additional charge was also alleged. It is stated therein that he had threatened the Mine Foreman in the presence of lorry workers who were there for loading clay from the mine. After receiving the reply to that additional charge, the management suspended the workman from service with effect from 12-5-1984.

6. Since the workman raised objection against the conducting of enquiry by Sri Lekshmi Narayanan, the management decided to appoint another Enquiry Officer. By a letter dated 5-6-1984, the workman was informed about the appointment of Sri. Ranjith as a new Enquiry Officer.

7. The management had produced the entire enquiry files for the perusal of this Court. Even before the starting of the enquiry, on a complaint by Manager of the management company, the workman and another co-worker were detained by the police. The files show that the workman concerned and his colleague had filed a criminal Revision Petition before the High Court of Kerala praying grant of bail and that was not pressed later because it was informed the court that no police case was pending against the workmen.

8. On the first charge, after adducing evidence, the Enquiry Officer came to the conclusion that there was stoppage of work at 4.30 PM on 23-3-1984 by the workman without any reason and therefore the delinquent had committed the misconduct of stopping the work earlier. On the other hand the workman's contention is that there was no such stoppage of work as alleged and he worked till the usual time was over on that day.

9. To substantiate the allegation, the Enquiry Officer has quoted the deposition of MW1, the Foreman of the management company in the enquiry report. The deposition of Foreman, Haridas is given in page 3 of the report. It is in Malayalam and I shall give the verbatim translation hereunder:—

Deposition of MW1

“I was inside the factory when four workers went at 4.30 P.M. when they were going, Sivan and other workers were inside the mine. Then I saw the workers who were given permission to go at 4.30 P.M. went to the mine and were seen talking with the workers who were inside the mine. After their talk, no clay was taken out from the mine. When I reached the mine at about 5 P.M. only two basket full of clay were brought out. Then the bell rang. Then after all the workers went. Inside the mine Sivan was taking out the clay and one bazar was handing over the basket to the lady workers. By not taking the clay out from the mine, Sivan had stopped work”.

9*. From the above deposition, it is evident that the workman, Sivan was inside the mine till 5.00 P.M. and only four others went earlier at about 4.30 P.M. with the permission of the Foreman. In the deposition, the Foreman does not say that the delinquent had also gone along with four others at about 4.30 P.M. on 23-3-1984. Sivan was working inside the mine even after 4.30 when others had gone.

10. A categorical statement is forthcoming from MW1. The Foreman himself, that he had reached the mine only at 5.00 P.M. from the factory. No explanation is forthcoming from him why four workers were permitted to go earlier by 4.30 P.M. on that day when the delinquent and another workman were in the mine till 5.00 P.M. Even according to Foreman MW1, the delinquent was inside the mine till 5.00 P.M. It is also stated that when he reached the mine at 5.00 P.M. two basket full of clay was taken out by the delinquent from the mine. Therefore it is an inconceivable charge that the workman stopped work at 4.30 P.M. and instigated the other workers to go earlier. According to me, the first charge cannot stand.

11. Regarding the second and third charges namely the delinquent and other workers went inside the office next day at 10.15 and threatened the Foreman are not supported by any cogent evidence except the interested testimony of the witnesses appearing for the management. The fourth charge was that the workman quarrelled with other workers and kept out without doing any work. On that charge the Enquiry Officer himself found that the management failed to substantiate the charge. Compared to other charges, this charge is found to be more serious and on that Enquiry Officer found no evidence.

12. From the nature of evidence adduced in this case, it can be seen that the relationship between the delinquent and the Foreman was not good. In the explanation given by the workman it was stated that there was an incident when one workman Nazar was subject to severe treatment by Foreman and as a result of that he cried aloud and then his cause was espoused by the delinquent before the higher-ups. The management possibly wanted to frighten the other workers and to tame them. Disciplinary action might have been initiated against the delinquent with that object in view. Such a conclusion is supported by some other factors also. Although the alleged incident were on 23-2-1984 and 24-2-1984, the management issued the charges only on 7-5-84. The delinquent was suspended from service for the alleged offence then after only on 12-5-1984, immediately before the actual starting of the enquiry. What was the necessity for such a suspension on that day is not explained by the management. All these factors will lead to the conclusion that there was no bonafide on the part of the management. Therefore, I do not find any grave or serious misconduct on the part of the workman warranting punishment of dismissal from service. The findings arrived at by the Enquiry Officer are on erroneous facts

and evidence and therefore his finding can only be characterised as perverse.

In the result, I set aside the dismissal. The workman shall be reinstated in service with the benefit of continuity of service and half the backwages.

The award is passed in the above terms.

K. KANAKACHANDRAN, Industrial Tribunal,
Alleppey

APPENDIX

Witness examined on the side of the Management

MW1 : Shri B. Benjith Kumar

Witness examined on the side of the Workman.

—Nil—

Exhibits marked on the side of the Management

Lat. M1 : Report of Domestic Enquiry conducted against the workman.

Exhibits marked on the side of the Workman.

—Nil—

K. KANAKACHANDRAN, Industrial Tribunal,
Alleppey.

[No. L-14]186-Con II(D.II(B)]

का. प्रा. 1659.—औद्योगिक विवाद अधिनियम, 1947 (1947 का 14) की धारा 17 के अनुसरण में, केन्द्रीय सरकार, बैस्टन कोलफील्ड्स लिमिटेड, के प्रबंधन से सम्बद्ध नियोजकों और उनके कर्मचारों के बीच, अनुबंध में निहित औद्योगिक विवाद में केन्द्रीय सरकार औद्योगिक अधि-करण, जबलपुर के पंचाट को प्रकाशित करती है, जो केन्द्रीय सरकार को 2/6/87 को प्राप्त हुआ था।

S.O. 1659.—In pursuance of section 17 of the Industrial disputes Act, 1947 (14 of 1947), the Central Government hereby publishes the award of the Central Government Industrial Tribunal Jabalpur, as shown in the Annexure, in the industrial dispute between the employers in relation to the management of Western Coal Fields Ltd., and their workmen, which was received by the Central Government on the 2-6-87.

ANNEXURE

BEFORE SHRI V. S. YADAV, PRESIDING OFFICER
CENTRAL GOVERNMENT INDUSTRIAL TRIBUNAL-
CUM-LABOUR COURT, JABALPUR (M.P.)

Case No. CGIT/LC(R)(78)/85 U/s. 10 of I.D. Act

PARTIES :

Employers in relation to the management of W.C.L.,
Nakoda Open cast Colliery, Sub-Area No. 2, Wardha
Valley Area, P.O. Ghugus, Distt. Chandrapur (M.S.)
and their workman Shri Pira Rajaram, Ex-Operator,
Colliery Quarters, P. O. Ghugus, District Chandrapur
(M.S.).

APPEARANCES :

For Workmen—Shri P. D. Pathak, Advocate.

For Management—Shri P. S. Nair, Advocate.

INDUSTRY : Coal Mining DISTRICT Chandrapur (MS)

AWARD

Dated : May 21, 1987

By Notification No. L-22012/71/84-D.V., dated the 10th September, 1986 the following dispute as mentioned under the Schedule to the reference was referred to this Tribunal by the Central Government for adjudication :

SCHEDULE

“Whether the action of the management of M/s. Western Coalfields Limited, Wardha Valley Area, Ghugus

Colliery pits 2 & 3 in Sub Area No. II, P.O. Ghugus, Distt. Chandrapur taken through the Manager, Ghugus Colliery Pits 2 & 3 in dismissing the services of the workman Shri Pira Rajaram w.e.f. 4-8-83 is justified ? If not to what relief the workman is entitled to ?”

On receipt of the reference order parties filed their pleadings documents etc. and contested the dispute. The workman raised preliminary points on the question of validity of enquiry proceedings.

The case was then fixed for evidence on preliminary points but the parties adduced no oral evidence and requested to file written arguments. They were allowed to do so and they filed written arguments.

Thereafter an order on preliminary points was passed by me on 22-12-86 and the case was filed for filing documents by the parties on merits. But instead of doing so good sense prevailed in parties and they have arrived at an amicable settlement.

On 15-5-87 Counsel for parties appeared and filed a memo of settlement alongwith an application for passing an award in terms of the settlement. The terms of settlement are signed by the workman himself and S/Shri R. K. Singh and V. R. Chouhan for the management, duly verified by the Counsel for the parties.

The terms of settlement are as under :—

1. It is agreed that Shri Pira Rajaram will be reinstated in the same post and category which he held at the time of dismissal.
2. The period of absence of Shri Pira Rajaram from the date of dismissal to the date of joining his duty will be treated as 'dies-non' on the principal of 'no work no pay' and he will be given continuity of service in the post.
3. Shri Pira Rajaram will not be entitled to wages for the period he was not on duty from the date of his dismissal to the date of his joining, as per this settlement.
4. On re-instatement Shri Pira Rajaram will be on probation for a period of one year during which period his performance and conduct will be watched and also that he will give an assurance of good conduct in writing before joining his duties. If the performance during the period of probation will be found unsatisfactory his service will be liable to be terminated.
5. It is also agreed that on re-instatement he will be posted in Sub-Area No. 2.
6. A copy of this settlement will be presented by both the parties jointly, before CGIT, Jabalpur with a request to give consent award and on receipt of the award Shri Pira Rajaram will be allowed to join duties within 15 days.

In view of the above terms the dispute stands finally settled between the parties.

I have gone through the above terms of settlement and I am of the opinion that the terms of settlement are fair, reasonable and in the interest of the workman concerned. I, therefore, record my award in terms of the settlement.

No order as to costs.

V. S. YADAV, Presiding Officer
[L-22012/71/84-DV/D.II(B)]

का. प्रा. 1660.—औद्योगिक विवाद अधिनियम, 1947 (1947 का 14) की धारा 17 के अनुसरण में, केन्द्रीय सरकार, बैस्टन कोलफील्ड्स लि., बरधा वैली एरिया, भुगुस कोलियरी पिट्स 2 और 3 के उप क्षेत्र संख्या II के प्रबंधन से सम्बद्ध नियोजकों और उनके

कर्मचारों के बीच, अनुबंध में निर्दिष्ट औद्योगिक विवाद में केन्द्रीय सरकार औद्योगिक अधिकरण, जबलपुर के पंचाट को प्रकाशित करती है, जो केन्द्रीय सरकार को 2/6/87 को प्राप्त हुआ था।

S.O. 1660.—In pursuance of section 17 of the Industrial Disputes Act, 1947 (14 of 1947), the Central Government hereby publishes the award of the Central Government Industrial Tribunal, Jabalpur, as shown in the Annexure, in the industrial dispute between the employers in relation to the management of M/s. Western Coalfields Ltd., Wardha Valley Area, Ghugus Colliery Pits 2 & 3 in Sub Area No. II and their workmen, which was received by the Central Government on the 2-6-87.

BEFORE SHRI V. S. YADAV, PRESIDING OFFICER
CENTRAL GOVERNMENT INDUSTRIAL TRIBUNAL
CUM-LABOUR COURT, JABALPUR (MP)

Case No. CGIT/LC(R)(45)/85 U/S 10 of ID Act

PARTIES:

Employers in relation to the management of WCL., Wardha Valley Area, Ghugus Colliery Pits 2 and 3 in Sub Area No. II, P.O. Ghugus, Distt. Chandrapur (MS) and their workman Shri P. S. Bhumayya, Ex-Pump Khalasi, Colliery Quarters, P.O. Ghugus, Distt. Chandrapur (MS).

Appearances

For Workmen—Shri P. D. Pathak, Advocate.

For Management—Shri P. S. Nair, Advocate.

INDUSTRY: Coal Mining Distt. Chandrapur (MS)

AWARD

Dated, May, 22nd, 1986

By Notification No. L-22012(70)/84-DV., dated the 6th June, 1985, the following dispute as mentioned under the Schedule to the reference was referred to this Tribunal by the Central Government for adjudication:

SCHEDULE

"Whether the action of the management of M/s. Western Coalfields Ltd., Wardha Valley Area, Ghugus Colliery Pits 2 and 3 in Sub Area No. II, P.O. Ghugus Distt. Chandrapur (MS) taken through the Manager Ghugus Colliery Pits 2 and 3 in discharging the services of the workman Shri Pasala Sheshrao Bhumayya, Pump Khalasi with effect from 4-8-83 is justified? If not, to what relief the workman is entitled?"

1. On receipt of the reference order parties filed their pleadings, documents etc. and contested the dispute. The workman raised certain preliminary points on the question of validity of enquiry proceedings. Certain issues on the questions were also framed by me.

2. The case was then fixed for evidence on preliminary points but the parties adduced no oral evidence and requested to file written arguments. They were allowed to do so and they filed written arguments.

3. Thereafter an order on 22-12-86 and the case was fixed for filing documents by the parties on merits. But instead of doing so, good sense prevailed in parties and they have arrived at an amicable settlement.

4. On 15-5-87 Counsel for parties appeared and filed a memo of settlement alongwith an application for passing an award in terms of the settlement. The terms of settlement are

signed by the workman himself and S/Shri R. K. Singh and V. R. Chouhan for the management duly verified by the Counsel for the parties.

5. The terms of settlement are as under:—

1. It is agreed that Shri Pasala Sheshrao will be re-instated in the same post and category as held by him at the time of dismissal.
2. The period of absence of Shri Pasala Sheshrao from the date of his dismissal to the date of joining will be treated as 'dies non' on the principal of 'no work no pay' and he will be given continuity of service in the post.
3. Shri Pasala Sheshrao will not be entitled to wages for the period he was not on duty from the date of his dismissal to the date of his joining as per this settlement.
4. On re-instatement Shri Pasala Sheshrao will be on probation for a period of one year during which period his performance and conduct will be watched and also that he will give an assurance of good conduct in writing before joining his duties. If the performance during the period of probation will be found unsatisfactory his service will be liable to be terminated.
5. It is also agreed that on re-instatement he will be posted in sub-area No. 2 of WCL Wani Area.
6. A copy of this settlement will be presented by both the parties jointly, before CGIT, Jabalpur with a request to give consent award and on receipt of the award Shri Pasala Sheshrao will be allowed to join within 15 days.

In view of the above terms the dispute stands finally settled between the parties.

6. I have gone through the above terms of settlement and I am of the opinion that the terms of settlement are fair, reasonable and in the interest of the workman concerned. I, therefore, record my award in terms of the settlement.

No order as to costs.

V. S. YADAV, Presiding Officer.

[No. L-22012/70/84 D.V/D.III(B)]

V. K. SHARMA, Desk Officer

नई दिल्ली, 15 जून, 1987

का. घा. 1661.—औद्योगिक विवाद अधिनियम, 1947 (1947 का 14) की धारा 17 के अनुसरण में, केन्द्रीय सरकार, घाट बारी कोलियरी, मिसम भारत कोकिंग कोल लिमिटेड, के प्रबंधन से सम्बद्ध नियोजकों और उनके कर्मचारों के बीच, अनुबंध में निर्दिष्ट औद्योगिक विवाद में केन्द्रीय सरकार औद्योगिक अधिकरण, नं. धनबाद के पंचाट को प्रकाशित करती है, जो केन्द्रीय सरकार को 2 जून, 1987 को प्राप्त हुआ था।

New Delhi, the 15th June, 1987

S.O. 1661.—In pursuance of section 17 of the Industrial Disputes Act, 1947 (14 of 1947), the Central Government hereby publishes the following award of the Central Government Industrial Tribunal No. 2, Dhanbad as shown in the Annexure, in the industrial dispute between the employers in relation to the Management of Dhanbad Colliery of M/s. Bharat Coking Coal Ltd. and their workmen, which was received by the Central Government on the 2nd June, 1987.

BEFORE THE CENTRAL GOVERNMENT INDUSTRIAL TRIBUNAL (NO. 2) AT DHANBAD

PRESENT :

Shri I. N. Sinha, Presiding Officer.

Reference No. 134 of 1985

In the matter of industrial dispute under Section 10(1)(d) of the I.D. Act, 1947.

PARTIES :

Employers in relation to the management of Dahibari Colliery of M/s. Bharat Coking Coal Ltd. and their workmen.

APPEARANCES :

On behalf of the workmen—Shri J. P. Singh, Advocate.

On behalf of the employers—Shri R. S. Murthy, Advocate.

STATE : Bihar.

INDUSTRY : Coal

Dated, Dhanbad, the 25th May, 1987

AWARD

The Government of India, Ministry of Labour exercise of the powers conferred on them under Section 10(1)(d) of the I.D. Act, 1947 has referred the following dispute to this Tribunal for adjudication vide their Order No. L-20012(110) 85-D.III(A), dated, the 3rd September, 1985.

SCHEDULE

"Whether the action of the management of Dahibari Colliery of Messrs. Bharat Coking Coal Limited, P.O. Mugma, Dist. Dhanbad in dismissing from service Shri Ram Jatan Nonia, General Mazdoor is justified? If not, to what relief is the concerned workman entitled?"

The case of the workman is that the concerned workman Shri Ram Jatan Nonia was working as General Mazdoor in Dahibari Colliery of M/s. B.C.C.L. He was chargesheeted by the Manager of Dahibari Colliery on 8-9-82 on the ground that he gave false information regarding the death of Shri Ram Swarup Nonia who was also an employee of Dahibari Colliery. He was further chargesheeted for putting his signature in the application form submitted by Smt. Kushari Devi, S.T. Loader wife of Shri Ram Swarup Nonia, as witness knowing it well that Ram Swarup Nonia was alive. The concerned workman was therefore charged under clause 17(1) of the Model Standing Orders for Coal Mining Industry. The Agent of Dahibari colliery had also lodged information with Chirkunda Police Station on 21-8-82 with the allegation that Shri Ram Swarup Nonia was absenting without information since 1978. The management presented its case during the domestic enquiry stating that Shri Ram Swarup Nonia was working as a Stacker at Dahibari Colliery who became mad and remained on an unauthorised absence for about 4 years during which period he was having treatment in Central Hospital, Dhanbad and also in the Mental Hospital at Kanke. It was further revealed by the management that Smt. Kushari Devi wife of Ram Swarup Nonia filed an application before the management to the effect that her husband Ram Swarup Nonia died on 12-12-80 and she requested for the appointment of her son Shri Shia Charan Chouhan in place of his father. She had also filed some papers namely B.D.O's certificate and death certificate in support of the fact that Ram Swarup Nonia was dead. The concerned workman Shri Ram Jatan Nonia had put his signature as a witness on the said application filed by Smt. Kushari Devi. Shri Shia Charan Chouhan was given employment in the colliery on the basis of the said application filed by Smt. Kushari Devi. The case of the management further was that Shri Ram Swarup Nonia came to the colliery and was seen by many persons between 7-8-82 and 15-8-82. Smt. Kushari Devi and the concerned workman played fraud whereby they managed to get employment of Shia Charan Chouhan by making false declaration.

The case of Smt. Kushari Devi in the enquiry proceeding was that she lived in the colliery as she was already employed

there where she received information regarding the death of her husband at his village home, and as such she filed an application before the management for giving employment to Shia Charan Chouhan who was the adopted son of Ram Swarup Nonia. A preliminary enquiry had been held on a complaint before the management by Shri Heka Singh that Ram Swarup Nonia was alive. Shri K. K. Mukherjee Dy. Personnel Manager of Chanch Victoria Area made an enquiry and reported that Ram Swarup Nonia was seen alive by many people in the colliery. Thereafter the management on consideration of his said enquiry report issued a chargesheet and held domestic enquiry against Smt. Kushari Devi and the concerned workman. After consideration of the enquiry report the concerned workman along with Smt. Kushari Devi were dismissed from service. The present reference is in respect of Shri Ram Jatan Nonia only. The case of the workmen is that there is absolutely no case against the concerned workman in respect of the two charges levelled against the concerned workman. The concerned workman is not in any way related to Ram Swarup Nonia. He had signed on the application of Smt. Kushari Devi on the information given to him by Smt. Kushari Devi. Moreover, the concerned workman was convinced by the death certificate that Shri Ram Swarup Nonia was dead. The information regarding the death of Ram Swarup Nonia was given to the management by Smt. Kushari Devi herself and not by the concerned workman and as such he cannot be charged for giving false information about the death of Ram Swarup Nonia. The concerned workman had only signed as a witness on the application of Smt. Kushari Devi and it cannot be said that the concerned workman had made any assertion about the death of Ram Swarup Nonia. The signing of the application by the concerned workman only means that Smt. Kushari Devi filed the said application before the management. The said application was filed by Smt. Kushari Devi about 2 years prior to the alleged appearance of Ram Swarup Nonia in the colliery and as such it cannot be said that the concerned workman had signed the application of Kushari Devi with the knowledge that her husband was alive. The concerned workman had no interest either with Kushari Devi or Shia Charan Chouhan and there is nothing to show that there was any malafide on the part of the concerned workman in putting his signature on the application of Smt. Kushari Devi. The charge was not supported by any legal evidence against the concerned workman and the punishment of dismissal inflicted on him was too harsh.

The case of the management is that Ram Swarup Nonia was working in Dahibari colliery as Surface Labour and his wife Smt. Kushari Devi was also working in the same colliery as S.T. Loader. During 1978 Ram Swarup Nonia started absenting from duty without any permission or satisfactory cause and remained absent from duty for several years. His whereabouts were not known. In August, 1982 Ram Swarup Nonia turned up in the colliery claiming his employment and at that time he was seen and noticed by a number of workers of the colliery but before that his wife Smt. Kushari Devi made an application to the Manager of Dahibari colliery stating about the death of her husband on 12-12-80. She also requested the management for giving employment to her son Shri Shia Charan Chouhan aged about 20 years in terms of provision of NCWA in lieu of her dead husband. The said application was signed by the concerned workman Ram Jatan Nonia also showing thereby that the concerned workman had testified to the truth of the statement of Smt. Kushari Devi regarding the death of Ram Swarup Nonia and that Shia Charan Chouhan was the son of Ram Swarup Nonia as declared by Smt. Kushari Devi in her application. There was thus a conspiracy between Kushari Devi and Shri Shia Charan Chouhan and the concerned workman and they jointly indulged in fraud and dishonesty attracting clause 17(1)(a) of the Model Standing Orders. It was as subsequently revealed that Shri Shia Charan Chouhan was not the son of Ram Swarup Nonia and a false plea had been taken that he was her adopted son. The employment of Shri Shia Charan Chouhan was terminated as he had obtained the employment by fraud and deception. On the disclosure of the said facts the management chargesheeted the concerned workman as well as Smt. Kushari Devi. The chargesheet issued to the concerned workman is dated 8-9-82. The concerned workman submitted explanation to the chargesheet which was found to be unsatisfactory and a domestic enquiry was ordered. Shri D. C. Goswami Dy. Personnel Manager, Chanch Victoria Area was

appointed as Enquiry Officer who conducted the enquiry after giving due notice to the concerned workman. The concerned workman fully participated in the enquiry and the management's witnesses were examined in his presence. The enquiry officer gave full opportunity to cross-examine the management's witness and the concerned workman was also given opportunity to make statement and to produce evidence in his defence. The enquiry was held in accordance with the principles of natural justice. The enquiry officer submitted his report holding the concerned workman guilty of the charges framed against him. The enquiry report, proceeding of the enquiry and connected papers were submitted to the General Manager/Chief Mining Engineer of Chanch Victoria Area in which Dahibari Colliery falls. The General Manager, the Chief Mining Engineer accepted the finding of the enquiry officer and considered the gravity of the misconduct proved against the concerned workman passed an order of dismissal of the concerned workman from service with immediate effect by letter issued on 29-9-83. The dismissal of the concerned workman was fully justified in the facts and circumstances of the case and the concerned workman is not entitled to any relief.

The management had proved at the outset that as the concerned workman has been dismissed from service after holding a domestic enquiry into the charges framed against him, it first be decided as a preliminary point whether the domestic enquiry held against the concerned workman was fair proper and in accordance with the principles of natural justice. Accordingly the preliminary issue whether the domestic enquiry was fair, proper and in accordance with the principles of natural justice was taken up for hearing and the management also examined witnesses. However, Shri V. P. Singh, the learned Advocate appearing on behalf of the workman submitted that he did not challenge the fairness and propriety of the domestic enquiry and as such the case be heard on merit. On this submission an order was passed on 11-1-82 holding that the domestic enquiry was fair proper and in accordance with the principles of natural justice and the case was fixed for hearing on merit.

The management produced all the materials which were placed before the enquiry officer and those papers have been marked Ext. M-1 to M-8. The workman also have got his document marked as Ext. W-1 to W-3.

The chargesheet against the concerned workman Ram Jatan Nonia was marked as Ext. 2 by the enquiry officer. The chargesheet is as follows :—

"It has been observed that Shri Ram Swarup Nonia is alive but you have given false information regarding the death of Shri Ram Swarup Nonia. You have also put your signature in the application form submitted by Smt. Kushari Devi, St. Loader (wife of Ram Swarup Nonia) as witness,

'At the time of enquiry you have given the state-Model Standing Order for Coal Mining Industries.'

Your above act is serious guilty of misconduct under the Model Standing Order for Coal Mining Industries.

You are hereby charged for the following :—

(i) Fraud and dishonesty (Section 17(1)(d) of the Model Standing Order for Coal Mining Industries."

It will appear from the above chargesheet that the concerned workman was charged for giving false information regarding the death of Ram Swarup Nonia and that he had put his signature in the application form submitted by Smt. Kushari Devi as a witness. The reply to the chargesheet filed by the concerned workman was marked as Ext. No. 4 by the enquiry officer. It will appear from the said explanation of the concerned workman that he had got no personal knowledge that Ram Swarup Nonia was dead and that whatever information regarding the death of Ram Swarup Nonia was there, he came to know from papers shown to him and witnessed the contents of the papers shown to him. Thus the explanation of the concerned workman is that he had no personal knowledge about the death of Ram Swarup Nonia and that he learnt about the death of Ram Swarup Nonia from the papers shown to him. Now let us see as to what evidence has been led by the management to show that the 426 GI/87—7.

concerned workman had personal knowledge about the death of Ram Swarup Nonia. The witnesses examined by the enquiry were PW-1 Shri Seo Shankar Lal Manager, Dahibari colliery, PW-2 Shri Promode Kumar Jain Agent, Dahibari colliery, PW-3 Shri Khoka Singh union representative, PW-4 Shri Jogender Singh, P.O's Clerk of Dahibari colliery and PW-5 Shri S. N. Jha, General Clerk of Dahibari colliery.

PW-1 Shri Seo Shankar Lal manager, Dahibari Colliery stated before the Enquiry Officer that on 8-9-1982 Shri Shia Charan Chouhan was employed under the provision of NCWA-II after the so called death of Ram Swarup Nonia stated to be the father of Shri Shia Charan Chouhan. He has stated that Shia Charan Chouhan was given employment on the strength of a certificate submitted by Smt. Kushari Devi, wife of Ram Swarup Nonia. He has stated that Kushari Devi also was a regular employee of Dahibari colliery. He has stated that Kushari Devi had submitted her application for the purpose of employment of Shia Charan Chouhan wherein it was stated that Ram Swarup Nonia died on 12-12-1980 at his native place in Gaya District and the said application was authenticated by a Medical Officer named Dipak Kumar who had given a certificate about Ram Swarup Nonia's death. He has stated that after his scrutiny of all the papers Shia Charan Chouhan was given employment as dependent son of Ram Swarup Nonia who was dead and since his appointment Shia Charan Chouhan worked regularly till the management received information on 14-8-1982 signed by Khoka Singh, PW-3 union representative of the colliery who had alleged that Ram Swarup Nonia was alive. He also stated that the union people also claimed that Ram Swarup Nonia had come to the colliery. Thereafter a prima facie enquiry was conducted by Shri K. K. Mukherjee on 17-8-1982 in which it was revealed that there was something which needed further scrutiny in the said affair. He further stated that Kushari Devi was charged for giving false information regarding the death of her husband and the concerned workman was charged for authenticating the said statement of Smt. Kushari Devi which resulted in the employment of Shia Charan Chouhan. In cross-examination of PW-1 it was stated that Kushari Devi could not state exactly when her husband died and when his last rites as per Hindu religion had been performed. He also stated that Kushari Devi could not say the source of information of Ram Swarup Nonia's death nor she could produce any letter through which the information of death of Ram Swarup Nonia was communicated to her. PW-3, Shri P. K. Jain Agent of Dahibari colliery stated before the enquiry officer that on 12/13-8-1982 they received representation from Shri Khoka Singh union representative that Shri Shia Charan Chouhan who was employed in lieu of Ram Swarup Nonia on the declaration of the death of Ram Swarup Nonia who was still alive. PW-2 further stated that considering the gravity of the case the representation of the union was forwarded to the General Manager for enquiry into the matter. He has also stated about the fact that Shri K. K. Mukherjee, Dy. Personnel Manager of Chanch Victoria Area was entrusted to enquire. He has stated that about 36 employees of Dahibari colliery also submitted a joint statement stating that Ram Swarup Nonia was alive. He has stated that Kushari Devi could not produce the letter of the elder brother of Ram Swarup Nonia through which she claimed to have been communicated the news of the death of Ram Swarup Nonia.

PW-3 Shri Khoka Singh, union representative, stated that on 11-8-1982 he had personally seen Shri Ram Swarup Nonia at Dahibari colliery in the evening and thereafter he made representation to the colliery authorities that as Ram Swarup Nonia was alive now his alleged son Shri Shia Charan Chouhan had been given employment in lieu of Shri Ram Swarup Nonia. PW-4 Shri Jogender Singh, P.O's Clerk of Dahibari colliery stated before the enquiry officer that on 27-11-1981 the management had received documents regarding the death of Ram Swarup Nonia and for the employment of his son Shri Shia Charan Chouhan. He has further stated that the documents contain doctor's certificate of death in respect of Ram Swarup Nonia issued by doctor Deepak Kumar, MBBS, certificate issued by Mokhiya, Gram Panchayat Chiraili, district Gaya. B.D.O. Takary also certified the statement of Mokhiya. The certificate showed that Ram Swarup Nonia died on 12-12-1980 and Shri Shia Charan

Chouhan was the legal heir of the property of late Ram Swarup Nonia. He has also stated that one application had been submitted by Kushari Devi who had given her LTI in the presence of Ram Jatan Nonia and Deo Sharan Singh, contractor. He has stated that on those papers Shia Charan Chouhan was given employment. He also stated that Shri Khoka Singh had filed a petition and another joint petition of 36 workers of Dahibari colliery was also submitted to the colliery authority. PW-5 Shri S. N. Jha, General Clerk of Dahibari colliery stated before the enquiry officer that Shri Shia Charan Chouhan so called son of Ram Swarup Nonia was engaged as underground loader in lieu of Ram Swarup Nonia who was declared dead. He has further stated that Shri Shia Charan Chouhan was not the son of Ram Swarup Nonia and is the nephew of Ram Swarup Nonia. He has stated that one letter dated 9-9-82 was submitted by Ram Swarup Nonia giving his LTI in presence of 25 co-workers of Dahibari Colliery addressed to the Agent wherein it was stated that the applicant had lost his mental balance and was treated in the Central Hospital, Dhanbad and Ranchi Mental Hospital. It is stated in the said application that Ram Swarup Nonia was absent for about 2 years and when he came on 9-9-82 to the colliery he was informed by the co-worker that Shia Charan Chouhan claiming to be his son has already been appointed as his dependent son alleging that Ram Swarup Nonia was dead. It was also stated in that application that Shia Charan Chouhan is not the son of Ram Swarup Nonia. The witness further stated that he had a talk with Ram Swarup Nonia on 9-9-82 and learnt from Ram Swarup Nonia that a conspiracy was hatched by his cousin and that B. K. Chouhan was the father of Shia Charan Chouhan. From the above evidence of the management's witnesses before the enquiry officer the allegation against the concerned workman Ram Jatan Nonia is that he had put his signature on the application of Kushari Devi. The said application of Kushari Devi has been marked Ext. No. 5 by the enquiry officer. It was stated by Kushari Devi that her husband Ram Swarup Nonia died on 12-12-80. She further stated that their son is aged 20 years who may be given employment in place of her deceased husband as there is no other person to look after her except her son Shia Charan Chouhan. This application is signed by the concerned workman Ram Jatan Nonia and Deo Sharan Singh. The fact that Ram Jatan Nonia has signed the application marked Ext. No. 5 is an admitted fact. It is also clear from the evidence adduced in the case on behalf of the management that Ram Swarup Nonia was alive and that Kushari Devi had filed the petition Ext. No. 5 with false statement that her husband Ram Swarup Nonia was dead on 12-12-80 and that their son Shri Shia Charan Chouhan be given employment as the dependent son of late Ram Swarup Nonia. Admittedly Shia Charan Chouhan was given employment by the management on the basis of the application Ext. No. 5 filed on behalf of Kushari Devi. It is clear therefore that Kushari Devi got appointment of Shri Shia Charan Chouhan by making false representation that her husband Ram Swarup Nonia was dead and that Shia Charan Chouhan was the dependent son of Ram Swarup Nonia. The concerned workman got himself examined as DW-4 before the enquiry officer wherein he stated that he has already submitted his written and signed statement in reply to the chargesheet issued against him and that he does not like to give any further statement and that his persons statement in reply to the chargesheet was final. In his cross-examination by the management's representative the concerned workman Ram Jatan Nonia stated that Shri B.K. Chouhan, cousin elder brother of Ram Swarup Nonia had brought papers regarding the death certificate of medical practitioner, Mukhiya and B.D.O. To another question whether he personally made any enquiry as to how Ram Swarup Nonia expired he replied that he had not made any personal enquiry regarding that. There is nothing in the evidence of the management's witnesses or in any document to show that Ramjatan Nonia personally knew that Ram Swarup Nonia was alive and knowing it full well had represented that Ram Swarup Nonia was dead. Thus the only thing against the concerned workman is that he had signed as a witness on the application filed by Kushari Devi marked Ext. No. 5 by the enquiry officer wherein false declaration about the death of Ram Swarup Nonia was made by Kushari Devi and a further declaration was made by her that Shia Charan Chouhan was the dependent son of Ram Swarup Nonia who should be

given employment as dependent son of late Ram Swarup Nonia. The concerned workman has already stated that he had no personal knowledge about the death of Ram Swarup Nonia. There is no evidence to the effect that the concerned workman was related to Ram Swarup Nonia or Kushari Devi. It is also in evidence that the concerned workman had not visited the village home of Ram Swarup Nonia. It appears from the evidence that the concerned workman learnt about the death of Ram Swarup Nonia from the medical certificate and the certificate of Mukhiya authenticated by the B.D.O. It cannot therefore be stated that the concerned workman had made a false representation to the management that Ram Swarup Nonia died on 12-12-80 and that Shia Charan Chouhan who was the dependent son of Ram Swarup Nonia should be given employment as a dependent son of late Ram Swarup Nonia. The signature of the concerned workman on Ext. No. 5 can, at best, show that Kushari Devi had filed the application and that the thumb mark on Ext. No. 5 was given by her in presence of the concerned workman. The concerned workman cannot be fastened with the fact that he had conspired to give a false statement regarding the death of Ram Swarup Nonia or that Shia Charan Chouhan was the dependent son of Ram Swarup Nonia. Moreover there was no reason for the concerned workman to make a false representation before the management regarding the death of Ram Swarup Nonia. He had no interest in the employment of Shia Charan Chouhan and there is absolutely no evidence to show his interestedness in getting the employment for Shia Charan Chouhan. Admittedly, the representation was made by Kushari Devi and not by the concerned workman vide Ext. No. 5 and as such it cannot be said that the concerned workman had made any representation before the management giving false information regarding the death of Ram Swarup Nonia.

In view of the facts evidence and circumstances discussed above it will appear that the concerned workman did not give any false information regarding the death of the Swarup Nonia. Admittedly the concerned workman had put his signature in the application form submitted by Smt. Kushari Devi as a witness which cannot show that he was authenticating the contents of the false statement being made by Kushari Devi regarding the death of Ram Swarup Nonia or that Shia Charan Chouhan was the son of Ram Swarup Nonia. In the above view of the matter I hold that the concerned workman is not guilty of misconduct of fraud or dishonesty under Section 17(1)(a) of the Model Standing Orders for Coal Mining Industries.

In the result, I hold that the action of the management of Dahibari Colliery of M/s. B.C.C.L. in dismissing from service the concerned workman Shri Ramjatan Nonia is not justified. The management is directed to reinstate the concerned workman in service from the date of his dismissal with payment of all back wages from the date of his dismissal to the date of his reinstatement which he is entitled within one month from the date of publication of the Award.

This is my Award.

L. N. SINHA, Presiding Officer
[No. L-20012(110)/95 D.H(A)]

का. प्रा. 1662--औद्योगिक विवाद अधिनियम, 1947 (1947 का 14) की धारा 17 के प्रत्यक्ष में, केन्द्रीय सरकार, मनीषीह कोलवरी, मैसूर भारत कोकिंग कोल लिमिटेड, के प्रबंधन से सम्बन्धित नियोजकों और उनके कर्मचारों के बीच, अनुबंध में निदिष्ट औद्योगिक विवाद में केन्द्रीय सरकार औद्योगिक अधिकरण, नं. 2 घनबाव के पंचाट को प्रकाशित करती है, जो केन्द्रीय सरकार को 9 जून, 1987 को प्राप्त हुआ था।

[सं. एल-20012/121/85-डी-III(ए)]

S.O. 1662.—In pursuance of section 17 of the Industrial Disputes Act, 1947 (14 of 1947), the Central Government hereby publishes the following award of the Central Government Industrial Tribunal No. 2, Dhanbad as shown in the Annexure, in the industrial dispute between the employers in relation to the Management of Moonidih Project of M/s. Bharat Coking Coal Ltd. and their workmen, which was received by the Central Government on the 9th June, 1987.

BEFORE THE CENTRAL GOVERNMENT INDUSTRIAL TRIBUNAL NO. 2 AT DHANBAD

PRESENT :

Shri I. N. Sinha, Presiding Officer.

Reference No. 155 of 1985

In the matter of industrial dispute under Section 10(1)(d) of the I. D. Act, 1947

PARTIES :

Employers in relation to the management of Moonidih Project of M/s. Bharat Coking Coal Limited and their workmen.

APPEARANCES :

On behalf of the workmen—Shri Lalit Burman, Vice-President, United Coal Workers' Union.

On behalf of the employers—Shri R. S. Murthy, Advocate.

STATE : Bihar

INDUSTRY : Coal

Dhanbad, the 28th May, 1987

AWARD

The Government of India, Ministry of Labour in exercise of the powers conferred on them under Section 10(1)(d) of the I. D. Act, 1947 has referred the following dispute to this Tribunal for adjudication vide their Order No. L-20012 (121)/85-D.III (A), dated, the 18th November, 1985.

SCHEDULE

"Whether the demand of United Coal Workers' Union that the management of Moonidih Project of M/s. Bharat Coking Coal Limited should project the wages and fix them under the provisions of the National Coal Wage Agreement-III in respect of their workmen listed in the Annexure below from the date of their conversion from piece-rated to time-rated jobs is justified? If not, to what relief are the concerned workmen entitled?"

ANNEXURE

Sl. No. Name of the workmen

1. Tarapada Lohar
2. Shri Hatim Mia.
3. Shri Ch. Sahabali Mia
4. Shri Basant Kewat
5. Shri Ahmed Mia
6. Ibrahim Mia
7. Sahadir Mia
8. Tipun Mia
9. Bodhy Roy
10. Rasiklal Majhee
11. Girdhari Ray
12. Alludin Mian
13. Hublal Lodh
14. Bhikari Bhar
15. Dhiran Mallik
16. Janardan Paswan
17. Sahabuddin Mia

18. Kishun Mehto
19. Nibaran Mahato
20. Iswar Mallah
21. Akal Mahato
22. Nagina Ahir
23. Jitan Singh
24. Budhan Saw
25. Chettal Mahato
26. Nathu Mahato
27. Narayan Singh
28. Hublal Mahato
29. Birju Manjhi
30. Ram Nath Yadav
31. Prasadi Ram
32. Pradeshi Harijan
33. Babulal Bhuia
34. Sahaban Mian
35. Jamuna Munia
36. Bhutali Rajbhar
37. Arjoon Gope
38. Chhotelal Kurmi
39. Jagdish Ch. Mahto
40. Hiralal Harijan
41. Sudhin Mia
42. Sri Seonandan Mahato
43. Rashu Mia
44. Sh. Chhatu Mia
45. Rajak Mia
46. Abdul Kadim Mia
47. Chhatu Singh
48. Ram Ch. Harijan
49. Birbal Pasi
50. Raghunath Ahir
51. Hiralal Kalindi
52. Jiblal Mahato
53. Tribeni Harijani
54. Kailash Bhuia
55. Bandhu Ahir
56. Hari Prasad Gorh
57. Gobardhan Bauri
58. Surja Das
59. Rambriksha Bhula
60. Tarjan Ansari
61. Motilal Mahato
62. Inaque Mia
63. Asrafi Mia
64. Iagan Manjhi
65. Mathura Mandal
66. Ramur Bhar
67. Sudhir Gorai
68. Mohan Chamar
69. Kirti Rajbhar
70. Bharat Mahato
71. Bishtani Rajvar
72. Md. Hanif

- | | |
|--------------------------|------------------------|
| 73. Ruab Ali | 130. Bundal Das |
| 74. Dechhari Kalwar | 131. Ruplal Mahato |
| 75. Khubi Mian | 132. Rameshwar Dusadh |
| 76. Shukhraj Harijan | 133. Pando Orang |
| 77. Jagram Robidas | 134. Israil Mian |
| 78. Sheoshankar Bhar | 135. Salim Mian |
| 79. Budhan Mallah | 136. Taghu Bhuiya |
| 80. Bijoy Bhar | 137. Jiwat Bhar |
| 81. Sheobalak Mushar | 138. Nawrangi Roy |
| 82. Sukhdeo Prasad | 139. Basir Mian |
| 83. Sukar Mahato | 140. Jitu Bouri |
| 84. Aghno Harijan | 141. Alam Mian |
| 85. Sarat Orang | 142. Soma Kole |
| 86. Rajendra Harijan | 143. Chhota Majhee |
| 87. Sukrali Mian | 144. Jethu Mahato |
| 88. Muslim Mian | 145. Paltan Bouri |
| 89. Chaitu Mullik | 146. Sidhu Majhee |
| 90. Chapa Majhee | 147. Ranglal Bouri |
| 91. Radhanath Mahato | 148. Prosadi Gope |
| 92. Sarju Mahato | 149. Gour Bagti |
| 93. Tulshi Rajvar | 150. Sri Md. Hamld |
| 94. Badulia Mian | 151. Shri Bajri Mahato |
| 95. Raj Kumar Chamar | 152. Shri Idrish Mian |
| 96. Dasu Das | 153. Shri Batlu Majhi |
| 97. Bispat Das | 154. Shri Puran Mian |
| 98. Baldhari Yadav | 155. Shri Sattar Mian |
| 99. Sukra Dhobi | 156. Shri Bihari Giri |
| 100. Nanku Pasi | 157. Shri Niru Mahato |
| 101. Manik Saw | 158. Shri Dharam Turi |
| 102. Aditya Mahato | 159. Vazir Mian |
| 103. Dhananjoy Mukherjee | 160. Ram Ratan Bhuian |
| 104. Harihar Bhar | 161. Bhutta Modi |
| 105. Sitaram Bania | 162. Tetar Das |
| 106. Nagina Harijan | 163. Shri Bujan Bourl |
| 107. Suku Mahato | 164. Bangali Ram Bowri |
| 108. Chowha Rabidas | 165. Laloo Kole |
| 109. Ali Mahammed | 166. Md. Siraj Ansari |
| 110. Sukur Mian | 167. Laxman Kole |
| 111. Mahabir Bhuia | 168. Subal Kile |
| 112. Laldhand Harijan | 169. Rasik Roy |
| 113. Ishaque Mian | 170. Mahboob Mia |
| 114. Handu Karmakar | 171. Chhota Durga Kole |
| 115. Fagu Chamar | 172. Gura Majhi |
| 116. Sahadeo Ram | 173. Meghlal Majhi |
| 117. Chandu Majhee | 174. Lakhiran Majhi |
| 118. Ruplal Majhee | 175. Bholu Majhi |
| 119. Dharamchand Rajak | 176. Radhe Harijan |
| 120. Anil Bouri | 177. Hiranman Ruri |
| 121. Kashram Kalandi | 178. Tejo Kole |
| 122. Bholanath Mahato | 179. Ram Bachan Ram |
| 123. Prabhu Muchi | 180. Rafik Mia |
| 124. Kishari Singh | 181. Pobi Mahato |
| 125. Sukhari Bhar | 182. Md. Kalim |
| 126. Jagtu Orang | 183. Rajak Mia |
| 127. Salim Mian | 184. Kashim Mia |
| 128. Noor Mian | 185. Tahir Mia |
| 129. Panchu Gope | 186. Satish Bourl |
| | 187. Prillal Majhi |
| | 188. Rambrich Harijan |
| | 189. Mahadeo Turi |
| | 190. Mohan Singh |
| | 191. Punil Mahato |
| | 192. Gobardhan Bouri |
| | 193. Chaita Kole |
| | 194. Gobardhan Mallik |
| | 195. Ram Chandra Kurmi |

196. Rajan Mia
197. Raj Kumar Banerjee
198. Ashu Rabidas
199. Ram Prasad Mahato
200. Mukhlal Mahato
201. Narayan Das
202. Kashinath Shekhar
203. Amrit Mahato
204. Anand Bouri
205. Ajaj Mia
206. Saladat Mia
207. Ablul Mazid
208. Rameshwar Mahato
209. Jahur Mia
210. Kalu Dau
211. Sudhir Pd. Lal
212. Suleman Mia.

The case of the workmen is that the concerned 212 workmen named above have been working in Moonidih Project of M/s. B.C.C.L. for varying period. Originally they were employed as piece rated miners/loaders. By an office order dated 11-12-83 the management regularised 66 piece rated miner (hereinafter referred to as P.R.M.) in the post of Transporter-cum-Tyndal in Cat. IV with effect from 1-2-83. By another office order dated 11-9-82 the management regularised 9 P.R.M.s as time rated trammers in Cat. III in the pay scale of Rs. 16.350-0.42-21.39 with effect from 1-9-82. By another office order dated 15-9-83 the management regularised 47 P.R.M.s as trammers in time rated Cat. III with effect from 15-9-83 and 85 P.R.M.s were regularised as Transporters in Cat. IV with effect from 15-9-83. By another office order dated 29-10-83 the management regularised 16 P.R.M.s as Drillers-cum-roof bolting mazdoor in Cat. IV with effect from 9-10-83. All the above concerned workmen who were formerly working as P.R. Miners were in P.R. Group VA the minimum basic wages of which was Rs. 18.50 and the fall back wages was also Rs. 18.50. After their regularisation in the various time rated jobs the management paid the initial basic of Cat. III of Rs. 16.35 and that of Cat. IV being Rs. 17.75 in respect of the cases as per NCWA-II resulting in loss of basic wages, S.D.A., bonus and O.M.P.F. contribution. They also suffered a loss in the matter of leave/sick wages. The loss in the wages etc. of the concerned workman after implementation of the revised wage rates under NCWA-III also. The concerned workmen were regularised in their respective time rated categories in the exigency of work of the management after they had performed the job for the periods falling from 6 months to one year or even more. They were selected by the selection committee and the D.P.C. constituted by the management for their time rated jobs. The concerned workmen had not given any option in writing or otherwise for their acceptance of lower wages on being regularised in the time rated categories. The concerned workman and their union demanded that the wages of the concerned workmen should be protected by proper fixation of basic pay in the scales of the categories in which they were regularised. If the concerned workmen had been given the benefit of wage protection the concerned workmen regularised in Cat. III and Cat. IV would have been paid the basic wages of Rs. 13.87 and Rs. 19.34 as per scales of NCWA-II and Rs. 26.60 and Rs. 27.30 per day as per NCWA-III respectively with effect from the date of their regularisation. The management of Moonidih Project refused to accede to the demand of the concerned workmen and their union leading to the present industrial dispute. It is submitted that the demand of the union that the wages of the concerned workmen who were converted from piece rated miners to different time rated categories should be given wage protection and their wages should be refixed under the provision of the NCWA-III is legal and justified. The concerned workmen have therefore prayed for higher wages from the date of their respective regularisation in the posts concerned and the annual increment in the scales of pay for the years 1984 and 1985 along with the arrears arriving out of the refixation of wages.

The preliminary objection made on behalf of the management is that the dispute is belated and oversteale and it is

a result of an after thought on the part of the sponsoring union although the concerned workmen had not made any such demand or raised any such dispute themselves. The reference made by the appropriate Government is contrary to the purported demand made by the sponsoring union when it had raised the dispute before the ALC(C), Dhanbad. The case of the management, further, is that Moonidih Project is one of the deepest shaft mine in Jharia Coalfield constructed initially by the erstwhile NCDC which is now the CCL Ltd. The said mine was transferred to BCCL in 1973. There is a post designated as Tyndal, and Tyndal transporter for performing some of the jobs in Moonidih Project and they have been placed in daily rated Cat. IV. There are also piece rated miner for Coal loading. Their job is strenuous and arduous involving a lot of fatigue. Their earnings depend on the amount of quantity of coal loaded and they are placed in piece rated group VA. According to the coal wage board recommendation as modified by NCWA-9S-I, II and III they are entitled to the specified basic group wages per day as specified subject to their loading coal of 81 CFT. If they load less than 81 Cft of coal their basic earnings will be proportionately less. But if their output is more than 81 cft on any day they get proportionately more wages. Under NCWA-I from 1-1-78 to 31-12-78 their group wages fixed per day was Rs. 13. Under NCWA-II from 1-7-79 to 31-12-82 their group wages fixed @ Rs. 18.50 per day linked to workload of 81 Cft. Under NCWA-III from 1-1-83 to 31-12-86 their basic group wages was fixed @ Rs. 24.80 per day linked to a workload 81 cft. Many of the P.R.M.s were getting less than Rs. 18.50 per day during the NCWA-I period due to their inability to put in the minimum workload. In view of this there was a marked inclination on the part of the P.R.M.s to switch over to time rated jobs and over the years a large number of P.R.M.s opted for time rated job (hereinafter referred to as T.R. Jobs) without protection of piece rated wages. A large number of P.R.M.s of Moonidih Project who are working in the Project for many years and who became old preferred to switch over to the T.R. jobs. The trade union concerned also supported the request of the workers for transfer from P.R. Jobs to T.R. Jobs without protection of T.R. wages. When there was requirement of time rated workers it was in this process that about 150 P.R. workers opted for the job of Tyndal cum transporter. The management had not compelled those workers to switch over to the jobs of Tyndal cum-Transporter and they had accepted the said job according to their own sweat will. The management was burdened with an excessive number of Tyndal-cum-Transporter in the process of request of such piece rated workers. It is also submitted by the management that when an arrangement of this type was made the management had the right to send back the workers to their previous job at its option in order that the interim arrangement is not prolonged, the management constituted a committee for screening the P.R. workers for absorbing them as Tyndal-cum-Transporter on regular basis. On the basis of the recommendation of the screening committee the workers in question were absorbed in daily rated Cat. IV with a basic wage of 17.75 per day under NCWA-II. Similarly under the same circumstances 56 P.P.M.s started working as Trammers which is the job of time rated Cat. III. Their cases were also screened by a committee and they were absorbed as time rated trammers in Cat. III on a basic wage of 16.35 under NCWA-II. The job of a trammer is lighter than the job of P.R. Miner in Moonidih Project. The absorption of the PRMs as tyndal-cum-transporters in daily rated Cat. IV or as Trammers in daily rated Cat. III and their condition etc. were stated in the office order issued by the management dated 15-3-83 relating to 85 workers, office order dated 11-3-83 relating to 66 workers, office order dated 11-9-83 relating to 9 workers and office order dated 15-9-83 relating to 47 workers and under the same circumstances 16 P.R.M.s started working as Drilling-cum-roof building mazdoor in daily rated Cat. IV and they were regularly absorbed in such a daily rated post on a basic wage of Rs. 17.75 per day vide office order dated 29/31-10-83 relating to 16 workers. All the workers referred to in the above office order volunteered to work in the time rated post and had agreed to be absorbed in such post without protection of P.R. wages. They had not made any complaint or grievance to the management and they in fact accepted the arrangement of absorption in daily rated posts as it suited their

convenience. They continued to receive wages as per daily rated pay scale applicable to their case without any protest and the matter ended there. The present demand was made nearly 2 years after by the sponsoring union which came out with false allegations. The management had at no time given any assurance to the concerned workmen that while absorbing them as Tyndal-cum-transporter their piece rated wages would be protected. In fact there is shortage of P.R. Miners in Moonidih Project and in BCCL collieries and had there been a surplus P.R. workers, the management would have transferred them to the other collieries. It is well known that NCWA-III was signed by JBCCI on 11-11-83 and it came into force retrospectively from 1-1-83 on which there was provision for increment for P.R. workers annually which was described as special piece rate allowance. It was on account of this benefit that the present dispute has been raised by the sponsoring union as a result of after thought and with an ulterior motive.

Apart from the sponsoring union many other unions functioning in Moonidih Project were well aware of the back ground of the case and as such they never raised any dispute. The sponsoring union has taken up the present case with a view to boosting up its own position and not on any consideration of advancement of the interest of the concerned workmen. The concerned workmen had accepted the time rated job with their eyes open. The relevant office orders issued by the management made the position clear in regard to the pay fixation which was never protected by the workmen. None of them had filed any application or representation to the management that he had not given his consent for working in T.R. categories as per the conditions laid down in the office order. It is not now open to the concerned workmen or the sponsoring union to come out with a new plea. By way of abundant caution the management issued a notice dated 27/29-7-85 indirectly the back-ground of the case and the dispute raised by the sponsoring union stating that the management has decided to send back the concerned workmen to their previous job of P.R.M.S and that they should submit their application for being sent back to the piece rated work within a week. It had been made clear to them that if they failed to submit such application within the specified period it would be presumed that they have accepted the condition of absorption in time rated categories as stipulated in the relevant office orders. Not a single concerned workman or anyone else submitted any application or the representation to the management and they did not challenge the statement of the management that they had themselves volunteered for T.R. job without protection of their P.R. wages. The management still requires more than 250 miners/loaders in Moonidih Project even now and if the stand of the management is not accepted then the only course that can be reasonably adopted is to send back the concerned workmen to the piece rated jobs so that further complications are not created and the management is not confronted with the same. It is submitted by the management that it may be held that the demand of the sponsoring union that the management should protect the wages and fix the concerned workmen under the provision of NCWA-III is not justified.

The only question in the dispute for determination in this case is whether the management should protect the wages and fix the concerned workmen under the provisions of NCWA-III from the date of their conversion from piece rated to time rated job.

The workmen examined two witnesses and the management examined one witness in support of their respective cases. The workmen produced documents, which have been marked as Ext. W-1 to W-10. The documents produced on behalf of the management have been marked Ext. M-1 to M-7.

There is no dispute about the fact that all the concerned workmen were formerly working as P. R. Miners/loaders in Moonidih Project in Group VA and they were regularised in different time rated jobs vide the different office order. Ext. W-1 to W-4 are the different office orders by which the concerned workmen were regularised in the time rated jobs. Ext. W-1 shows that 66 of the concerned workmen who were working as P.R.Ms. and were working as Transporter-cum-

Tyndal were regularised as Transporter-cum-Tyndal with effect from 2-1-83 in Cat. IV in the scale of Rs. 17.75-0.53-25.11 per day on the initial basic of Rs. 17.75 per day as per NCWA-II. Out of these 66 workmen Sl. No. 62 Chandan Manjhi is not a workman concerned in this case and as such Ext. W-1 shows that 66 of the concerned workmen who were regularised as Transporter-cum-Tyndal with effect from 1-2-83 in Cat. IV on the mutual of Rs. 17.75 per day. Office order Ext. W-2 dated 29-10-83 shows that 16 of the concerned workmen who were formerly working as P.R. Miners in Moonidih Project were regularised in Cat. IV on the initial basic pay of Rs. 17.75 per day. Office order Ext. W-3 dated 15-9-83 shows that 47 concerned workmen who were formerly working as P.R.Ms were regularised as Trammers with effect from 15-9-83 in Cat. III with the initial basic pay of Rs. 16.35P per day as per NCWA-II. Office order dated Ext. W-4 dated 15-9-83 shows that 85 workmen who were formerly working as P.R.Ms were regularised as Transporters with effect from 15-9-83 in Cat. IV on the initial basic pay of Rs. 17.75 per day as per NCWA-II. Out of the 85 workmen named in Ext. W-4, Sl. No. 45 Shri Doman Nonia is not a workman concerned in this case and as such only 84 workmen named in Ext. W-4 are included in the concerned workmen of this case. Thus it will appear that Ext. W-1 to W-4 relate to regularisation of 212 concerned workmen whose names are stated in the annexure to the schedule of order of reference.

Now we have to see whether the concerned workmen are entitled to get the protection of the wages of Group VA after their conversion to the different time rated jobs in Cat. III and Cat. IV. The case of the workmen is that the management according to their own needs had converted the concerned workmen from piece rated to time rated jobs as they are getting less wages in Cat. III and Cat. IV their wages should be protected and they should not get less than the wages of Group VA. The case of the management on the other hand is that many of the P.R.Ms were getting less than 18.15 per day during NCWA-II period due to their inability to put in minimum workload and as such many of them wanted to switch over to the time rated jobs. The concerned workmen had chosen to be converted to the time rated job according to their own sweatwill and that union also had represented before the management for regularising them in the time rated job without the protection of wage of Group VA. Admittedly the concerned workmen had not given anything in writing to show that they wanted to opt for time rated job according to their own sweat will. The fact has to be determined on the other evidence adduced in the case. WW-1 Shri S. B. Singh is the Branch Secretary of the Sponsoring union, namely, United Coal Workers Union of Moonidih Project. He has stated that the concerned workmen were originally appointed Miners of piece rated basis and subsequently the management employed them in different time rated job. He has stated that the management redesignated the workmen who have been transferred from piece rated to time rated job after he had worked for 6 continuous months in the time rated jobs. He has stated that the concerned workmen had completed 6 months of work in time rated job but the management did not redesignate them in the time rated job in which they were working and hence the union discussion with the management regarding the redesignation and regularisation of the concerned workmen in the time rated job. He has stated that in 1982-83 the concerned workmen were redesignated and regularised in the time rated category in which they were working and individual office orders Ext. W-1 to W-4 were issued by the management to them. He has stated that the management paid the initial basic wage of the category in which they were regularised vide Ext. W-1 to W-4 although they were getting higher wages in piece rated job. He has stated that the union has been constantly demanding for the wage protection of the concerned workmen. He has also stated that the management had given wage protection to the workmen who were converted from piece rated to time rated job vide Ext. W-5. On perusal of Ext. W-5 it will appear that 9 piece rated P.R.M. were regularised to the post of trammers in time rated Cat. III in the initial basic pay of Rs. 16.35 with effect from 1-9-1982 Ext. W-5 does not show that the P.R. wages of these 9 persons had been protected while fixing their initial basic pay in the time rated Cat. III. The workmen have not produced

any document to show that any any of the workmen transferred from P.R. to T.R. jobs had got the protection of wages of Group VA when their wages of time rated Cat. XX were fixed by the management. Thus the assertion of WW-1 is not at all supported by Ext. W-5 to show that the management had ever given pay protection of Group VA to P.R.M. they were transferred to the time rated jobs.

It will appear from the evidence of WW-1 that the L.T.I. signature of the workmen to whom office order Ext. W-1 to W-5 were issued was taken in the office copy of the order by the management. In cross-examination WW-1 has stated that he does not know if on 8-7-82 the management had discussed the matter involved in this case with different unions including his union. The discussion dt. 8-7-82 is Ext. M-4. It will appear from Ext. M-4 that Shri Raghunath Singh, Secretary, United Coal Workers Union along with other unions had a discussion with the representative of the management of Moonidih Project on 8-7-82. Sl. No. 1 of the discussion is in respect of conversion of P.R. miners to time rated jobs who were already working since two or 3 years. The union had raised a point that about 300 workers designated as P.R. Miners are working on various time rated jobs such as trammers, the transporters-cum-tyndals etc. and therefore the management should regularise them. After discussion with the different union it was decided that (a) workers who are working on T.R. jobs shall be interviewed by the departmental heads and suitable person shall be given opportunity for the jobs for which they are found suitable (b) the workers shall be placed on the initial basic of the category in which they shall be regularised. It is clear therefore that the sponsoring union and the other union in discussion with the management on 8-7-82 had decided that P.R.M. working on various time rated jobs shall be placed on the initial basic of the Category in which they shall be regularised. WW-1 has stated that previously Shri Raghunath Singh was the Secretary of their union the said Raghunath Singh had participated in the discussion as Secretary, United Coal Workers Union and had signed the record notes of discussion which clearly establishes that the sponsoring union was a party to Ext. M-4 in which it was decided that the piece rated miners working on time rated jobs shall be placed on the initial basic of the category in which they shall be regularised. It appears that WW-1 was trying to evade the existence of Ext. W-4 as probably he was in full know of the fact that his union had agreed along with other unions that the workers converted to the time rated job will be placed on the initial basic of the category in which they shall be regularised. It appears that only after the decision vide Ext. M-4 the management had regularised the concerned workmen in time rated jobs in which they were working and they were placed on the initial basic of the category in which they were regularised. Ext. M-2 series are the office copies of the office order dt. 11-2-83 by which 65 of the concerned workmen were regularised as transporter-cum-tyndal with effect from 1-2-83 in Cat. IV in the initial basic of Rs. 17.75 per day as per NCWA-II in the scale of Rs. 17.75, 24.11 per day. These Ext. M-2 series are the office copies on which the signature of the workmen to whom copies were served individually were obtained. Ext. M-2 series are equivalent to Ext. W-1. On perusal of Ext. M-2 series it will appear that the individual workmen obtaining a copy of office order had signed on the office copy of the order without any objection. None of the workmen made any note of protest that the initial wages fixed to them in the time rated Category was not acceptable to them as their piece rated group VA wages were not protected. If the concerned workmen had in fact any objection at that time they would at once have made a protest and would have made a note on the office copy of the office order on receipt of its copy that the initial wages fixed was not acceptable to them as their group VA wages had not been protected.

Ext. M-3 is a photo copy of a memorandum of settlement arrived at between the representative of RCMS with the management regarding conversion of P.R.M. to T.R.M. on 21-7-83. This settlement also shows that the RCMS and the management agreed that the P.R.M. regularised in the time rated jobs will get the initial basic pay of their regularised category. Admittedly, the sponsoring union was not a party to Ext. M-5 dt. 21-7-83. But it appears that in

Ext. M-5 RCMS had followed the previous principle as agreed to vide Ext. M-4 in respect of the fixation of the initial basic pay of P.R.M.S. regularised to the time rated jobs. Ext. M-7 dt. 20-4-78 is another memorandum of settlement arrived at between the management of Moonidih Project and the representative of the union including the sponsoring union represented by Shri S. N. Singh, Local Secretary of the United Coal Workers Union along with other union. It will appear from this settlement also that P.R.M.S. who were converted to time rated jobs after regularisation got the starting basic salary of the category in which they were working. It is clear therefore that the T.R.M.S. who were working in P.R. jobs on regularisation in the T.R. jobs were getting the initial basic wages of the time rated category in which they were placed in accordance with the settlement between the management and the union. It appears therefore that the fixation of the basic wages of the concerned workmen in the initial basic of the category was not a new procedure or decision but the said procedure and decision was evolved ever since before regularisation of the concerned workmen in the time rated categories. Ext. W-8 which is the record note of discussion held with the representative of United Coal Workers Union Moonidih Branch with the management on 3-12-83 does not show any discussion or decision in respect of the fixation of the initial basic wages of the P.R.M.S. regularised in the time rated jobs and as such this document is of no avail for the purpose of decision of this case. Ext. W-9 is the minutes of meeting held on 22-4-83 with the representative of United Coal Workers Union. Item No. 3 of the discussion relates to demand of wage protection to those P.R.M.S. who have been redesignated as trammers and tyndals. This was the first time when the dispute about the wage protection was raised by the sponsoring union but prior to that this union also had agreed what the initial basic wages of P.R.M.S. converted and regularised to the time rated jobs would get the initial basic of the category in which they are regularised. It appears from the discussion Ext. W-9 that the union was to submit a list of such P.R. workers who have joined T.R. jobs and have not given any willingness to work on such a post but we do not find any such list which was submitted to the management for consideration. Ext. M-3 is a letter sent to the ALC(C) Dhanbad by the Secretary of the sponsoring union dt. 27-11-84. WW-1 has stated that he had not written any letter to the management in respect of the matters contained in Ext. M-3 but he had discussion on the said subject matter with the management which was noted in the minutes of discussion. It is clear therefore that the concerned workmen or the union had not given in writing to the management about their demand of wage protection, to the concerned workmen after their regularisation in the time rated job.

WW-2 has stated in his cross-examination at page-4 that there was no demand of protection of wages in Ext. W-8 and Ext. W-10 as at that time the demand was for regularisation of the concerned workman. He has stated that before NCWA-III there was no provision for annual increment of piece rated workers but since NCWA-III the piece rated workmen are getting special piece rated allowance every year. The case of the management is that it is only after the piece rated workmen were allowed special piece rated allowance vide NCWA-III that the union and the concerned workmen have started the present dispute for protection of their wage of Group VA after their regularisation in the time rated job. WW-2 also has very clearly avoided to accept the existence of the discussion between their union and the management on 8-7-82 regarding the regularisation of the workmen and for giving the minimum of the basic wages of the time rated category. He has also accepted that they have not filed any paper to show that the 9 workmen named in Ext. W-5 were given protection of wages by the management. WW-1 who is the Branch Secretary and WW-2 who is the Branch President of the Moonidih Branch of United Coal Workers Union both have expressed their ignorance about the existence of the settlement arrived at vide Ext. M-4. Ext. M-4 was definitely standing against their case as their union had agreed that P.R.M.S. converted and regularised to T.R. jobs shall be placed on the initial basic of the category in which they shall be regularised. The evidence of these two union leaders therefore cannot be accepted in face of the existence of the settlement between the union and the management vide Ext. M-4.

MW-1 Shri V. R. Joshi who is working as Personnel Manager has stated that all the concerned workmen were previously in Group VA as Miner/loader who had requested the management for time rated job as the conditions of the mine were hazardous. He has stated that the requests of the concerned workmen were accepted by the management and they were placed in the time rated job after the management had discussed the matter with different unions regarding their absorption in time rated jobs prior to their conversion. He has referred to the recorded note of discussion Ext. M-4 dt. 8-7-84 which I have discussed above. He has stated that the concerned workmen had been screened by the committee before their conversion to the time rated job. He has further stated that none of the concerned workmen had made any representation before the management regarding the protection of their piece rated wages and that the management had not protected the wages of piece rated workers when they were transferred to time rated jobs. He has stated that the management had not given any assurance to the concerned workmen that their piece rated wages will be protected after they are put to time rated job. He has also stated that the sponsoring union had not raised any objection regarding the protection of the piece rated wages of the concerned workmen during his stay at Moonidih Project. In his cross-examination he has stated that the piece rated miners are transferred to time rated jobs only on the requirement of the management and on the consent of the workmen. Thus MW-1 who has supported the case of the management is corroborated by Ext. M-4 and I do not see any reason to disbelieve him.

On consideration of the entire facts, evidence and circumstances discussed above I hold that the sponsoring union had itself agreed that the wages of P.R.M.S. converted to time rated jobs and regularised in the time rated categories should be fixed on the initial basic of the category in which they shall be regularised and that accordingly the concerned workmen were given the initial basic wage of the category in which they were regularised in the time rated job after their conversion from P.R.M.S. to the different time rated jobs. There is absolutely no evidence to show that the concerned workmen had ever objected to the initial basic wages fixed to them by the management in the time rated jobs vide the office orders and this was so only because of the fact that their union itself had agreed that P.R.M.S. on conversion and regularisation to the different

time rated jobs will get the initial basic of the category in which they shall be regularised. In the above view of the matter it appears that the demand now being made by the workmen that their piece rated wages of Group VA be protected at the time when they were regularised in time rated jobs is not justified.

An objection was raised on behalf of the management that the sponsoring union had no following or that it was not working in the Moonidih Project. This plea of the management appears to be baseless on the evidence which have been produced by them. MW-1 has stated that there was a system of holding meeting and discussion between the management and the functioning trade union. He has further stated that the United Coal Workers Union is represented in the Central Consultative Committee and also in the area consultative committee. The document of the management, namely, Ext. M-4 and M-7, clearly shows that the management were having discussions with the United Coal Workers Union and the memorandum was prepared regarding the offer of settlement arrived at between the management and the union. Ext. M-4 and M-7 are proof of the fact that the United Coal Workers Union was very much working in Moonidih Project and that the management was having discussion with them in respect of the demand of the workmen. It does not behave well on the part of the management to make unnecessary and baseless objection for stake and I would like that such flimsy and unnecessary objections may not be raised in future. I hold that the sponsoring union was working as union in Moonidih Project and had a following of workmen and the management therefore was discussing the demand of the workmen with the sponsoring union.

In the result, I hold that the demand of the United Coal Workers Union that the management of Moonidih Project of M/s. B.C.C.L. should protect the wages of the concerned workmen and fix them under the provisions of NCWA-III from the date of their conversion from piece rated to time rated jobs is not justified. Accordingly the concerned workmen are entitled to no relief.

This is my Award.

I. N. SINHA, Presiding Officer
[No. L-20012(121)/85-D III(A)]

P. V. SREEDHARAN, Desk Officer